राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 314
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 26 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 27 मई 2022 तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अवशेष लाभार्थियों को खाद्यान्न का किया जाएगा नि:शुल्क वितरण

पेज 5 मुस्लिमों का ज्ञानवापी में प्रवेश रोकने का मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में ट्रांसफर, 30 को अगली सुनवाई

पेज 7 गुजरात टाइटंस में मुझे सभी का समर्थन और खेलने का मौक़ा मिला : डेविड मिलर

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने टीवी एक्ट्रेस अंबरीना भट की हत्या की

फायरिंग में 10 साल का भतीजा भी घायल

जम्मू-कश्मीर के चादूरा में आतंकियों ने टीवी कलाकार अंबरीना भट की गोली मारकर हत्या कर दी। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। फायरिंग में अंबरीना का 10 साल का भतीजा भी घायल हुआ है।

घटना बुधवार को बडगाम जिले के चदूरा के हिशरू इलाके में हुई। टीवी एक्ट्रेस अंबरीन अपने घर के बाहर भतीजे के साथ खड़ी थीं। तभी अचानक आए हमलावरों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इसमें अंबरीना की मौत हो गई, जबकि उनके भतीजे के हाथ में गोली लगी है। भतीजे की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि वारदात में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकी शामिल थे। केस दर्ज कर लिया गया है और उनकी तलाश की जा रही है।

देश के 2100 राजनीतिक दलों पर बड़ा ऐक्शन लेगा चुनाव आयोग, टैक्स समेत कई गड़बड़ियां

नई दिल्ली। साल 2024 में होने वाले आम चुनाव से पहले चुनाव आयोग 2100 राजनीतिक दलों पर बड़ा ऐक्शन लेने की तैयारी कर रही है। ये वो पार्टियां होंगी जो टैक्स समेत कई गड़बड़ियां की हैं। नियमानुसार एनुअल ऑडिट भी सही तरीके से नहीं करा पाई हैं। कई पार्टियां ऐसी भी हैं जो कि चुनाव में खर्च का ब्योरा भी नहीं दे पाई हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि वो आरपी अधिनियम 1951 की धारा 29ए और 29सी का अनुपालन नहीं करने वाली देश की 2100 से अधिक पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के खिलाफ कार्रवाई करेगा। राजनीतिक पार्टियों को विधानसभा चुनाव खत्म होने के 75 दिन और लोकसभा चुनाव खत्म होने के 90 दिन के भीतर चुनावी खर्च का ब्योरा देना अनिवार्य होता है। चुनाव आयोग ने 2100 से अधिक राजनीतिक पार्टियों में से 2056 ऐसी हैं जो कि एनुअल ऑडिट एकाउंट को भरने में असमर्थ रही हैं।

जम्मू-कश्मीर में एनकाउंटर: बारामूला में तीन पाकिस्तानी आतंकवादी ढेर

मुठभेड़ के दौरान 24 घंटे में दो जवान भी शहीद

नई दिल्ली। बारामूला के करेरी इलाके की नजीभात क्रॉसिंग पर सेना और आतंकियों के बीच बुधवार सुबह मुठभेड़ हुई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने 3 पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया। आतंकियों के पास से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुआ है। एनकाउंटर में जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक जवान भी शहीद हो गया। IGP कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि अभी इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

मंगलवार को भी एक पुलिसकर्मी की हत्या हुई थी

जम्मू-कश्मीर में आतंकी बीते कई दिनों से टारगेट किलिंग की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। मंगलवार को आतंकियों ने श्रीनगर के सौरा क्षेत्र के अचार इलाके में पुलिसकर्मी पर हमला किया। आतंकियों ने पुलिसकर्मी को गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात में उनकी 9 साल की बेटी सफा कादरी भी गोली लगने से जख्मी हो गई। सफा की हालत फिलहाल स्थिर है।

सोमवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया था कि उसने लश्कर-ए-तैयबा संगठन से जुड़े 5 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इसमें से 3 बारामुला में पिछले महीने सरपंच की हत्या में कथित तौर पर शामिल थे।

राहुल भट की हत्या की विरोध में प्रदर्शन

12 मई को जम्मू-कश्मीर के बडगाम में आतंकियों ने चडूरा तहसीलदार ऑफिस के क्लर्क राहुल भट को ऑफिस में घुसकर गोली मार दी थी। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

राहुल भट की हत्या पर कश्मीरी पंडितों ने किया प्रदर्शन

21 मई को अनंतनाग जिले के कश्मीरी पंडितों ने सिर मुंडवा कर राहुल भट की हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने राहुल भट की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना भी की।

पंडितों ने जागो मोदी-जागो मोदी, शहीद राहुल भाई अमर रहे, राहुल तेरे कातिल जिंदा हैं जैसे नारे लगाए। उन्होंने सवाल किया कि केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन कश्मीरी पंडितों के लिए सुरक्षित माहौल क्यों नहीं बना रहा है?

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकी हमले में मारे गए राहुल भट के परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी।

बीते कुछ दिनों में हुए हमले

7 मई को श्रीनगर के अली जान रोड स्थित ऐवा ब्रिज पर आतंकियों ने पुलिसकर्मी गुलाम हसन डार को गोली मार दी थी। 18 अप्रैल को पुलवामा में आतंकियों ने काकापोरा रेलवे स्टेशन के बाहर दुकान पर चाय पीने आए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के दो जवानों सब इंस्पेक्टर देवराज व हेड कांस्टेबल सुरिंदर सिंह को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया।

यासीन मलिक को ताउम्र कैद

2 मामलों में आजीवन कारावास; सभी सजाएं साथ चलेंगी, 10 लाख का जुर्माना भी

नई दिल्ली/श्रीनगर। कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को NIA कोर्ट ने टेरर फंडिंग केस में उम्रकैद की सजा सुनाई। NIA के वकील उमेश शर्मा ने बताया- यासीन को दो मामलों में उम्रकैद और 10 मामलों में 10 साल सजा सुनाई गई है। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इसके अलावा इस अलगाववादी नेता को 10 लाख रुपए जुर्माना भरना होगा। यासीन पर पाकिस्तान के समर्थन से कश्मीर में आतंकी हमलों के लिए फंडिंग और आतंकियों को हथियार मुहैया कराने से जुड़े कई केस दर्ज थे। यासीन को सजा के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने दिल्ली-एनसीआर में आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। सजा सुनने के बाद यासीन ने अपने वकील एपी सिंह को गले लगाया। सजा के ऐलान से पहले पटियाला हाउस कोर्ट की सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। उधर, श्रीनगर के कई बाजार बंद हो गए। वहां भारी फोर्स तैनात है। कुछ इलाकों में पत्थरबाजी की घटनाएं भी सामने आईं। श्रीनगर और आसपास के इलाकों में मोबाइल और इंटरनेट सर्विस फिलहाल सस्पेंड कर दी गई हैं।

दिल्ली- एनसीआर में आतंकी हमले का अलर्ट

खुफिया एजेंसियों ने यासीन मलिक को सजा के बाद दिल्ली-एनसीआर में आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

अदालत में यासीन की दलील

बुधवार को फैसला आने से पहले कोर्ट पहुंचे यासीन ने कहा, अगर मैं 28 साल के दौरान किसी आतंकवादी गतिविधि या हिंसा में शामिल रहा हूं और खुफिया एजेंसियां यह साबित कर देती हैं, तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। मुझे फांसी मंजूर होगी। मैंने सात प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया है। अपने लिए कुछ भी नहीं मांगूंगा। किस्मत का फैसला अदालत पर छोड़ता हूं।

मलिक ने आरोपों को चुनौती देने से कर दिया था इनकार

दोषी करार होने के बाद मलिक ने कोर्ट में कहा था कि वह UAPA की धारा 16 (आतंकवादी गतिविधि), 17 (आतंकवादी गतिविधि के लिए धन जुटाने), 18 (आतंकवादी कृत्य की साजिश रचने), व 20 (आतंकवादी समूह या संगठन का सदस्य होने) और आईपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) व 124-ए (देशद्रोह) के तहत खुद पर लगे आरोपों को चुनौती नहीं देना चाहता। मलिक 2019 से दिल्ली की तिहाड़ जेल में कैद है।

ईपीएफओ से जुड़े नौ लाख से अधिक कर्मचारी

नयी दिल्ली। मार्च 2022 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की कर्मचारी भविष्य निधि से नौ लाख से अधिक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्वास्थ्य बीमा योजना से 14 लाख से अधिक और राष्ट्रीय पेंशन योजना से 75 हजार से अधिक कर्मचारी जोड़े गये हैं। सरकार के बुधवार को यहां जारी आंकड़ों में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि मार्च 2022 में ईपीएफ से नौ लाख 68 हजार 163 कर्मचारी जोड़े गये हैं। इनमें सात लाख दो हजार 169 पुरुष और दो लाख 65 हजार 980 महिलायें हैं। इनमें से 11 कर्मचारी अन्य श्रेणी में हैं और तीन के संबंध में जानकारी उपलब्ध नहीं है। सितंबर 2017 से मार्च 2022 तक ईपीएफ में पांच करोड 28 लाख 56 हजार 397 कर्मचारी शामिल किये गये हैं। इसी माह में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्वास्थ्य बीमा योजना में 14 लाख पांच हजार 570 कर्मचारी जोड़े गये हैं। इनमें 11 लाख 27 हजार 66 पुरुष और दो लाख 78 हजार 458 महिलायें शामिल हैं।

उड़ीसा : पर्यटक बस पलटने से बंगाल के 6 लोगों की मौत; 31 से ज्यादा घायल

भुवनेश्वर। एक भीषण सड़क हादसे में पश्चिम बंगाल के कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। मंगलवार देर रात गंजम-कंधमाल सीमा के पास उड़ीसा के कलिंग घाटी में एक पर्यटक बस के पलट जाने से बंगाल की चार महिलाओं सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 31 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि बंगाल के हावड़ा में उदयनारायणपुर इलाके के 76 यात्रियों को लेकर पर्यटक बस मंगलवार दोपहर कंधमाल के दरिंगीबाड़ी इलाके से चली थी और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की ओर जा रही थी।

भंजनगर थाने के निरीक्षक धीरेश दास ने बताया, रात करीब 11.30 बजे, बस के चालक ने पहाड़ी सड़क के एक मोड़ पर अपने ब्रेक पर से कंट्रोल खो दिया और बस पलट गई, जिसके बाद 6 लोगों की कुचलकर मौत हो गई। कम से कम 15 गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि 16 अन्य को मामूली चोटें आई हैं।

छह मृतकों में से पांच की पहचान कर ली गई है।

वे सुप्रिया डेनरे, संजीत पात्रा, रीमा डेनरे, मौसमी डेनरा और बरनाली मन्ना हैं। मरने वाले रसोइए की पहचान नहीं हो पाई है।

हादसे के तुरंत बाद दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और यात्रियों को पलटी बस से बाहर निकाला। बाद में स्थानीय युवकों और पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

पुलिस का कहना है कि अगर हादसा घाट रोड से थोड़ा ऊपर होता तो और भी लोग हताहत हो सकते थे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, घाट की सड़कों के समाप्त होने पर दुर्घटना हुई, इसलिए हताहतों की संख्या सीमित थी। अगर यह खाई में गिर जाती, तो यह विनाशकारी साबित होता।

40 पुरुषों, 30 महिलाओं और कुछ बच्चों सहित लगभग 77 यात्रियों को लेकर बस फूलबनी (उड़ीसा) से विशाखापत्तनम लौट रही थी, तभी कलिंग घाट (उड़ीसा) के पास वाहन ने ब्रेक पर नियंत्रण खो दिया। चालक घाट में कठिन मोड़ों के बीच बस को चलाने में विफल रहा और यह खाई में पलटने से पहले बिजली के खंभे से जा टकराई। डॉक्टरों ने बताया कि गंभीर रूप से घायलों की हालत स्थिर है।

समुद्र तल से 2500 फीट की ऊंचाई पर स्थित कलिंग घाट अपनी टेढ़ी-मेढ़ी सड़कों के लिए उतना ही प्रसिद्ध है जितना कि मनमोहक प्राकृतिक सौंदर्य के लिए। घाट सबसे लंबी सड़कों में से एक है। इससे पहले दिसंबर में कलिंग घाटी इलाके में वाहन के पलटने से पश्चिम बंगाल के 50 पर्यटक घायल हो गए थे।

कोरोना के 2,124 नए मामले दर्ज, 17 की मौत

नयी दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में उतार-चढ़ाव के बीच बुधवार को 2,124 नये मामले सामने आए हैं तथा 17 लोगों की मौत होने से कोरोना मृतकों की संख्या 5,24,507 हो गयी।

नये मामलों के सामने आने के साथ कुल मामलों की संख्या चार करोड़ 31 लाख 42 हजार 192 तक पहुंच गई है। इस दौरान सक्रिय मामलों में 130 की बढ़ोत्तरी होने से अब इनकी संख्या 14,971 हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 1,977 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं और इसी के साथ अब तक कुल चार करोड़ 26 लाख दो हजार 714 मरीज कोविड से उबर चुके हैं।

देश में इस वक्त कोरोना से स्वस्थ होने की दर 98.75 प्रतिशत है। वहीं, सक्रिय दर 0.03 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 61 बढ़ने से कुल संख्या 2,039 तक पहुंच गयी है। वहीं, 276 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 77,33,452 तक पहुंच गया है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,47,857 हो गया।

केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 27 बढ़कर 3,955 हो गये हैं। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 428 बढ़कर 64,77,952 हो गयी, जबकि मृतकों की संख्या 13 बढ़कर 69,630 हो गयी।

दिल्ली में तीन जगहों पर नए चार्जिंग, स्वैपिंग स्टेशन बनेंगे

नयी दिल्ली। दिल्ली के उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को चार्जिंग में दिक्कत न आए इसके लिए राजधानी में तीन स्थानों पर चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग स्टेशन बनाए जाएंगे।

श्री जैन ने बुधवार को यहाँ बताया कि केजरीवाल सरकार दिल्ली को इलेक्ट्रिक वाहनों की राजधानी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इलेक्ट्रिक व्हीकल इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी मजबूत किया जा रहा है। ई-व्हीकल की बैटरी खत्म होने पर उसे री-चार्ज करने में वक्त की बर्बादी ना हो, साथ ही रिचार्ज प्रक्रिया आसान हो, इसके लिए दिल्ली सरकार की ओर से पटपड़गंज, बवाना इंडस्ट्रियल एरिया सेक्टर-5 और नरेला सेक्टर-बी में इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य ई-व्हीकल की डिस्चार्ज बैटरी को बदलकर पूरी तरह

चार्ज बैटरी लगाने की व्यवस्था को आसान बनाना है।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय आज दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन की बोर्ड बैठक में लिया गया।

दिल्ली को इलेक्ट्रिक गाड़ियों की राजधानी बनाने के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विजन को साकार करने के लिए शहर में तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। दिल्ली में बड़ी संख्या में लोग इलेक्ट्रिक बाइक और कार खरीद भी रहे हैं। कई बार हालांकि लोगों को इन गाड़ियों की चार्जिंग को लेकर संशय बना रहता है कि इलेक्ट्रिक वाहनों से दूर के सफर के लिए जोखिम नहीं लिया जा सकता है। यही उनके सामने सबसे बड़ी समस्या रहती है कि वो अपनी गाड़ी को चार्ज कहां और कैसे करेंगे।

ऐसे में लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए दिल्ली सरकार चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग स्टेशन के स्थापित करने पर जोर दे रही है।

साफ-सफाई

साफ-सफाई में लापरवाही पर दो और कॉन्ट्रैक्टरों पर 2.44 लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा में गंदगी को लेकर प्राधिकरण का एक्शन जारी

ग्रेटर नोएड। ग्रेटर नोएडा में समय से कूड़ा न उठाने पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग ने दो कांट्रेक्टरों पर 2.44 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

प्राधिकरण जुर्माने की रकम दोनों कॉन्ट्रैक्टरों को होने वाले मासिक भुगतान में से कटौती करेगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ व मेरठ मंडलायुक्त सुरेन्द्र सिंह के निर्देश पर शहर को स्वच्छ बनाने के लिए जागरुकता अभियान के साथ ही गंदगी फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जनस्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक सलिल यादव के नेतृत्व में टीम सेक्टरों व गांवों में रोजाना निरीक्षण कर रही है। टीम ने रोजा याकूबपुर, छपरौला, हैबतपुर, कासना, खेरली, डाढ़ा, अस्तौली आदि जगहों का निरीक्षण किया।

मासिक भुगतान से काटी जाएंगी जुर्माने की रकम

इस दौरान समय से कूड़ा न उठने की शिकायत मिली, जिसके चलते जनस्वास्थ्य विभाग ने जोन वन में कूड़ा उठाने के लिए जिम्मेदार कंपनी आर आर फैसिलिटी 1.92 लाख और जोन फोर की कंपनी ओनिक्स कंस्ट्रक्शन पर लगभग 1.52 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की रकम कॉन्ट्रैक्टरों को होने वाले मासिक भुगतान में से कटौती की जाएगी।

सलिल यादव ने बताया कि मैनुअल स्वीपिंग के लिहाज से ग्रेटर नोएडा व ग्रेटर नोएडा वेस्ट को चार जोन में बांटा गया है।

चार साल तक हर जोन की साफ-सफाई की जिम्मेदारी तीन कंपनियों पर है, जिसमें से दो जोन (जोन टू व थ्री) के एरिया की साफ-सफाई का जिम्मा मैसर्स साईं नाथ पर है, जबकि जोन वन की साफ सफाई की जिम्मेदारी आर आर फैसिलिटी पर और जोन चार की जिम्मेदारी ओनिक्स कंस्ट्रक्शन पर है।

कॉल सेंटर पर दे सकते है जानकारी

उन्होंने निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहने की बात कही है। सलिल यादव ने ग्रेटर नोएडावासियों से समय से कूड़ा न उठने पर प्राधिकरण के कॉल सेंटर नंबर (0120-2336046, 47, 48 व 49) पर कॉल करके सूचना देने की अपील की है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ सुरेन्द्र सिंह ने ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों व गांवों को और स्वच्छ बनाने में निवासियों से सहयोग मांगा है। घरों में गीले व सूखे कूड़े के लिए दो डस्टबिन रखने और कूड़े को डस्टबिन में ही डालने की अपील की है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर अमृतसर बंद, कट्टरपंथी संगठनों ने 6 जून के लिए दी कॉल

अमृतसर। कट्टरपंथी सिख संगठनों ने ऑपरेशन ब्लू स्टार की 38वीं बरसी पर आगामी 6 जून को अमृतसर बंद रखने का आह्वान किया है। संगठनों ने 6 जून के लिए समर्थन जुटाने का अभियान शुरू कर दिया है। सिख संगठन 5 को स्वतंत्रता मार्च निकालने की घोषणा भी कर चुके हैं। दूसरी तरफ इन सबके बीच पुलिस ने शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमर कस ली है।

पंजाब और पड़ोसी राज्यों में पिछले कुछ समय में खालिस्तान मूवमेंट से जुड़ी कई एक्टिविटी नजर आई हैं। पटियाला में दो समुदायों के बीच झड़प के बाद से पंजाब में माहौल चिंताजनक है। ऐसे में पुलिस प्रशासन ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी के मौके पर ढील

नहीं बरतना चाहता। इसी क्रम में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई जगह चेकिंग के अलावा फ्लैग मार्च निकाले जा रहे हैं। कट्टरपंथियों पर नजर रखने के लिए सभी प्रमुख मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

कट्टरपंथी संगठन सोशल मीडिया पर सक्रिय

दल खालसा, शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) और कुछ अन्य कट्टरपंथी संगठन 6 जून से पहले सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गए हैं। यह संगठन सोशल मीडिया के जरिये और शहरभर में घूमकर व्यापारियों, बैंकों और शैक्षणिक संस्थानों को 6 जून को बंद रखने का आग्रह कर रहे हैं।

5 जून को स्वतंत्रता मार्च की तैयारी

दल खालसा के प्रवक्ता के अनुसार, 5 जून को अमृतसर शहर में स्वतंत्रता मार्च निकालने की तैयारी है। अगले दिन, यानी 6 जून को अमृतसर बंद का आह्वान कर लोगों से सहयोग मांगा जा रहा है। इसके लिए 20 हजार से अधिक पैंफ्लेट बांटने की भी योजना है। बंद का आह्वान व्यापारिक, बैंकों, पेट्रोल पंपों और शिक्षण संस्थानों के लिए है।

शार्ट न्यूज

कोया जनजाति की लड़की से की शादी, कंगारू कोर्ट के फैसले के बाद युवक ने दी जान

भुवनेश्वर। कोया जनजाति की 20 साल की लड़की से शादी करने के 9 दिन बाद ही बंगाल के मलकानगिरि के रहने वाले युवक ने जहर खाकर जान दे दी। लड़की के गांव में कांगारू पंचायत की गई थी जिसमें यह फैसला होना था कि शादी को मान्यता दी जाएगी या नहीं। राजमिस्त्री का काम करने वाले युवक को सोमवार सुबह डॉक्टरों ने मलकानगिरि जिला अस्पताल में मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने कहा कि उसने कीटनाशक खाया था। मृत युवक के परिवार का कहना है कि वह कुछ समय पहले 21 साल की कोया लड़की से प्यार में पड़ गया। जब लड़की के परिवारवाले नहीं तैयार हुए तो उन दोनों ने भागकर नोटरी के सामने 14 मई को शादी कर ली। अगले दिन उन्होंने एक स्थानीय मंदिर में शादी की। युवक के रिश्तेदार ने कहा, 16 मई को लड़की के परिवारवाले युवक के घर गए थे और लड़की को लेकर अपने गांव चले गए। उन्होंने कहा था कि लड़की की मां बीमार है। इसलिए युवक को लगा कि थोड़ी देर में वह वापस आ जाएगी लेकिन शाम तक लड़की वापस नहीं लौटी। कुछ दिन तक वे लोग टालते रहे और तब तक उन्होंने शादी को मान्यता देने के लिए पंचायत बुलाई। इस पंचायत में लगभग 200 कोया जनजाति के लोग एकत्र हुए और फैसला हुआ कि लड़की बंगाली लड़के से नहीं मिल सकती है। इसके बाद लड़का दुखी होकर गांव लौटा और कीटनाशक खा लिया। युवक के परिवार ने कहा, लड़की को भी उसके परिवारवालों ने मारा पीटा। शादी के बाद उन्होंने मलकानगिरि के थाने में इंस्पेक्टर से सुरक्षा की मांग भी की थी। मलकानगिरि के इंस्पेक्टर रिगन किंडो ने कहा कि अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है लेकिन लड़के के परिवार ने लड़की के परिवार पर कोई एफआईआर नहीं दर्ज कराई है।

पाक में लिंच करने वाले 6 लोगों को फांसी हुई और भारत में मालाओं से स्वागत : मुफ्ती

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा और भारत के खिलाफ जहर उगला। पाकिस्तान से तुलना करते हुए मुफ्ती ने कहा कि पाकिस्तान में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। वहां इस गुनाह के दोषियों को फांसी और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई लेकिन, भारत में ऐसा नहीं होता। साल 2015 से भारत में कई अखलाकों को मार डाला गया लेकिन उनके दोषियों को माला पहनाकर स्वागत किया जाता है। मंगलवार को पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मोदी सरकार पर लिंचिंग के दोषियों को पनाह देने और देश में सांप्रदायिक हिंसा को भड़काने का आरोप लगाया। मुफ्ती ने कहा कि पाकिस्तान और भारत की सरकार में यही अंतर है। आतंकपरस्त देश पाकिस्तान की तारीफ करते हुए मुफ्ती ने कहा पाकिस्तान में लिंचिंग समेत तमाम कुकृत्यों के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है। लिंचिंग के दोषियों को फांसी और आजीवन कारावास की सजा सुनाई जाती है लेकिन, साल 2015 के बाद (केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद) कई अखलाकों को यहां (भारत) मार डाला गया है। इस गुनाह के दोषियों को माला पहनाई जाती है, लेकिन दंडित नहीं किया जाता है। महबूबा मुफ्ती ने आगे कहा कि पाकिस्तान की न्यायपालिका और यहां की न्यायपालिका में यही अंतर है। गौरतलब है कि 28 सितंबर 2015 में ग्रेटर नोएडा में अखलाक नाम के एक शख्स को भीड़ ने इसलिए मौत के घाट उतार दिया था क्योंकि भीड़ को शक था कि उसने अपने घर में गोवंश पकाकर खाया है। इस केस में 24 दिसंबर 2015 को नोएडा पुलिस ने हत्याकांड के 15 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

यासिन मलिक को सजा सुनाए जाने से पहले श्रीनगर के अधिकांश हिस्से बंद रहे

श्रीनगर। कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को नयी दिल्ली में विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अदालत में बुधवार को सजा सुनाए जाने से पहले श्रीनगर के अधिकांश हिस्सों में बंद की स्थिति बनी रही। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि शहर के अधिकांश हिस्सों में दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सड़कों पर हालांकि यातायात सामान्य रहा। इसके साथ ही शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मलिक के पैतृक निवास मैसुमा इलाके में सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ायी गयी है। घाटी में अभी तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है, हालांकि कुछ अन्य हिस्सों में आंशिक रूप से बंद की रिपोर्ट सामने आ रही हैं। गौरतलब है कि राजधानी दिल्ली में एक विशेष एनआईए अदालत जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के नेता यासीन मलिक को दी जाने वाली सजा का कुछ ही समय बाद एलान करेगी। मलिक को कुछ दिन पहले आतंकवादी फंडिंग मामले में दोषी करार दिया गया था।

ओडिशा एसटीएफ ने पकड़ा पैंगोलिन के शल्कों के साथ एक वन्यजीव अपराधी

भुवनेश्वर। ओडिशा अपराधिक शाखा के एक विशेष कार्य बल ने नुआपड़ा जिले से एक वन्यजीव अपराधी को पकड़कर उसके पास से पैंगोलिन के छह किलोग्राम शल्क जब्त किये हैं। एसटीएफ के सूत्रों ने बुधवार को कहा कि टीम ने आज खैरार वन अधिकारियों की मदद से नुआपड़ा जिले के नुआपड़ा पुलिस थाना अंतर्गत साहीपल्ला के पास छापा मार कर बकरम माझी को धर दबोचा। अपराधी की तलाशी लेने के बाद उनके पास से पैंगोलिन के छह किलोग्राम शल्क और अन्य गैरकानूनी सामग्री को बरामद किया गया। पकड़े गए वन्यजीव अपराधी को जरूरी कानूनी कार्रवाई के लिए खैरार वन अधिकारियों को सौंप दिया गया है। उल्लेखनीय है कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत भारतीय पैंगोलिन संरक्षित जानवर है।

गुलदार को जलाकर मारने पर ग्राम प्रधान सहित 156 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज

पौड़ी गढ़वाल/देहरादून। उत्तराखण्ड के पौड़ी गढ़वाल जिले में पिंजरे में कैद गुलदार को जलाकर मारने के आरोप में ग्राम प्रधान सहित कुल 156 ग्रामीणों के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस प्रवक्ता मुकेश गैरोला ने बुधवार को बताया कि वन दरोगा सतीश चंद्र, बुआखाल अनुभाग नागदेव रेंज, पौड़ी ने थाने पर तहरीर दी कि ग्राम सपलोडी में कुछ दिन पूर्व गुलदार ने एक महिला को मार दिया था उसके उपरांत वन विभाग द्वारा उक्त गुलदार को पकड़ने हेतु पिंजरा लगाया गया था। मंगलवार सुबह गुलदार पिंजरे में फंस गया। जब वन विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी पिंजरे में फंसे गुलदार को मौके से रेंज कार्यालय नागदेव ले जाने के लिए ला रहे थे तो ग्राम प्रधान अनिल कुमार, ग्रामसभा सपलोडी द्वारा आस-पास के गांव सरणा, कुलमोरी के करीब 150 पुरुष-महिलाओं को एकत्रित कर उक्त पिंजरे में बंद गुलजार को वन विभाग के कर्मचारियों से धक्का-मुक्की कर पिजरे को छीन लिया। इतना ही नहीं, पिंजरे के ऊपर घास और पेट्रोल डालकर उसमें आग लगा दी जिससे गुलदार की जलकर मौत हो गई। गैरोला ने बताया कि तहरीर के आधार पर ग्राम प्रधान अनिल कुमार, देवेंद्र, हरि सिंह रावत, सरिता देवी, विक्रम सिंह और कैलाश देवी के अतिरिक्त करीब 150 व्यक्ति, नाम अज्ञात, निवासीगण ग्राम सपलोडी, ग्राम सरणा और ग्राम कलमोरी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, वन कर्मियों पर हमला कर, पिंजरे को छीन कर, आग लगाकर गुलदार को मार देने के संबंध में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच प्रभारी पुलिस चौकी पाबौ उपनिरीक्षक दीपक पवार कर रहे हैं।

वीरप्पन के भाई मथैयन की मौत

चेन्नई। कुख्यात चंदन तस्कर वीरप्पन के बड़े भाई मथैयन की बुधवार तड़के सलीम सरकारी अस्पताल में मौत हो गयी। वह 75 वर्ष का था। वह 1987 में वन मंडलाधिकारी चिदंबरम की हत्या मामले में उम्र कैद की सजा काट रहा था। मथैयन को वर्ष 1987 में फॉरेस्ट रेंजर चिदंबरम की हत्या मामले में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में उसे नवंबर 1997 में दोषी ठहराया गया था और उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी। मधुमेह और अन्य स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों से जूझ रहे मथैयन सेलम सेंट्रल जेल में बंद था। मथैयन को कर्नाटक के एक मामले में वहां की जेल में रखा गया था लेकिन बाद उसे कोयम्बटूर लाया गया। कोयम्बटूर जेल से उसे सात वर्ष पूर्व सेलम केन्द्रीय कारागार में स्थानान्तरित किया गया था।

कांग्रेस छोड़ने पर बोले कपिल सिब्बल

जी-23 का चैप्टर खत्म हुआ, पार्टी छोड़ने से पहले की थी सोनिया गांधी से मुलाकात

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी के समर्थन से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने वाले कपिल सिब्बल ने सोनिया गांधी की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मैंने कांग्रेस छोड़ने से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की थी और उनका व्यवहार मेरे प्रति सद्भावपूर्ण था। पार्टी से इस्तीफे को लेकर कपिल सिब्बल ने हिन्दुस्तान टाइम्स से बातचीत में कहा, %कांग्रेस से इस्तीफा देना आसान नहीं था। परिवार को छोड़ना आसान नहीं था। लेकिन आपको एक वक्त में फैसला लेना ही होता है। कांग्रेस ने मुझे बहुत कुछ दिया है, लेकिन मैं हमेशा एक स्वतंत्र आवाज के तौर पर पहचान रखता रहा हूं। मैंने निर्दलीय उम्मीदवार

के तौर पर राज्यसभा चुनाव के लिए पर्चा दाखिल किया है और समाजवादी पार्टी मुझे समर्थन कर रही है। कपिल सिब्बल ने कहा कि मैंने 16 मई को ही कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गाांधी से मीटिंग को लेकर कपिल सिब्बल ने कहा कि यह निजी मुलाकात थी और उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत अच्छा था। बीते साल अगस्त से कांग्रेस से तनाव बढ़ने को लेकर कहा कि मुझे जो भी महसूस हुआ था, वह मैंने कहा था। अब मैं कांग्रेस से बाहर हूं और उसके आंतरिक मामले को लेकर कुछ नहीं कहूंगा। यही नहीं जी-23 के भविष्य को लेकर भी उन्होंने कहा कि मैं इससे बाहर हूं और मेरी ओर से यह चैप्टर समाप्ट हो गया है। तृणमूल कांग्रेस समेत कुछ और दलों की ओर से संपर्क किए जाने पर कपिल सिब्बल ने कहा कि यह निजी मसला था, जिसके बारे में बता नहीं कर सकता। लेकिन मेरी प्राथमिकता में किसी दल के साथ जुड़ना नहीं था। मेरी इस पोजिशन को समाजवादी पार्टी ने स्वीकार कर लिया। गौरतलब है कि कपिल सिब्बल ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की पैरवी भी सुप्रीम कोर्ट में थी।

माना जा रहा है कि आजम खान के लिए कानूनी जंग लड़ने के इनाम के तौर पर ही समाजवादी पार्टी ने उन्हें अपने समर्थन से राज्यसभा भेजने का फैसला लिया है।

पत्नी ने बहन, भतीजों के साथ मिलकर पति की हत्या की

एजेंसी

जींद। हरियाणा के जींद जिले में झील गांव में एक महिला ने बहन तथा भतीजों के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी है।

पत्नी को संदेह था कि कहीं उसका पति जमीन अपने भाई के नाम न करवा दे। सदर थाना नरवाना पुलिस ने मृतक के चाचा की शिकायत पर मृतक की पत्नी, भाभी, दो भतीजों को नामजद कर चार अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव झील के राजेंद्र (52) पर कल देर शाम उसकी पत्नी ने अपनी बहन तथा भतीजों के साथ मिलकर हमला कर दिया जिसमें राजेंद्र को गंभीर चोटे आई।

परिजनों ने उसे नरवाना सामान्य अस्पताल पहुंचाया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के चाचा रामफल ने पुलिस को बताया कि राजेंद्र समाज कल्याण विभाग में चालक के पद पर कार्यरत था। उसकी पत्नी सेवापति से अनबन चल रही थी। सेवापति अपनी बहन केलापति के साथ रह रही थी।

केलापति का पति सुरेंद्र राजेंद्र का बड़ा भाई था। सुरेंद्र की भी मौत हो चुकी है। गुजारा भत्ता के लिए सेवापति ने अदालत में याचिका दायर की हुई है।

राजेंद्र अपने छोटे भाई बिजेंद्र के पास रह रहा था। उसकी पत्नी को संदेह था कि राजेंद्र अपनी जमीन छोटे भाई बिजेंद्र के नाम न करवा दे, जिसके कारण देर शाम सेवापति ने बहन केलापति, भतीजे अनिल तथा प्रदीप और कुछ अन्य के साथ मिलकर राजेंद्र की हत्या कर दी।

ममता ने हावड़ा प्रशासन को ओडिशा भेजने का निर्देश दिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को ओडिशा में कल देर रात एक बस के पलट जाने से उसमें सवार बंगाल के छह लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और हावड़ा जिला प्रशासन को आपदा प्रबंधन सचिव के नेतृत्व में एक टीम भेजने का निर्देश दिया, ताकि शवों और घायल लोगों को वापस लाने के लिए समन्वय बनाया जा सके।

बनर्जी ने कहा,यह जानकर दुख हुआ कि दुर्घटना में पश्चिम बंगाल के हमारे छह नागरिकों ने दम तोड़ दिया जबकि कुछ अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। यह दुर्घटना उस समय हुई जब वे ओडिशा के गंजम जिले से विशाखापट्टनम की ओर किराए की बस में यात्रा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा,हमारा प्रशासन मृतकों के शीघ्र पोस्टमार्टम, घायलों के इलाज और उनकी वापसी के लिए ओडिशा के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाए हुए है। आपदा प्रबंधन के प्रमुख सचिव और उदयनारायणपुर विधायक के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय टीम को ओडिशा रवाना किया जा रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दुर्घटना में हावड़ा के छह यात्रियों की मौत हो गई और अन्य 31 घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब निजी बस मंगलवार देर रात को ओडिशा के कलिंग घाटी में पलट गयी थी। करीब 60 से अधिक यात्रियों से भरी बस आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जा रही थी। इस घटना में कम से कम 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और अन्य 16 को मामूली चोटें आई हैं।

छह मृतकों में से पांच की पहचान सुप्रिया डेनरे, संजीत पात्रा, रीमा डेनरे, मौसमी डेनरा और बरनाली मन्ना के रूप में हुई है अन्य एक की पहचान करना अभी बाकी है।

मुंबई में निकाय चुनाव से पहले शिवसेना नेता यशवंत जाधव को ईडी का समन, मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

मुंबई। मुंबई में निकाय चुनावों से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को शिवसेना नेता और बृहन्मुंबई नगर निगम की स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष यशवंत जाधव को मनी लॉन्ड्रिंग केस में समन जारी किया है। ईडी के सूत्रों ने कहा कि उनकी जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और जाधव और उनकी पत्नी और भायखला से विधायक यामिनी से जुड़े कई परिसरों में आयकर द्वारा की गई तलाशी पर आधारित है।

आई-टी जांच के अनुसार शिवसेना नेता यशवंत जाधव ने बिलकहाड़ी चैंबर्स में कई फ्लैट खरीदे थे, जिस इमारत में वह भायखला में रहते हैं और कथित तौर पर अवैध तरीकों से संयुक्त राज्य अमेरिका में एक किरायेदार को भुगतान किया था। ईडी का मानना है कि कंपनी का लिंक जाधव से है, उसने कुछ विदेशी लेनदेन भी किए थे।

आयकर अधिकारियों ने फरवरी, 2022 में संदिग्ध कर चोरी को लेकर जाधव के आवास सहित 33 स्थानों पर तलाशी ली थी। एजेंसी ने कहा है कि जाधव के खिलाफ भ्रष्टाचार की कई शिकायतें मिलने के बाद तलाशी ली गई थी। जिनके परिवार पर कोलकाता की एक कंपनी की मदद से 15 करोड़ रुपये के शोधन का भी आरोप है।

जिन स्थानों पर I-T ने छापा मारा उनमें से एक बहुत प्रभावशाली BMC ठेकेदार का वालकेश्वर निवास था, जिसके बारे में माना जाता है कि बीएमसी में उनका अच्छा दबदबा है। यशवंत जाधव बीएमसी की स्थायी समिति के प्रमुख थे, जिसे सबसे आकर्षक नागरिक पैनल माना जाता है, जो रू 50 लाख से अधिक के खर्च वाले सभी प्रस्तावों को मंजूरी देता है। बीएमसी 45,000 करोड़ रुपये से अधिक के वार्षिक बजट के साथ देश के सबसे अमीर नागरिक निकायों में से एक है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया जाधव पर कथित घोटालों से प्राप्त धन को पार्क करने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने का आरोप लगा चुके हैं।

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनावों के लिए दायर उनकी पत्नी के चुनावी हलफनामे में कथित विसंगतियों का पता चलने के बाद I-T विभाग ने 2019 में जाधव के खिलाफ अपनी जांच शुरू की थी। यामिनी जाधव के चुनावी हलफनामे के अनुसार, उसने प्रधान डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड से एक सहित 1 करोड़ रुपये का असुरक्षित ऋण लिया। जांच के दौरान, आई-टी विभाग को पता चला कि प्रधान डीलर एक शेल फर्म थी जिसका इस्तेमाल कथित मनी लॉन्ड्रिंग में किया गया था। आई-टी जांच से यह भी पता चला है कि प्रधान डीलर्स फर्म की शेयरधारक कंपनियां कोलकाता की दो कंपनियां हैं और तीन व्यक्तियों को इन कंपनियों के (डमी) निदेशक के रूप में दिखाया गया था। कोलकाता का एक एंट्री ऑपरेटर डमी डायरेक्टर के तौर पर काम कर रहा था। शेल कंपनी के माध्यम से, प्रवेश संचालक जाधवों से कथित रूप से प्राप्त बेहिसाब नकदी के बदले प्रधान डीलरों की पुस्तकों में प्रविष्टियाँ लाते थे। बाद में जाधव ने कथित तौर पर वही पैसा प्रधान डीलरों से लिया था।

अमरनाथ यात्रा में पत्ता भी नहीं हिला पाएंगे आतंकी, यात्रियों को मिलेगी थ्री लेयर सिक्योरिटी

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा के दौरान यात्रियों के लिए तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम को लेकर लगातार बैठकों का दौर जारी है। इसी बीच यह बताया गया है कि अमरनाथ धाम जाने वाले यात्रियों अब तीन स्तरीय सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इसमें ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा लोगों की सुरक्षित यात्रा के लिए अन्य तमाम उपाय भी किए जाएंगे।

दरअसल, कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि खतरे के हर पहलू को भांपकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। ड्रोन हमले, स्टिक बम और आतंकियो के घात लगाकर हमले जैसी किसी भी आशंका को समाप्त करने के लिए कई स्तर की सुरक्षा का खाका तैयार किया गया है। इसी कड़ी में हम

हम पिछले एक महीने से अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था कर रहे हैं और कई बैठकें कर चुके हैं।

विजय कुमार ने कहा कि हम त्रिस्तरीय सुरक्षा मुहैया कराएंगे। इसमें ड्रोन निगरानी, सीसीटीवी कैमरा और आरएफआईडी रखा जाएगा और हम घटना मुक्त यात्रा सुनिश्चित करेंगे। बता दें कि हाल ही में सुरक्षाबलों ने अमरनाथ यात्रा पर आतंकी हमले की बड़ी साजिश को नाकाम किया था। सुरक्षा बलों ने पहलगाम में तीन आतंकियों को ढेर कर दिया था। इसके बाद से ही 30 जून से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

केंद्रीय अर्धसैनिकबलों की व्यापक तैनाती के साथ ही कश्मीर में पहले से मौजूद सुरक्षाबल द्वारा आतंकरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही आतंकी किसी भी तरह से यात्रा मार्गों के आसपास भी नहीं पहुंच पाएं, इसका फुल प्रूफ प्लान बनाया गया है। वाहन के साथ यात्रियों पर भी आरएफआइडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटीफिकेशन डिवाइस) माइक्रो-चिप के जरिए नजर रखी जाएगी। विभिन्न स्थानों पर स्थापित उपग्रह टावर से निगरानी की जाएगी। कोई भी यात्री सुरक्षा एजेंसियों की निगाह से ओझल नहीं हो, इसकी माकूल व्यवस्था की जा रही है।

अमरनाथ यात्रा 30 जून को शुरू हो रही है जो 11 अगस्त को समाप्त होगी। 43 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या पहले से ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है।

इस बार रामबन और चंदनवाड़ी में कैंप बड़े होंगे। इसे देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

राज ठाकरे की धमकी पर अलर्ट, अफजल खान की कब्र पर भारी पुलिस बल तैनात

सतारा। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित औरंगजेब की कब्र से शुरू हुआ राजनीतिक विवाद अब सतारा में स्थित अफजल खान की कब्र तक पहुंच गया है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने सतारा जिले में स्थित अफजल खान की कब्र पर सुरक्षा बढ़ा दी है। 102 बटालियन रैपिड एक्शन फोर्स मुंबई के सहायक कमांडर स्वप्निल पाटिल और उनके 50 जवान और 15 क्यूआरटी जवान अफजल खान की कब्र की रखवाली कर रहे हैं। दरअसल, यह कब्र सतारा जिले के प्रतापगढ़ की तलहटी में स्थित है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने कुछ तस्वीरें शेयर कर इस बारे में जानकारी दी है। इस कब्र की सुरक्षा संबंधी जायजा लेने के लिए महाबलेश्वर पुलिस और नवी मुंबई रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने निरीक्षण किया। रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा कारणों से निरीक्षण किया गया था और इसके बाद अधिकारियों ने महाबलेश्वर के विभिन्न समुदायों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ एक बैठक में लोगों से शांति की अपील की अपील की। रिपोर्ट के मुताबिक यह सब तब किया गया जब मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को एक रैली में कहा कि अफजल खान छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा मारा गया था। उनका मकबरा है और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा उनकी कब्र पर फूलों की माला अर्पित की जा रही है। महाराष्ट्र सरकार इस पर चुपचाप बैठी है। अगर राज्य सरकार इस कब्र को नहीं गिराती है, तो मनसे पार्टी के कार्यकर्ता इसे जल्द ही ध्वस्त कर देंगे। वहीं सतारा के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार बंसल ने एएनआई से कहा कि अफजल खान का मकबरा 2005 से प्रतिबंधित क्षेत्र रहा है। इसमें धारा 144 का प्रतिबंध है। मौके पर एक अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। यह तैनाती एक नियमित प्रक्रिया का हिस्सा थी, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने के लिए बल जिले के सभी संवेदनशील स्थानों का दौरा करता है। इस बार महाबलेश्वर में बलों द्वारा एक आकलन किया गया था।

श्रमिक स्वास्थ्य सुविधाएं : हरियाणा और ईएसआईसी के बीच होगा समझौता

चंडीगढ़/नयी दिल्ली। हरियाणा सरकार राज्य के श्रमिकों को नागरिक अस्पतालों के समान स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर कर्मचारी राज्य बीमा निगम के बीच एक समझौता करेगी।

राज्य के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आज नयी दिल्ली में श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बैठक के उपरांत मीडिया से बातचीत में यह जानकारी दी। इस दौरान श्री यादव ने भी हरियाणा में श्रमिकों की सामान्य सेवाओं-सुविधाओं, श्रमिक कल्याण योजनाओं के सही रूप में कार्यान्वयन के संदर्भ में राज्य सरकार की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में श्रमिकों को पर्याप्त चिकित्सा सेवा-सुविधाओं के लाभ देने की दिशा में ईएसआई अस्पताल सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में प्रस्तावित 500 बिस्तरों की ईएसआई अस्पताल परियोजना के अलावा राज्य में स्थापित होने वाले पांच अन्य ईएसआई अस्पतालों, नर्सिंग महाविद्यालय और ईएसआई डिस्पेंसरियों के संदर्भ में गहन विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने बताया कि राज्य स्वास्थ्य विभाग और कर्मचारी राज्य

बीमा निगम के मध्य समझौते पर हस्ताक्षर किये जाएंगे। श्रमिकों का विभिन्न प्रकार का डाटा भी सांझा किया जाएगा।

खट्टर ने कहा कि राज्य में 10 हजार एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित अरावली सफारी पार्क परियोजना को विश्व स्तरीय प्रारूप और पहचान दी जाएगी। बैठक में अरावली सफारी पार्क को विश्व स्तरीय पहचान और प्रारूप दिए जाने के संदर्भ में भी विस्तार से चर्चा हुई है। राज्य को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में अरावली सफारी पार्क परियोजना एक महत्वपूर्ण घटक होगा। अरावली सफारी परियोजना की स्थापना के लिए स्थान और भूमि चिह्नित की जा चुकी है। अरावली सफारी को विश्व स्तरीय पहचान और प्रारूप दिए जाने की दिशा में विश्व के विभिन्न देशों में स्थापित कुछ विश्व स्तरीय सफारी पार्कों का दौरा भी किया जाएगा।

कम्पाउण्डर एवं नर्स जूनियर ग्रेड के 536 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के पदस्थापन आदेश जारी

जयपुर। राजस्थान में आयुर्वेद विभाग में कम्पाउण्डर एवं नर्स जूनियर ग्रेड के 536 पदों पर चयनित अभ्यर्थी को नियुक्ति प्रदान कर पदस्थापन आदेश जारी कर दिये गये हैं। विभाग की शासन सचिव विनीता श्रीवास्तव ने आज बताया कि इनमें 485 अभ्यर्थी गैर जनजातीय उपयोजना संवर्ग के तथा 51 अभ्यर्थी जनजातीय उपयोजना (टीएसपी) वर्ग के हैं। कम्पाउण्डर एवं नर्स जूनियर ग्रेड के 704 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इनमें से 536 अभ्यर्थियों को पदस्थापन दे दिया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को सम्बधित उपनिदेशक कार्यालय आयुर्वेद विभाग में 15 दिवस में कार्य ग्रहण करना होगा। उन्होंने बताया कि 168 पदों पर भर्ती न्यायालय के निर्देश एवं प्रमाण पत्रों के सत्यापन की प्रक्रिया के अधीन रोकी गई है। उन्होंने बताया कि आयुष राज्य मंत्री सुभाष गर्ग की पहल पर विभाग में पहली बार चयनित अभ्यर्थियों का पदस्थापन पूरी पारदर्शिता के साथ ऑनलाइन विकल्प मांग कर मेरिट कम च्वॉइस के आधार पर किया गया है।

सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग में आशा कार्यकर्ताओं को करें शामिल: मंगुभाई

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सिकल सेल एनीमिया रोग प्रबंधन के लिए सिकल सेल वाहक और रोगियों की संख्या प्राप्त किया जाना प्राथमिक आवश्यकता है। कार्य की गति और व्यापकता के लिए स्क्रीनिंग कार्य में आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर जोड़ा जाये।

राज्यपाल श्री पटेल ने यहाँ राजभवन में मध्यप्रदेश राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन की समीक्षा करते हुए कहा कि सिकल सेल एनीमिया प्रबंधन मानवता की सेवा का कार्य है। इससे जुड़े हर व्यक्ति को व्यक्तिगत जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए। आँगनबाड़ी, स्कूल, छात्रावास और महाविद्यालयों के स्क्रीनिंग शिविर में मिलने वाले सिकल सेल वाहक अथवा रोगी के परिजन की जाँच कराई जाये।

श्री पटेल ने कहा कि दिल, दिमाग लगाकर की गई सेवा के परिणाम सदैव सुखद और आनंददायी होते हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे

संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। कार्य का लक्ष्य बड़ा रखने से कार्य में गति आती है और परिणाम बेहतर प्राप्त होते हैं। उन्होंने सिकल सेल एनीमिया के उपचार प्रयासों में आयुर्वेद और अन्य पारम्परिक चिकित्सा प्रणालियों को शामिल किए जाने के संबंध में पहल की जरूरत बताई।

उन्होंने कहा कि कोविड महामारी में जनमानस के लिए गिलोय की औषधीय उपयोगिता से पहचान हुई है। आयुर्वेद में ऐसी अनेक जड़ी-बूटियाँ और उनके जानकार हैं।

आवश्यकता उनके संबंध में प्रमाणिकता के साथ जानकारी संकलित किए जाने की है।

इस मौके पर उन्हें बताया कि जिला स्तर पर सिकल सेल एनीमिया जाँच और उपचार संबंधी संस्थागत व्यवस्थाएँ हैं। स्क्रीनिंग के लिए गाँव में चौपाल लगाकर जन-जागृति के बाद स्क्रीनिंग शिविर लगाया जाता है। मिशन द्वारा द्वितीय चरण में स्क्रीनिंग कार्य के लिए रोग की व्यापकता के आधार पर प्रदेश के 14 जिला के लिये कार्य-योजना तैयार की गई है। द्वितीय चरण में धार, बड़वानी, छिंदवाड़ा, खरगोन, बैतूल, मंडला, शहडोल, डिंडोरी, सिंगरोली, जबलपुर, अनूपपुर, सीधी, खंडवा और उमरिया जिलों को शामिल किया जाएगा।

इस कार्ययोजना में प्रचार-प्रसार एवं बीमारी के संबंध में जागरूकता, स्वास्थ्य अमले को सिकल सेल एनीमिया के संबंध में स्क्रीनिंग एवं उपचार प्रबंधन का प्रशिक्षण, गर्भवती माताओं तथा 18 वर्ष तक के बच्चों की स्क्रीनिंग एवं पुष्टीकरण जाँच, सिकल सेल एनीमिया पोर्टल में डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड की एंट्री, जेनेटिक कॉउंसलिंग तथा व्यवहार परिवर्तन की गतिविधि, जेनेटिक कार्ड का वितरण, रोगियों का उपचार और आवश्यकता होने पर सुरक्षित रक्ताधान एवं प्रबंधन आदि के कार्य किए जाएंगे।

शार्ट न्यूज

दिल्ली में फैक्ट्री से 21 बाल मजदूर छुड़ाए गए

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पुलिस ने 'बचपन बचाओ आंदोलन' और अन्य संगठनों के सहयोग से मंगलवार देर रात दिल्ली कैंट की एक फैक्ट्री से 21 बाल मजदूरों को छुड़ाया। इनमें 13 किशोर और आठ किशोरियां शामिल हैं, जिनकी उम्र आठ से 17 साल के बीच है। बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के निदेशक मनीश शर्मा ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीबीए ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि दिल्ली कैंट (नारायणा) स्थित एक फैक्ट्री में हुई इस कार्रवाई के दौरान उनके कार्यकर्ताओं पर फैक्ट्री मालिक और कर्मियों ने हमला भी किया और छुड़ाई गई किशोरियों को निर्मल छाया आश्रम ले जाने के दौरान हमलावरों ने उन्हें दोबारा से अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया लेकिन वे नाकाम रहे। यह सभी बच्चे फैक्टरी में काम करने के लिये बिहार और उत्तर प्रदेश से लाए गए थे। बीबीए के निदेशक मनीष शर्मा ने बताया कि बच्चों की चिकित्सीय जांच करवाने के बाद उन्हें चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के सामने पेश किया गया, जहां से किशोरों को मुक्ति आश्रम और किशोरियों को निर्मल छाया आश्रम भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस को बीबीए, तहसीलदार, श्रम विभाग, एनजीओ, बाल विकास धारा और चाइल्ड तथा अन्य संगठनों ने सहयोग दिया। उन्होंने बताया पुलिस ने उक्त फैक्ट्री मालिक की कुल अन्य छह फैक्ट्रियों को भी सील कर दिया है। शर्मा ने कहा, 'हमारा प्रयास है कि ऐसी फैक्ट्रियों में लगातार छापा मारने की कार्रवाई होती रहनी चाहिए ताकि नाबालिग बच्चों को बालश्रम से आजादी मिल सके। साथ ही अभियान के दौरान हुए हमले को भी हम गंभीरता से ले रहे हैं और जरूरत पड़ी तो कानूनी कार्रवाई पर भी विचार करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार संसद के आने वाले सत्र में जल्द ही एंटी ट्रैफिकिंग बिल पास करवाएगी।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर पलटी वैन, दो लोग जिंदा जले

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। गाजियाबाद के मसूरी थानाक्षेत्र में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर रेस्ट एरिया के पास अनियंत्रित होकर वैन पलट गई। पलटने के बाद उसमें आग लग गई और वैन में सवार दो लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका। दोनों की जलकर मौत हो गई। मृतकों में एक महिला बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, एक्सप्रेसवे पर वैन मेरठ से गाजियाबाद की तरफ आ रही थी। मसूरी थानाक्षेत्र में चित्तौड़ा गांव के पास रेस्ट एरिया के सामने पहुंचकर वैन अनियंत्रित होने के बाद पलट गई। वैन ने कई पलटी खाईं, जिससे उसमें आग लग गई। अंदर मौजूद महिला-पुरुष सीटों के बीच फंस गए और उनकी जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि वैन पूरी तरह जल चुकी है। वैन का नंबर भी नहीं बचा है। साथ ही मृतकों की शिनाख्त भी नहीं हो सकी है। पुलिस मौके पर है। एएसपी सदर आकाश पटेल का कहना है कि वैन में सात लोग सवार बताए गए हैं। किसी राहगीर ने 108 नंबर सूचना देकर एंबुलेस बुलाई थी, जो झुलसे हुए पांच लोगों को अस्त्रपताल लेकर गई थी। झुलसे लोग जिला एमएमजी अस्पताल, संयुक्त अस्पताल या मसूरी के सरकारी अस्पताल में नहीं पहुंचे हैं। एएसपी का कहना है कि सीएमओ को सूचना दी गई है। उनके द्वारा पता लगाया जा रहा है कि झुलसे लोगों को किस अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दिल्ली में बेखौफ बदमाश, मां-बेटे को बंधक बनाकर 40 लाख रुपये लूटे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रानी बाग इलाके में चार बदमाशों ने मां और बेटे को बंधक बनाकर 40 लाख रुपये लूट लिए। वारदात के बाद पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार सरस्वती विहार में अजय कुमार का बिजली के उपकरणों का शोरूम है। वह सोमवार रात को अपनी मां रेनू देवी के साथ शोरूम का काम देख रहे थे। तब तक सभी नौकर अपने घर जा चुके थे। मां बेटे शोरूम का काम खत्म कर घर चलने की तैयारी कर रहे थे तभी नकाबपोश चार युवक जबरन घुस आए। सभी के हाथ में पिस्टल थी। बदमाश सीधे उस जगह पर गये जहां रुपये रखे हुए थे। जब वे रुपये निकाल रहे थे तो मां बेटे ने विरोध किया। बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर बुजुर्ग महिला को धक्का भी दे दिया। इसके बाद दो पहिया वाहन से फरार हो गये। इनके जाने के बाद अजय ने लूट की सूचना पुलिस को दी। अभी तक की जांच में सामने आया है कि बदमाश काफी देर तक इलाके में घूमते रहे। फिर फ्लाईओवर पर चढ़कर पीरागढ़ी की तरफ फरार हो गये। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह रुपये कमेटी के थे जिसे कई सौ लोगों ने जमा कियाथा।

बेरोजगारों को ठगने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़, पुलिस ने 10 को किया गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने मंगलवार को सैकड़ों बेरोजगारों को विदेश में नौकरी दिलवाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 10 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। नोएडा जोन एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि आईटी सेल और थाना सेक्टर 113 पुलिस ने मंगलवार को दिल्ली के मयूर विहार फेज वन में संचालित एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले सरगना समेत 10 ठगों को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ कुछ दिन पहले सेक्टर 75 सोसाइटी में रहने वाले नरेंद्र ने शिकायत की थी। आरोपियों ने उसको सिंगापुर में नौकरी दिलाने के नाम पर 20 लाख रुपये ठग लिए थे। एडीसीपी ने बताया कि ठग इंटरनेट पर विभिन्न जॉब साइट से बेरोजगारों का डाटा चोरी करते थे। फिर उन्हें फर्जी सिम से कॉल कर देश या विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर झांसे में लेते थे। झांसे में आने के बाद आरोपी प्रोसेसिंग या अन्य खर्च के नाम पर विभिन्न फर्ज़ी बैंक खातों में पैसा डलवाते थे। ठगी के बाद आरोपी अपना मोबाइल नंबर बंद कर लेते थे। आरोपियों की पहचान पवन कुमार, जितेश कुमार (सरगना), दीपेन्द्र कुमार, अरविंद कुमार यादव, तेजपाल सिंह, रोहित कुमार, सुभाष चन्द्र और राम कृष्ण सिंह ग्राम लखनावली थाना सूरजपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सात लैपटॉप, 17 मोबाइल फोन, 6,74,000 रुपये, एक स्कॉर्पियो कार बरामद की गई है।

दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का लाभ उठाने के लिए दिव्यांग दम्पति कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

ग्रेटर नोएडा। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर सुहास एल वाई के निर्देशों के क्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी गौतमबुद्धनगर लवेश कुमार सिसौदिया ने जनपद के समस्त दिव्यांग दंपतियों का आह्वान करते हुए उन्हें जानकारी दी है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत ऐसे दिव्यांगजन जिनका विवाह 1 अप्रैल 2021 के बाद हुआ हो वे दिव्यांग दंपति उक्त योजना का लाभ उठाने के लिए विभागीय पोर्टल http//divyangjan.upsdc.gov.in पर अभिलेखों को स्वप्रमाणित कर अपना ऑनलाइन आवेदन अपलोड करके या हार्ड कॉपी समस्त दस्तावेजों सहित कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कमरा नंबर 107 विकास भवन सूरजपुर गौतमबुद्धनगर में जमा करा सकते हैं। उन्होंने उक्त योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना पूर्णता ऑनलाइन है तथा ऐसे दिव्यांग दंपत्ति द्वारा आवेदन किया जाएगा। जिनका विवाह 1 अप्रैल 2021 के बाद हुआ हो, उक्त योजना के तहत दंपत्ति में युवक के दिव्यांग होने की दशा में 15000 रूपये व युवती के दिव्यांग होने की दशा में 20000 रूपये तथा पति व पत्नी दोनों के दिव्यांग होने की दशा में 35000 की एकमुश्त धनराशि पति पत्नी दोनों के संयुक्त खाते में भेजी जाएगी। उन्होंने पात्रता के सम्बन्ध में जानकारी देते हुये बताया कि दिव्यांगता प्रदर्शित करता हुआ नवीनतम संयुक्त फोटो, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, दंपत्ति में से कोई भी आयकर दाता न हो, युवक व युवती का आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्मतिथि तिथि का अंकन हो, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रदत प्रमाण पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए।

अफसरों को बस में करना होगा सफर

केजरीवाल सरकार का डीटीसी-ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट को आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग के आलाधिकारियों को अब बस में सफर करना पड़ेगा। बस परिचालन बस सेवा को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने यह फैसला किया है। हफ्ते में कम से कम एक बार विभाग के ए व बी श्रेणी के अधिकारी भी बसों में सफर करने के साथ अपनी यात्रा का फीडबैक भी देंगे। उस फीडबैक के आधार पर बस की सेवा में अगर कोई कमी सामने आती है तो सुधार किया

जाएगा। परिवहन विभाग के विशेष आयुक्त नीरज भारती ने इसे लेकर बुधवार को आदेश जारी कर दिया है। यह यात्रा सिर्फ डीटीसी ही नहीं बल्कि क्लस्टर बसों में सफर करेंगे।

आदेश के मुताबिक बस में सफर के दौरान अधिकारी यह ध्यान रखेंगे कि बस का रखरखाव कैसा है। उस बस में मार्शल तैनात है की नहीं। बस के चालक व परिचालक का यात्रियों के साथ व्यवहार कैसा है। बसें अपने लेन में चल रही है कि नहीं, बस परिचालन का समय ठीक है की नहीं और बस सभी बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए रूक रही है की नहीं। अधिकारी अपनी यात्रा के बाद इन सभी बातों पर अपना फीडबैक विभाग की ओर से बनाएं गए एक गूगल फॉर्म पर देंगे। जिससे जहां कमियां होगी उसे दूर करने के लिए काम किया जाएगा।

बताते चले कि दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में लगातार बसों की संख्या बढ़ा रही है। सरकार चाहती है कि लोग अपने निजी वाहन को छोड़कर बसों का प्रयोग करें। सरकार ने मंगलवार को पहली बार एक साथ 150 ई-बस भी डीटीसी के बेड़े में शामिल की है। अब दिल्ली में 7200 बसें सड़कों पर है। सरकार अब इनकी परिचालन सेवाएं बेहतर बनाना चाहती है। यही वजह है कि आलाधिकारियों को सप्ताह में एक बार बस में सफर करने का निर्देश दिया है।

इंस्टाग्राम पर महिला का फर्जी अकाउंट बनाकर किया अश्लील पोस्ट

गाजियाबाद। गाजियाबाद के नंदग्राम थानाक्षेत्र में इंस्टाग्राम पर महिला के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर अश्लील पोस्ट अपलोड करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने एक नहीं महिला के नाम की 3-3 फर्जी अकाउंट बना दिए।

ऐसा होने से जहां महिला और उसके परिवार की बदनामी हो रही है, वहीं उनका घर से निकलना भी दुश्वार हो गया है। घटना के संबंध में नंदग्राम पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नंदग्राम थानाक्षेत्र में रहने वाले एक युवक की वर्ष 2016 में शादी हुई थी। युवक साहिबाबाद में स्थित फैक्टरी में काम करता है। उसने बताया कि कई महीने पूर्व उन्हें पता चला कि इंस्टाग्राम पर उनकी पत्नी के नाम से किसी व्यक्ति द्वारा तीन फर्जी आईडी बनाई हुई हैं और इन पर अश्लील पोस्ट अपलोड की जा रही हैं।

बताया कि इनमें से एक आईडी पर जो फोटो लगी है, वह लड़का उनके मोहल्ले का रहने वाला है। इससे जहां उनकी बदनामी हो रही है, वहीं घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के छात्रवृत्ति/ शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जाने की समय सारणी की गई निर्गत

विवेक राय गौरवशाली भारत

ग्रेटर नोएडा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौतमबुद्धनगर लवेश कुमार सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि शैक्षिक वर्ष 2022-23 में शासन द्वारा संचालित पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति (कक्षा 11-12 व अन्य दशमोत्तर कक्षाओं सहित) में संस्थाओं द्वारा पाठ्यक्रमों का मास्टर डाटा बेस तैयार करने, सत्यापन लॉक करने एवं छात्रों द्वारा आवेदन करने से लेकर वितरण तक की समस्त प्रक्रियागत कार्यवाही दो चरणों में पूर्ण की जाएगी। उन्होंने बताया कि संस्थाओं में अध्ययनरत पिछड़ा वर्ग के छात्र/छात्राओं के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जाने की समय सारणी निर्गत की गई है।

दिल्ली में अशांति फैलाने की कोशिश में है भाजपा : चौधरी अनिल

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर विभाजन की राजनीति कर राष्ट्रीय राजधानी में अशांति फैलाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

चौधरी ने बुधवार को विशेष वार्ता में कहा कि भाजपा विभाजनकारी राजनीति कर दिल्ली में अशांति% पैदा करने की कोशिश कर रही है। भाजपा दो समुदायों के बीच नफरत का माहौल पैदा कर खुद को और अपने पैतृक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) को मजबूती प्रदान कर रही है। उनका कहना था कि भाजपा की इस तरह की कोशिश का असली मकसद मुद्दों से ध्यान भटकाना है।

राष्ट्रीय राजधानी के जहांगीरपुरी समेत कई इलाकों में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा, हमें अतिक्रमण के खिलाफ किसी अभियान से कोई दिक्कत नहीं है लेकिन हम बुलडोजर राजनीति के खिलाफ हैं जिसके जरिए एक खास समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश के समक्ष भारी महंगाई सहित कई मुद्दे हैं और भाजपा ने बहुत सोच समझकर इन मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस तरह के प्रयास किये हैं। भाजपा के जहांगीरपुरी हिंसा के लिए रोहिंग्या और बंगलादेशियों को जिम्मेदार ठहराने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा यह केंद्र की जिम्मेदारी है कि वह देखें कि क्या रोहिंग्या या बंगलादेशी दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे हैं और अगर हैं तो गृह मंत्री को उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े एक सवाल पर चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि श्री केजरीवाल अपनी आम आदमी पार्टी की ईमानदारी का बखान करते नहीं थकते हैं लेकिन असलियत यह है कि दिल्ली में भ्रष्टाचार में पकड़े गए किसी भी नेता को आज तक उन्होंने पार्टी से बर्खास्त नहीं किया है। श्री केजरीवाल अपने भ्रष्ट मंत्रियां, विधायकों, निगम पार्षदों और पार्टी नेताओं को संरक्षण देते है।

नोएडा : थार में स्टंट करना पड़ा महंगा, पुलिस ने किया गिरफ्तार, गाड़ी भी सीज

एजेंसी

नोएडा। नोएडा में पिछले शनिवार से लगातार कई युवकों के कार और बाइक पर स्टंट करने के वीडियो वायरल हो रहे है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर संबंधित थाना पुलिस अरोपियो के खिलाफ लगातार कार्यवाही भी कर रही है। बुधवार को सेक्टर-24 थाना पुलिस ने थार में स्टंट करने वाले युवक को सिटी सेंटर से गिरफ्तार कर लिया और गाड़ी को एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया है।

थार जीप में स्टंट करने के वीडियो की पुलिस ने जांच करनी शुरु की और

आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस जांच में पता चला कि जीप गाजियाबाद में एक महिला के नाम रजिस्टर्ड थी। उन्होंने छह महीने पहले ही जीप को बेच दिया था। महिला से मिली जानकारी के बाद पुलिस को युवक के बारे में पता चला। इसके बाद पुलिस ने आरोपी आजाद को गिरफ्तार किया। बुधवार को स्टंट करने वाले युवक को पुलिस गिरफ्तार कर थाने पर ले आई। इस दौरान आरोपी युवक ने पुलिस से माफी मांगनी शुरु कर दी। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी आजाद बार-बार पुलिस से कह रहा था कि उसे माफ कर दो, आज के बाद वह कभी भी स्टंट नही करेगा। काफी देर तक युवक पुलिस से कार्यवाही ना करने की गुहार लगाता रहा और माफ करने की गुहार लगाता रहा।

20 से 25 हजार लगेगा जुर्माना, थाने में खड़ी की गई थार

नोएडा जोन के एडीसीपी रणविजय सिंह के अनुसार पकड़े गए आरोपी के खिलाफ धारा 151 के तहत कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे 14 दिनो के लिए न्यायिक हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा आरोपी की गाड़ी को भी धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज किया गया है और गाड़ी घर से खींच कर थाने में खड़ा कर दिया गया है।

गाड़ी अब कोर्ट के आदेश पर ही छूटेगी। गाड़ी पर न्यायालय द्वारा कम से कम 20 से 25 हजार रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा न्यायालय जुर्माने का घटा या बढ़ा भी सकते है।

27 मई 2022 तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अवशेष लाभार्थियों को खाद्यान्न का किया जाएगा नि:शुल्क वितरण

आनंद राय गौरवशाली भारत

ग्रेटर नोएडा। जिला पूर्ति अधिकारी गौतमबुद्धनगर चमन शर्मा ने अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत माह अप्रैल 2022 के सापेक्ष अवशेष लाभार्थियों को खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं का नि:शुल्क वितरण कराये जाने के लिए तिथि विस्तारित करते हुये दिनांक 27 मई 2022 तक खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं का निशुल्क वितरण किया जाएगा। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत माह अप्रैल 2022 के सापेक्ष अवशेष लाभार्थियों को खाद्यान्न एवं आयोडाइज्ड नमक, साबुत चना एवं रिफाइंड ऑयल का निशुल्क वितरण किया जायेगा।उन्होंने बताया कि इस अवधि में ई-पॉस मशीन से आधार आधारित वितरण किया जाएगा। मोबाईल ओटीपी वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण की तिथि पूर्व निर्धारित दिनांक 24 मई 2022 के साथ-साथ दिनांक 27 मई 2022 को भी उपलब्ध रहेगी। कार्ड धारकों को 27 मई 2022 तक पोर्टेबिलिटी के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके लिए विक्रेता अपने स्टॉक में अवशेष खाद्यान्न की उपलब्धता की सीमा तक पोर्टेबिलिटी के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण कर सकेंगे ताकि कोई भी लाभार्थी निशुल्क खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त करने से वंचित न रह सके।

बिसरख पुलिस ने मोबाइल लूट व चोरी करने वाले चार अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने बुधवार को 6 प्रतिशत के पास से चार शातिर अभियुक्तों अतुल पुत्र जगवीर सिंह निवासी रसूलपुर थाना जहांगीराबाद बुलन्दशहर हाल निवासी मकान नंबर 35 गली नंबर 1 कृष्णा नगर बागू थाना विजय नगर गाजियाबाद, प्रवीण पाण्डेय पुत्र शिवकुमार पाण्डेय निवासी कलावन हैदरगंज थाना हैदरगंज अयोघ्या हाल पता मकान नंबर 275 गली नंबर 6 कृष्णा नगर बागू थाना विजय नगर गाजियाबाद, तालिब पुत्र शाहिद निवासी खानपुर थाना खानुपर बुलन्दशहर, सागर पुत्र ओमप्रकाश निवासी भसुपुरा मउ थाना कोतवाली, जनपद मउ हाल पता मकान नंबर 280 गली नंबर 6 कृष्णा नगर बागू थाना विजय नगर गाजियाबाद को गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने एक चोरी की मोटरसाइकिल स्पलैण्डर, घटना में प्रयुक्त एक अन्य स्पलैण्डर मोटरसाइकिल, दो तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय पाँच कारतूस जिन्दा और लूट एवं चोरी के 11 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

अभियुक्त उपरोक्त शातिर किस्म के अपराधी है जो मोटरसाईकिल का लॉक तोडकर मोटरसाइकिल चोरी कर ले जाते हैं। और चोरी की गयी मोटर साईकिलों पर सवार होकर राह चलते व्यक्ति जो मोबाइल पर बात कर रहे होते है उनके मोबाइल फोन लूट कर भाग जाते है।

दिल्ली के नरेला में एनकाउंटर, पुलिस ने कुख्यात बदमाश को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। जितेंद्र गोगी-दीपक बॉक्सर गिरोह के एक सदस्य को उत्तर प्रदेश और दिल्ली के पुलिस बल द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान यहां एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि संदीप उर्फ बस्सी को बाहरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र से पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया मुठभेड़ के दौरान संदीप के पैर में गोली लग गई।

पुलिस ने बताया पिछले साल रोहिणी अदालत के अंदर गोलीबारी के दौरान जितेंद्र गोगी के मारे जाने के बाद दीपक बॉक्सर गिरोह का प्रमुख बन गया। उन्होंने कहा कि संदीप और उसके सहयोगी बॉक्सर के निर्देश पर दिल्ली

में आपराधिक गतिविधियों और हत्याओं को अंजाम देते थे। संदीप दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड में हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, वाहन चोरी, हमला और पुलिस पर गोलीबारी सहित छह मामलों में वांछित था।

अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से पांच बार गोलीबारी की गई, जिसमें तीन बार आरोपियों ने और दो बार पुलिस बल ने आत्मरक्षा में गोलीबारी की। पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) जसमीत सिंह ने बताया कि उप्र के विशेष कार्य बल (मेरठ) के साथ एक संयुक्त अभियान में दीपक बॉक्सर-गोगी गिरोह के एक सदस्य संदीप को मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया गया। उपायुक्त ने बताया कि उसके पास से चोरी की एक मोटरसाइकिल के साथ एक अर्द्ध-स्वाचालित पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए गए। उन्होंने बताया दिल्ली पुलिस का विशेष दल पिछले 15 दिनों से कुख्यात आरोपी संदीप की गतिविधियों पर नज़र रख रहा था। उन्होंने बताया कि बुधवार को संदीप के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में अपने एक सहयोगी से मिलने आने की सूचना मिलने के बाद गिरफ्तारी हुई।

पुलिस के मुताबिक संदीप को पुलिस ने जब रुकने का इशारा किया वह पुलिस पर गोलीबारी करने लगा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आत्मरक्षा में, जब पुलिस ने गोलीबारी की तो संदीप के दाहिने पैर में गोली लग गई।

उसे तुरंत इलाज के लिए राजा हरीश चंदर अस्पताल ले जाया गया। बाद में, उसे सफदरजंग अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि संदीप को पहले दिल्ली में हत्या और तीन अन्य अपराधों सहित चार मामलों में गिरफ्तार किया गया था।

हरी झंडी दिखाने के कुछ घंटे बाद खराब हुई इलेक्ट्रिक बस

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बेड़े में मंगलवार को 150 नई इलेक्ट्रिक बसें शामिल की गईं। इनमें से एक बस इंद्रप्रस्थ डिपो से हरी झंडी दिखा कर रवाना किए जाने के कुछ ही घंटे बाद खराब हो गई। बताया जा रहा है कि बस में खराबी निर्धारित सीमा से अधिक तापमान होने के कारण आई है। वहीं, दिल्ली परिवहन निगम ने कहा कि अंतर्निहित सुरक्षा प्रणाली के कारण बस रुक गई और इसकी जांच करने के बाद और सही करने के बाद दो घंटे के बाद दोबारा इसका संचालन शुरू किया गया। बता दें कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को 150 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

दिल्ली परिवहन निगम में शामिल हुई ये 150 इलेक्ट्रिक बसें सीसीटीवी कैमरे, आपात बटन और जीपीएस सहित आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। डीटीसी ने करीब 11 साल के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में बसों की खरीद की है। डीटीसी के अधिकारी ने बताया कि एक बार ढाई घंटे तक पूरी तरह से चार्ज करने के बाद ये बसें 140 से 180 किलोमीटर तक का सफर कर सकती हैं। इन बसों की परिचालन अवधि 10 साल है और इस दौरान सीएनजी बसों की तुलना में 1.6 लाख टन कम पीएम-2.5 और 1. 7 लाख टन कम पीएम 10 का उत्सर्जन होगा।

अफसरों को बस में करना होगा सफर

दिल्ली परिवहन विभाग के आलाधिकारियों को अब बस में सफर करना पड़ेगा। बस परिचालन बस सेवा को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने यह फैसला किया है। हफ्ते में कम से कम एक बार विभाग के ए व बी श्रेणी के अधिकारी भी बसों में सफर करने के साथ अपनी यात्रा का फीडबैक भी देंगे। उस फीडबैक के आधार पर बस की सेवा में अगर कोई कमी सामने आती है तो सुधार किया जाएगा।

जेवर पुलिस ने एक चोर को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी के मोबाईल सहित 2500 रुपये नगद बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने बुधवार को एक शातिर चोर रवि पुत्र मानसिंह निवासी मौहल्ला माडलपुरिया थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को प्रज्ञान स्कूल के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक चोरी का मोबाइल फोन और 2500 रुपये नगद बरामद किए हैं।उपरोक्त अभियुक्त थाना जेवर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 177/2022 धारा 457, 380 भादवि के तहत वांछित चल रहा था।गौरतलब है कि 24 मई 2022 को अभियुक्त रवि के द्वारा वादी के घर मे मध्यरात्रि मे छत के रास्ते से घर के अन्दर घुसकर मोबाइल फोन तथा कमरे के अन्दर घुसकर अलमारी से कुछ रुपये चोरी कर लिये थे। जिसके सम्बन्ध में थाना जेवर पर उपरोक्त मुकदमा पंजीकृत किया गया था। अभियुक्त शातिर किस्म चोर है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

एनएचपीसी ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अब तक का सर्वाधिक 3538 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया और अब तक का सर्वाधिक 1.81 रुपए प्रति शेयर लाभांश की घोषणा की

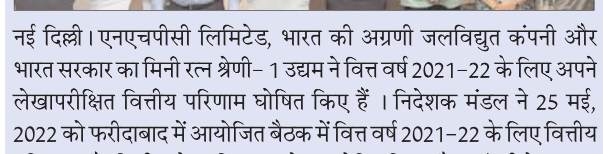

नई दिल्ली। एनएचपीसी लिमिटेड, भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी और भारत सरकार का मिनी रत्न श्रेणी- 1 उद्यम ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अपने लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। निदेशक मंडल ने 25 मई, 2022 को फरीदाबाद में आयोजित बैठक में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए वित्तीय परिणाम और वित्तीय लेखा विवरण को अनुमोदित किया है। कंपनी ने 2021-22 में एकल आधार पर अब तक सबसे अधिक लाभ कर पश्चात (पीएटी) 3538 करोड़ रुपये अर्जित किया है, जबकि यह पिछले वित्त वर्ष के दौरान 3245 करोड़ रुपये था, यह पिछले वित्त वर्ष से 9 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए समेकित शुद्ध लाभ 3774 करोड़ रुपये रहा है जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में 3600 करोड़ रुपये था, यह पिछले वित्त वर्ष से 5त्न अधिक है। एनएचपीसी के पावर स्टेशनों ने वित्त वर्ष 2021-22 में 24855 मिलियन यूनिट (एमयू) का विद्युत उत्पादन हासिल किया जोकि वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान हुए विद्युत उत्पादन से 384 एमयू अधिक है। निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 1.31 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश के अलावा 0.50 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। तदनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कुल लाभांश 1.81 रुपये प्रति शेयर है जो कंपनी द्वारा घोषित अब तक का सबसे अधिक लाभांश है।

संपादकीय

आजम खान को मनाने के लिये कपिल सिब्बल को राज्यसभा भेजने पर मजबूर हुए अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान की नाराजगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव की नींद हराम कर रखी है। एक तरफ आजम हैं कि अखिलेश पर तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं, उनके साथ विधानसभा में बैठने से कतरा रहे हैं। यही नहीं लखनऊ में रहते आजम ने अखिलेश से दूरी बना रखी है, जबकि शिवपाल से मेल मिलाप का सिलसिला जारी है। तो दूसरी तरफ अखिलेश यादव मुस्लिम वोट बैंक की सियासत के चलते आजम खान के सामने नतमस्तक होते जा रहे हैं। आजम खान चाहते थे कि कपिल सिब्बल को राज्यसभा भेजा जाए तो अखिलेश ने भेज दिया। इसी तरह से रामपुर लोकसभा सीट जिससे हाल में आजम खान ने त्याग पत्र दिया है, वहां पर भी आजम अपनी पसंद का प्रत्याशी उतारना चाहते हैं, इसके लिए भी अखिलेश तैयार हो ही जाएंगे, क्योंकि आजम के बिना रामपुर में कोई भी चुनाव जीतना सपा के लिए मुश्किल ही नहीं असंभव भी है। हालांकि आजम सार्वजनिक रूप से यही कह रहे हैं कि रामपुर से कोई भी भाई लोकसभा का चुनाव लड़े, उनसे कोई मतलब नहीं है, लेकिन उनकी बातों में तंज ज्यादा नजर आता है।

अखिलेश यादव ने कपिल सिब्बल को राज्यसभा का चुनाव लड़ाने का फैसला लेकर आजम को मनाने का जो प्रयास शुरू किया है, उसमें आगे चलकर कपिल सिब्बल भी महत्वपूर्ण किरदार निभा सकते हैं। कपिल के कहने पर आजम सपा प्रमुख से अपनी नाराजगी भूल सकते हैं। वैसे भी सियासत में दोस्ती और दुश्मनी लम्बे समय तक नहीं चलती है। बहरहाल, कांग्रेस पार्टी से नाराज चल रहे कबिल सिब्बल ने राज्यसभा की सीट की कीमत पर आखिरकार अपना नया ठिकाना तलाश लिया है। हालांकि सिब्बल ने निर्दलीय प्रत्याशी की हैसियत से नामांकन किया है, लेकिन उन्हें समाजवादी पार्टी का समर्थन हासिल होगा। कानून के बड़े खिलाड़ी कपिल सिब्बल न तो कभी नेताजी मुलायम सिंह यादव के खास रहे न ही अखिलेश यादव के करीब, लेकिन नाराज चल रहे आजम खान को मनाने के चक्कर अखिलेश को सियासत के मैदान में आजम के सामने 'हथियार' डालना ही पड़ गया।

आजम खान को जेल से बेल पर बाहर निकालने में कबिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी के बाद कपिल सिब्बल के सपा की तरफ से राज्यसभा भेजे जाने की चर्चा शुरू हो गई थी। आजम ने भी मीडिया के एक सवाल के जवाब में कहा था कि यदि सिब्बल को राज्यसभा भेजा जाता है तो उन्हें सबसे अधिक खुशी होगी। कपिल सिब्बल ने भी इस बात की पुष्टि कर दी है कि वह सपा के सर्मथन से राज्यसभा चुनाव लड़ रहे हैं, इसके साथ ही सिब्बल ने यह भी घोषणा कर दी है कि 16 मई को उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। फिलहाल अभी कपिल सिब्बल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य हैं। उनका कार्यकाल जुलाई में खत्म हो रहा है। कपिल सिब्बल ने टिकट फाइनल होते ही दावा किया है कि वह मोदी सरकार के खिलाफ एक गठबंधन बनाना चाहतें हैं, जिससे 2024 में मोदी सरकार को हटाया जा सके।

कपिल सिब्बल का कांग्रेस छोड़ना अप्रत्याशित नहीं था। वह कांग्रेस आलाकमान से काफी नाराज चल रहे थे। वैसे भले कपिल सिब्बल ने राज्यसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के समर्थन से नामांकन भरा हो लेकिन उन्हें राज्यसभा का टिकट देने के लिए लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी और झारखंड मुक्ति मोर्चा की तरफ से भी ऑफर था लेकिन कपिल सिब्बल ने यूपी से ही सांसद बनने को तवज्जो दी।

सांसारिक मरीचिका के भवर में फसा मन

पुखराज प्राज

क्यों मिन्नतों के सौदे हर बार करता है।
मोह हैं सारे, जिन से तू प्यार करता है।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली के उद्देश्यों में वैशिष्ट्य इस बात की है कि अच्छे अंक/ग्रेड के साथ हम उत्तीर्ण हों। यही नहीं शिक्षा का मूल उद्देश्य वैश्विक रूप में रोजगार पाने का एकमात्र संसाधन माना जाने लगा है। राह चलते भीड़ में से किसी एक व्यक्ति विशेष से यह प्रश्न अवश्य कीजिये की आप ने कहाँ तक की शिक्षा ग्रहण की है? और अभी क्या कर रहें हैं। जवाबी रशीद में यदि वह अच्छा विद्यार्थी रहा होगा तो अपनी डिग्रीयाँ गिनकर बता देगा। और अपने व्यवसायी पहचान को बता देगा। यदि कम तर हुआ तो, डिग्रियों के ऊपर अपने अव्यावसायिक होने के कारणों का मत्था मड़ देगा। जैसे आज से लगभग 5–10 वर्ष पूर्व अभियांत्रिकी के क्षेत्र में रोजगार के मांग के चलते ऐसे व्यावसायिक संस्थानों की भरमार हो गई थी। जिसके चलते थोक के भाव में कई इंजीनियरिंग ग्रेजुएट बना दिये गए। गुणवत्ता के मामले चाहे कितना भी पैरामीटर्स से पीछे ही क्यों ना हो? जनाब सेमेस्टर की चढ़ती–फिसलती सीढ़ियों ने कभी मेहनत, कभी नकल तो कभी थोड़ी ऊपर तक की पहुँच के करतब सीखा ही दिये। फलन यह हुआ की वर्तमान में हजारों की संख्या में अभियांत्रिकी के ग्रेजुएट रोजगार की तलाश में रोज भटक रहे हैं।

कुछ ऐसी ही स्थिति वर्तमान में तथाकथित अपने आप को विवि के स्कॉलर कहलाने वालों की है। जो शोध सिर्फ इसलिए कर रहें हैं। ताकि शोध के पूरा कर किसी भी निजी या शासकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय में अध्यापन रूपी रोजगार मिल सके। वास्तव में शिक्षा का वे उद्देश्य केवल और केवल नौकरियां पाने के संसाधन के रूप में प्रयोग कर रहे हैं। वे ऐसे विद्यार्थी हैं जो शिक्षा को साधन के रूप में प्रयोग कर भावी समय में केवल सुख भोगने के बेहतर विकल्प तैयार कर सकें इस प्रयास में लगे हैं। जहाँ रोटी, कपड़ा और मकान के बेसिक जरूरतों से कहीं अधिक, सोशल–स्टेटस, फूहड़ फैशन और कंकरीट के घर को अहंकार के अलंकरण करना बेहद जरूरी है। जहाँ शिक्षा को बाटने या वर्धन की परम्परा नहीं, बल्कि उपस्करों के स्तरों पर स्तर चढ़ाने की भावना है।

प्रश्न उठता है की तम को चीरती शिक्षा का केवल ग्रहण इसलिए हो रहा है कि, कल के भविष्य के अच्छे संसाधन लब्धि बनें? या फिर जिस ज्ञान को हमने ग्रहण किया है। आने वाली पीढ़ी के लिए और संशोधित कर ज्ञान के नवीन स्तरों को प्राप्त करें। वर्तमान में पालक अपनी नवीन पीढ़ी के अनुसंधान रूपी साख पर स्वयं कुल्हाड़ी मार रहे हैं। मन के विपरीत उन्हे बचपन से ऐसे तैयार किया जा रहा है जैसे फैक्ट्री में कोई यांत्रिक मशीन तैयार किया जा रहा हो। जिसका उद्देश्य है 15–20 साल की ट्रेनिंग के बाद, रोजगार से अर्थ पैदा करें और शेष व्यर्थ है। ऐसे मानसिकता के चलते बच्चे अपनी वास्तविक अभिरुचि को मिथक और पालकों के परामर्श को वास्तविक रूचि बनाकर नकल करने में कुशल अभिनयकार हो जाते हैं। यह अभिनय लगभग पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है। वर्तमान में साहित्य/बौद्धिक संपदा की चोरियां बढ़ने के कारणों को आप किस रूप में देखते हैं? आप कहेंगे यह शॉर्टकट वाली नीति है....! कमजोरी है..!!! लेकिन आप अभी भी वास्तविक की धरातल से थोड़े दूर हैं। ज्ञातव्य है की उसकी रूचि उस विषय क्षेत्र में बिलकुल कम है, या फिर बचपन से उसी अभिनय को वास्तव मानकर अंधानुकरण कर रहा है। जिससे वह कैसे भी प्राप्त करना चाहता है।

चुँकि उसे उस विषय की समझ, दार्शनिकता और नव सृजन का ज्ञान नहीं है इसलिए वह प्लेगरिज्म की ओर बढ़ चला है। शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य शिक्षा के जाग्रत विद्यार्थियों की आज भी प्रतीक्षा में है। जो अभिनय बाजों की तरह ना होकर, शिक्षा में व्यावसायिक पृष्ठभूमि की तलाश से कोसो इतर, नव सृजन के पथ पर चले। जिसे अहंकार का संग्रहण नहीं और भवसागर के वैषयिक पटल की मरीचिकाओं का विवर्तन पसंद हो। जिसे नव ज्ञान की ललक हो, वहीं सच्चा विद्यार्थी या शोधार्थी है।

मानसून की दस्तक - सरकारी योजनायें - डूबते शहर

निर्मल रानी

उत्तर भारत में मानसून दस्तक देने जा रहा है। निश्चित रूप से जो लोग भीषण गर्मी के प्रकोप से त्राहि त्राहि कर रहे हैं उन्हें वर्षा ऋतु से होने वाले मौसम परिवर्तन के बाद होने वाले तापमान में गिरावट से काफ़ी राहत महसूस होगी। परन्तु प्रकृति प्रदत्त यही राहत प्राय: उस समय मानव संकट में भी बदल जाती है जबकि मानसून में होने वाली यही बारिश इंसानों को सुकून व राहत देने के बजाये उसकी परेशानी, तबाही व बर्बादी का कारण बन जाती है। देश के कई राज्य आज भी ऐसे हैं जहाँ सरकार चाहते हुये भी बाढ़ के प्रकोप से इंसान व उसे होने वाले नुक़्सान को नहीं बचा पाती है। मानसून शुरू होते ही विभिन्न राज्यों की अनेक उफ़नती हुई नदियां प्रत्येक वर्ष मानवीय तबाही का नया इतिहास लिखती हैं। कहीं पुल बह जाते हैं, कहीं बाँध टूट जाते हैं, कहीं पूरे के पूरे गांव बाढ़ की विनाशलीला की भेंट चढ़ जाते हैं। हम प्रत्येक वर्ष ऐसा हालत से जूझने के लिये मजबूर रहते हैं तथा इसे प्रकृतिक बाढ़ प्रकोप या इससे उपजी विनाश लीला समझकर इसे स्वीकार कर लेते हैं। हालांकि इसतरह की अनियंत्रित बाढ़ में भी भ्रष्टाचार एक बड़ा कारक होता है। मिसाल के तौर पर नदियों के किनारे बनने वाले बांधों के निर्माण में बड़े पैमाने पर होने वाला भ्रष्टाचार, अवैध खनन, कमज़ोर पुलों व पुलों के खम्बों का घटिया स्तर का निर्माण आदि। परन्तु बाढ़ के प्रकोप को प्रकृतिक प्रकोप मानकर सरकार स्वयं को किसी तरह की ज़िम्मेदारी से बचा ले जाती है।

परन्तु शहरी इलाक़ों के डूबने की ज़िम्मेदार जहां मानवनिर्मित अनेक समस्यायें हैं वहीं सरकार की ग़लत योजनायें भी इसके लिये कम ज़िम्मेदार नहीं। उदाहरण स्वरूप शहरों में बनाई या मरम्मत की जाने वाली गलियां बार बार ऊँची से ऊँची की जाती हैं। और उनके दोनों तरफ़ की नालियों की गहराई को कम कर उसे और छिछला कर दिया जाता है। परिणाम स्वरूप अनेक मकानों का मुख्य स्तर गलियों व सड़कों से भी नीचे हो जाता है। इसकी वजह से थोड़ी सी भी बारिश का पानी मकानों में प्रवेश कर जाता है। और अगर बारिश तेज़ हो फिर तो गली मोहल्लों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है। उधर हरियाणा के अंबाला जैसे विभिन्न राज्यों के विभिन्न शहरों में बरसाती तथा नालों के माध्यम से जल निकासी हेतु अनेक नये नालों का निर्माण किया गया है। इसी तरह प्राय: फ़्लाई ओवर्स के नीचे भी नाले बनाये गये हैं। आज यदि पूरी ईमानदारी के साथ इन नवनिर्मित नालों की स्थिति पर नज़र डाली जाये तो यह अधिकांश जगहों पर न केवल क्षति ग्रस्त मिलेंगे बल्कि ज़्यादातर नाले अवरुद्ध भी नज़र आयेंगे। तमाम जगहों पर यह नाले नालियां पूरी तरह ढके होंगे। इतने ढके कि इनकी न तो सफ़ाई की जा सकती है न ही इनमें जमे कीचड़ मलवे को निकाला जा सकता है। गोया सरकार, निर्धारित योजनानुसार निर्माण तो कर देती है। परन्तु उसे सुचारु रूप से प्रवाहित करने की ओर ध्यान नहीं देती। यदि करोड़ों रूपये ख़र्च करने के बावजूद नालों व नालियों से गन्दा पानी प्रवाहित नहीं हो रहा है और बजाये इसके यही नाली नाले शहरों में आने वाली बढ़ का कारण भी बने फिर जनता के पैसों की बर्बादी का आख़िर क्या औचित्य है ?

शहरों के डूबने में सरकार के साथ साथ जनता भी कम दोषी नहीं है। जो गंदे नाले व नालियां गंदे घरेलू पानी या वर्षा जल को प्रवाहित करने के लिये होते हैं उन्हीं नालों में आपको मरे हुये जानवर, रज़ाई, गद्दे, कंबल, कपड़े, कांच व प्लास्टिक की बोतलें पॉलीथिन, प्लास्टिक, ईंट–पत्थर, जूते चप्पल, घरेलु कूड़ा करकट आदि न जाने क्या क्या पड़ा नज़र आयेगा। ज़ाहिर है यह %कारगुज़ारी% सरकार की नहीं बल्कि आम लोगों की है। हमारी और आप की है। हमें यह समझना होगा कि हम नालियों का इस्तेमाल केवल गंदे जल के प्रवाह करने के मक़सद तक ही करें। इन्हें हम कूड़ा घर क़तई न बनने दें। हम स्वयं भी ऐसा न करें और यदि कोई ऐसा करते दिखाई दे तो उसे भी मना करें।

इन्हीं लापरवाहियों के चलते बरसात के दिनों में शहरों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। और जो लोग नालों व नालियों को कूड़ाघर बनाते हैं उन्हीं के मकानों में वर्षा जल नालों के गंदे पानी के साथ प्रवेश करता है जोकि परेशानी व असुविधा के साथ साथ विभिन्न बीमारियों को भी दावत देता है।

इसके साथ साथ सरकार का भी कर्तव्य है कि वह युद्धस्तर पर शहरी नालों व नालियों की समुचित सफ़ाई करवाये। टूटे फूटे नालों व नालियों की मरम्मत कराये। इनमें जमी गाद व कचरा कूड़ा आदि पूरी तरह साफ़ करवाकर नाले नालियों के पानी की प्रवाह पूर्ण स्थिति सुनिश्चित करे। जिन लोगों ने अपनी सुविधानुसार अथवा सरकारी ठेकेदारों द्वारा नालों को इतनी दूर तक ढक दिया गया है कि उसके नीचे सफ़ाई कर पाना ही संभव नहीं, नालों के ऐसे ढके हिस्से को तुड़वाकर इन्हें खोलने की व्यवस्था की जाये ताकि सफ़ाई कर्मचारी सुगमता से इनकी सफ़ाई कर सकें। वर्तमान मशीनी युग में ऐसे नालों नालियों की सफ़ाई के लिये भी मशीनों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। नालों व नालियों का निर्माण या इनकी मरम्मत स्तरीय होनी चाहिये। भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी ऐसी योजनाएं भी जहाँ बाढ़ का कारण बनती हैं वहीँ नालियों की गुणवत्ता की कमी से लोगों के घरों में भी नाले नाली के पानी का रिसाव होता है। इसकी वजह से मकान की नींव तो कमज़ोर होती ही है साथ ही घरों में सीलन भी पैदा होती है।

गली निर्माण व मुरम्मत के लिये भी सरकार स्पष्ट निर्देश जारी करे कि कोई भी गली पुरानी गली को खोद कर गली के उसी स्तर पर तैय्यार की जाये जो स्तर पूर्व में था। और यदि कोई ठेकेदार किसी गली को नये स्तर पर ऊँचा करता है इसका अर्थ है कि वह भ्रष्ट है और शहरवासियों को संकट में डालना चाहता है। ऐसे ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाये और यदि किसी अधिकारी की मिलीभगत से वह ऐसा कर रहा हो तो उस अधिकारी को भी पदमुक्त किया जाना चाहिये।

यदि समय रहते सरकार ने नालों व नालियों की समुचित सफ़ाई नहीं करवाई तो मानसून अपनी दस्तक दे चुका है और नि:संदेह बिना रखरखाव वाली यही ग़लत सरकारी योजनायें प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष की वर्षा ऋतू में भी डूबते हुये शहरों का करक बन सकती हैं।

दिल्ली, लखनऊ, पटना के साहित्य संसार में सन्नाटा क्यों

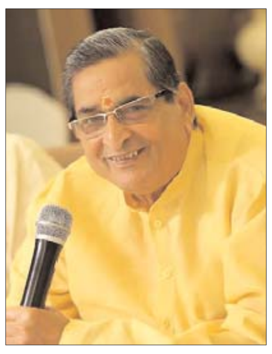

आर.के. सिन्हा

यह संभव है कि मौजूदा युवा पीढ़ी को शायद पता ही न हो कि कोई एक–डेढ़ दशक पहले तक दिल्ली, लखनऊ, पटना वगैरह हिन्दी पट्टी के खास शहरों में हिन्दी लेखकों–कवियों की दिनभर कॉफी हाउस से लेकर शामों में अलग–अलग साहित्य प्रेमियों के घरों में लगातार गोष्ठियां आयोजित हुआ करती थीं। उनमें लेखक बंधु अपनी ताजा रचनाएं पढ़ते थे। उसके बाद उन पर बहस होती थी। वह कभी–कभी विस्फोटक भी होने लगती थीं। अब लगता है कि गोष्ठियों और बैठकी के दौर गुजरे जमाने की बातें हो रही हैं। अब गोष्ठियां आनलाइन अधिक होने लगी हैं। इसके अलावा लेखक अपनी ताजा कहानियां, गजलें, कविताएं अपनी फेसबुक वॉल पर ही डाल रहे हैं।

वहां पर कुछ लाइक और छिट–पुट कमेंट जरूर आ जाते हैं। लेखक एक–दूसरे से पहले की तरह गर्मजोशी के साथ नहीं मिल रहे। पहले वाली बेतकल्लुफी गायब सी हो गई।

कुछ साल पहले तक राजधानी दिल्ली में निर्मल वर्मा, मनोहर श्याम जोशी, राजेन्द्र यादव, पदमा सचदेव जैसे लेखकों के घरों में उनके समकालीन और नौजवान लेखक लगातार आते–जाते रहते थे। वहां पर बैठकी के लंबे दौर चला करते थे। कभी–कभी सुबह भी हो जाती थी द्ध लेकिन वह स्थिति अब कम या कहें की खत्म होती जा रही है।

उन दिनों, कॉफी हाउस तो वैचारिक मुठभेड़ों के गढ़ होते थे। उनमें लेखक, संस्कृतिकर्मी, कलाकार, राजनीतिक कार्यकता सब तो आकर घंटों बैठते थे। अब उनमें भी सन्नाटा पसरा रहता है। पटना के काफी हाउस में फणीश्वर नाथ रेणु, नागार्जुन, सत्यनारायण, रॉबिन शॉ पुष्प, बाल्मीकि प्रसाद विकट, गोपीबल्लभ सहाय, शम्भुदयाल, सिंह, जीतेन्द्र सिंह अनेकों पत्रकार ही बैठने वालों में शामिल थेद्ध पहले वाली गहमा–गहमी नहीं दिखाई देती। यही स्थिति दिल्ली के मोहन सिंह प्लेस के कॉफी हाउस की भी थी।

दिल्ली के बाहर से आने वाला लगभग हर नेता, कार्यकर्ता, लेखक अगर कॉफीहाउस न आए तो समझा जाता था कि उसका दिल्ली आगमन निरर्थक है।

कॉफी हाउस कई लोगों तथा संस्थाओं के लिए स्थायी कार्यालय का भी कार्य करता था। दिल्ली के कॉफी हाउस में अवारा मसीहा के लेखक विष्णु प्रभाकर, भीष्म साहनी, कमलेश्वर, राजेन्द्र यादव वगैरह रोज गपशप कर रहे होते थे। इनमें साहित्य, समाज और सामयिक बिन्दुओं पर कॉफी की प्याली पर लंबी चर्चाएं होती थीं। इस बीच, हिदी के बड़े साहित्यकारों के नामों की चर्चा जब होती है तब मुंशी प्रेमचंद, रामधारी सिंह दिनकर, बाबा नागार्जुन, फणीश्वर नाथ रेणु और शिव पूजन सहाय का उल्लेख अवश्य होता है।

इन सबने पटना में रहते हुए हिदी के राष्ट्रीय फलक पर अपनी छाप छोड़ी थी। रेणु, दिनकर, नागार्जुन, रामवृक्ष बेनीपुरी, जानकी वल्लभ शास्त्री जैसे शब्दों के सम्राटों ने पटना में दर्जनों साहित्यिक गोष्ठियों में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

ये पटना के चाय के प्रमुख अड्डों से लेकर कॉफी हाउस तक में बैठा करते थे।

रामधारी सिंह दिनकर ने निबंधन विभाग के पटना कार्यालय में 1934 में नौकरी शुरू की थी। दिनकर ने 1935 में जब रेणुका नामक कविता संग्रह की रचना की तो उनका तबादला पटना निबंधन कार्यालय से बाढ़ कार्यालय कर दिया गया।

कोडवर्ड शुक्राना!!

कट्टर इमानदार सिस्टम कायम करने, भ्रष्टाचारियों की सफाई का अभियान हर सरकारों को चलाना ज़रूरी

शासन प्रशासन से जुड़े व्यक्तियों की भ्रष्टाचार में लिप्तता को उजगार करने हर सरकार को सटीक रणनीति से अग्नि परीक्षा लेना समय की मांग – एड किशन भावनानी

गोंदिया – एक राज्य ने जिस तरह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग के मंत्री को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार जिस रणनीतिक रोडमैप और उसके शुक्राना कोडवर्ड से कर भ्रष्टाचार का भांडा फोड़ किया वह काबिले तारीफ है!! दूसरी ओर एक राज्य के बहुत बड़े आईएएस अधिकारी पर कार्यवाही हुई है, जिसकी प्रेरणा अब हर राज्य सरकार को लेकर सबसे पहले कट्टर ईमानदार सिस्टम कायम करने के लिए पहले भ्रष्टाचारियों की सफाई करना जरूरी है इसके लिए अंदर के भ्रष्टाचार रूपी दीमक की सफ़ाई करने गुप्त विज़न चलाना चाहिए और बड़ी मछलियों को पहले सबक सिखाना चाहिए ताकि सिस्टम में शीघ्र से शीघ्र कट्टर इमानदार सिस्टम कायम हो सके और सव प्रतिशत आवंटित रकम उसी उद्देश्य में खर्च हो तो भारत को सोने की चिड़िया बनने और बड़े बुजुर्गों के सतयुग रुपी स्वप्ना को हम अति शीघ्र पूरा करेंगे।

साथियों बात अगर हम कट्टर इमानदार सिस्टम कायम करने की करें तो जिस तरह हम अपने और अपनी आने वाली अगली पीढ़ियों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर नए विज़न पर काम कर रहे हैं जिसमें विज़न 2047, विजन 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था, विज़न सागरमाला भारतमाला सहित इत्यादि अनेक परियोजनाएं शामिल है इसके लिए हम सबसे पहले कट्टर इमानदार सिस्टम और भ्रष्टाचार की सफाई इन दो अभियानों पर तात्कालिक रोडमैप बनाकर कार्रवाई करना होगा। हालांकि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकारों की जंग जारी है परंतु अब समय आ गया है कार्यवाही शीर्ष स्तर से जारी कर चपरासी पद स्तर तक तीव्रता से रणनीतिक रोडमैप बनाकर की जाए सारे संलग्न व्यक्तियों की संपत्तियां, रहन सहन, विदेश और लोकल यात्राएं, पड़ोसियों से उनकी जानकारी, उनका नौकरी के बाद और नौकरी के पहले का इतिहास इत्यादि अनेक एक्टिविटीज के बारे में जानकारी एकत्रित कर दोषियों को उनके असली जगह पर पहुंचाना तात्कालिक जरूरी है साथियों हम जब तक इस तरह का की कार्रवाई एक विज़न कट्टर इमानदारी, भ्रष्टाचारी देशद्रोही, बनाकर रणनीतिक रोड मैप से कार्रवाई नहीं करेंगे तब तक हमारे प्रस्तावित या एक्टिवेट विज़नों को पूर्ण करने में कठिनाइयों का सामना पड़ सकता है जिसके कारण वो ही भ्रष्टाचार रूपी असुर दानव होंगे।

साथियों बात अगर हम हाई लेवल पर भ्रष्टाचार की करें तो मेरा मानना है कि एक, दो, पांच, दस, प्रतिशत कमीशन जिस तरह कथित शुक्राना, मेहर, मेहरबानी इत्यादि आज के कोडवर्ड से जाना जाता है जो किसी न किसी माध्यम के द्वारा संपन्न होते हैं उस कड़ी को तोड़ना होगा!! और वह भी कट्टर ईमानदारी से तोड़ना होगा जिसका जीता जागता उदाहरण इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में एक राज्य के बहुत बड़े मंत्री को भ्रष्टाचार के मामले में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 24 मई 2022 को एक राज्य में एक नई पार्टी की पहली बार बनी सरकार में भ्रष्टाचार के आरोप में मंत्री को बर्खास्त कर उसके ऊपर कार्रवाई की गई है जो काबिले तारीफ है!! हालांकि उस राज्य के सीएम साहब चाहते तो मामला दब सकता था मेरा ऐसा मानना है इसकी प्रेरणा हर राज्य सरकार को लेकर तात्कालिक इस मिशन को अपने–अपने राज्यों में शुरू करने की खास जरूरत है। जिससे भ्रष्टाचार रूपी दीमक को शीघ्र समाप्त किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम इस केस में तारीफ ए काबिल कार्यवाही की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और टीवी चैनलों में आई जानकारी के अनुसार उस राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा है, स्वास्थय मंत्री ने ठेके देते हुए एक परसेंट कमीशन की मांग रखी थी। सीएम ने एक वीडियो शेयर करके कहा– हम एक पैसे के भ्रष्टाचार को भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारी पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली है। मुझे अपने मंत्रिमंडल के एक मंत्री के खिलाफ मामले के बारे में पता चला जो अधिकारियों से निविदाओं में एक प्रतिशत कमीशन ले रहा है। मैं उन्हें कैबिनेट से बर्खास्त कर रहा हूं और मामले में पुलिस जांच की भी मांग की है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने यह फैसला, मंत्री द्वारा अपने विभाग की निविदाओं और खरीद में कथित रूप से एक प्रतिशत कमीशन की मांग किए जाने की जानकारी मिलने के बाद किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने पुलिस को उनके खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है, और संदेश जोरदार और स्पष्ट है कि राज्य में भ्रष्ट आचरण की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उनके पूर्ववर्ती भ्रष्टाचारियों को बचा रहे थे और फिर कह रहे थे कि वे अपने मंत्रियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार के बारे में जानते थे। हालांकि, सीएम ने कहा कि हमारे राज्य में अब इस तरह की प्रथाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्री ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है और अब कानून अपना काम करेगा।

उन्होंने कहा कि मंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त हैं और उनके पास इसका सबूत है। राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि मंत्री को उनके नेतृत्व वाले विभाग में एक प्रतिशत कमीशन की मांग करने के लिए बर्खास्त कर दिया गया है। मेरी सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की है और किसी को भी, चाहे वह कितना भी संपन्न हो, इस तरह के कदाचार को जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चूंकि मामला केवल उनकी जानकारी में था, इसलिए वह इसे आसानी से दबा सकते थे या इसे नजरअंदाज कर सकते थे।

प्रार्थना

बिन सहारे प्रभु मैं किधर जाऊँगा,
दूर मंजिल हमारी बिखर जाऊँगा।

जिन्दगी के भँवर से निकलना मुझे,
बंदगी जिसमें तेरी, वो करना मुझे,
तेरी दृष्टि पड़ी तो निखर जाऊँगा।
बिन सहारे प्रभु मैं किधर जाऊँगा।

तेज धारा नदी की न पतवार है,
डूब जाएगी नैया, भी आसार है,
कर दो कृपा तो मैं तर जाऊँगा।
बिन सहारे प्रभु मैं किधर जाऊँगा।

जाति, धरम की है चलती हवा,
निर्धन को मुश्किल से मिलती दवा,
तेरे दर से न खाली मैं घर जाऊँगा।
बिन सहारे प्रभु मैं किधर जाऊँगा।

अंधियारी रातों में जलता है घर,
हिंसा की आँधी है, उजड़ा शहर,
चरणों में नव पुष्प धर जाऊँगा।
बिन सहारे प्रभु मैं किधर जाऊँगा।

नदियों में बहता है पानी बहुत,
सूखी धरा की कहानी बहुत,
प्यासा हूँ, प्यासे ही मर जाऊँगा।
बिन सहारे प्रभु मैं किधर जाऊँगा।

गुलज़ार कर दे तू उजड़ा चमन,
सारी मही और सारा गगन,
श्रद्धा से दर तेरा भर जाऊँगा।
बिन सहारे प्रभु मैं किधर जाऊँगा।
दूर मंजिल हमारी बिखर जाऊँगा।

शार्ट न्यूज

आगरा में कार्रवाई : गुटखा-पान मसाला कारोबारियों के 18 ठिकानों पर छापा

आगरा। वाणिज्य कर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा ने बुधवार दोपहर पान मसाला एवं गुटखा के निर्माता और विक्रेताओं के 18 ठिकानों पर एक साथ एक्शन लिया। कार्रवाई से पूरे बाजार में हड़कंप मच गया। पुराने शहर से लेकर पॉश कॉलोनियों तक दुकानों के शटर गिर गए। लगभग एक घंटे बाद स्थिति सामान्य हुई और जांच टीमों ने कार्रवाई जारी रखी। विभागीय सूत्रों ने बताया कि मुख्यालय से मिले निर्देश का पालन करते हुए यह कार्रवाई की गई है। इसमें सभी नामचीन ब्रांड शामिल है। आगरा के गोल्ड मोहर ब्रांड के निर्माता सरीन एंड सरीन के साथ ही कानपुर के ब्रांड राजश्री के वितरकों के यहां भी विभागीय टीमों ने कागजात की पड़ताल की। जांच टीम के एक अधिकारी ने बताया कि गुटखा निर्माता के यहां चेक किया जा रहा है कि जितना कच्चा माल खरीदा गया, क्या उसके सापेक्ष तैयार माल को विभागीय एंट्री में दर्शाया गया कि नहीं। इसी प्रकार वितरकों के यहां बिक्री में टैक्स इंवाइस के सही प्रयोग को जांचा जा रहा है। विभाग के अपर आयुक्त ग्रेड वन अजय कुमार सिंह के निर्देशन में चल रही कार्रवाई का नेतृत्व संयुक्त आयुक्त केएन पाल एवं राजशेखर कर रहे हैं। कार्रवाई में एसआईबी के उप आयुक्त विनोद तिवारी एवं उनकी टीम शामिल हैं।

सहारनपुर : इस साल 05 फीसद ही हो पाई गेहूं की सरकारी खरीद

सहारनपुर। गेहूं की अच्छी पैदावार के लिये मशहूर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इस साल गेहूं की उपज तमाम कारणों से कम हुई है और इसका सीधा असर सरकारी खरीद पर पड़ा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर मंडल में सरकारी क्रय केंद्रों पर अभी तक केवल पांच फीसदी गेहूं की खरीद की जा सकी है। यह पिछले एक दशक में अभी तक की सबसे खराब स्थिति है। मंडलीय खाद्य विपणन विभाग के प्रभारी और सहारनपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आशीष कुमार ने बुधवार को बताया कि सहारनपुर मंडल में अभी तक केवल पांच फीसदी गेहूं की खरीद सरकारी केंद्रों पर हुई है। कुमार ने कहा कि इस साल सहारनपुर मंडल में गेहूं की खरीद का लक्ष्य 1.98 लाख मीट्रिक टन है। जबकि, मंडल में अभी तक केवल 10.35 हजार मीट्रिक टन गेहूं ही खरीदा गया है। गेहूं की सरकारी खरीद 15 जून तक चलेगी। सहारनपुर जिले में इस बार गेहूं के क्षेत्रफल में 800 एकड़ की कमी आई थी। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डा. इंद्र कुमार कुशवाहा ने बताया कि किसानों ने इस साल रबी की फसल में गेहूं के बजाय सरसों को प्राथमिकता दी। इस कारण सहारनपुर जिले में गेहूं की पैदावार में गिरावट आई। मौसम के लिहाज से भी तापमान में इजाफे के कारण गेहूं का दाना बारीक बना। बाजार में गेहूं की कम आवक के कारण उसके भाव 2040 से 2050 रूपए प्रति क्विंटल हो गए। सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2015 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया हुआ है। देवबंद के एक बड़े आढ़ती प्रदीप कुमार बंसल ने बताया कि बाजार में गेहूं के फुटकर दाम सरकारी खरीद केंद्रों से प्रति क्विंटल 25 से 35 रुपये तक ज्यादा हैं। प्रदीप बंसल ने कहा कि निजी क्षेत्र की मंडियों में भी गेहूं की आवक पिछले साल की तुलना में काफी कम हो रही है। उन्होंने कहा कि किसानों ने अपनी क्षमता के अनुसार गेहूं का भंडारण कर लिया है। किसानों को लगता है कि आने वाले समय में बाजार में गेहूं की किल्लत होने से उन्हें गेहूं के ऊंचे दाम मिल सकते हैं। सहारनपुर जिले में 92 क्रय केंद्रों के जरिए गेहूं की खरीद हो रही है। गेहूं की सरकारी खरीद इस बार एक अप्रैल से शुरू हुई थी जो 15 जून तक चलेगी लेकिन आमतौर से गेहूं के सरकारी क्रय केंद्र सूने पड़े हैं। गेहूं के इस संकट का बाजार और गेहूं उपभोक्ता दोनों पर बहुत विपरीत प्रभाव पड़ने वाला है।

परिवहन विभाग के निशाने पर आए सरकारी वाहन

लखनऊ। परिवहन विभाग के निशाने पर अब नियम तोड़ने वाले सरकारी वाहन आ गए हैं। बुधवार को परिवहन विभाग की टीम ने राजधानी में 20 इलाकों में चेकिंग की। रडार पर नियम तोड़ मनमानी करने वाले सरकारी ड्राइवर रहे। परिवहन विभाग की टीमों ने सरकारी एम्बेसडर, इनोवा, सियाज, सूमो, बोलेरो वाहन चेक किए। उनकी फिटनेस, इंश्योरेंस, प्रदूषण प्रमाणपत्र की वैधता देखी। आरटीओ प्रवर्तन संदीप कुमार पंकज ने बताया कि विभिन्न इलाकों में हुई चेकिंग के दौरान 70 से अधिक वाहनों का चालान किया गया।

यूनिफार्म सिविल कोड पर राष्ट्रपति और पीएम से मिलेंगे शिया पर्सनल बोर्ड सदस्य

लखनऊ। ऑल इण्डिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यकारिणी की एक बैठक बुधवार को हुई। सुल्तान–उल– मदारिस में हुई बैठक में की अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना सैयद साएम मेहदी ने की। बैठक में मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि ऐसी सूचनायें आ रही हैं कि देश में यूनिफार्म सिविल कोड बन रहा है और उसे लागू किया जाएगा। इस सिलसिले में ऑल इण्डिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड का एक प्रतिनिधि मण्डल राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से भेंट करके यह स्पष्ट करेगा कि हम मुसलमान देश के कानून को मानते हैं और उस पर अमल करते हैं। लेकिन कुछ मामले ऐसे हैं जिनका ताल्लुक हमारे धार्मिक मामलात से है जिनके हम पाबन्द हैं और देश के संविधान ने हमको उसकी इजाजत भी दी है। संविधान में कोई बदलाव देश के लिए मुनासिब नहीं होगा।

बुलडोजर चलने के बाद खंगाले जा रहे भू माफिया के रिकॉर्ड

लखनऊ। मोहनलालगंज में एसटीएफ टीम को कुचलने की कोशिश करने वाले सपा नेता के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। मोहनलालगंज तहसील में बुधवार को एसडीएम ने तहसीलदार समेत अन्य राजस्वकर्मियों के साथ इस संबंध में बैठक की। निर्देश दिए कि भू माफिया ने यदि कहीं और भी सरकारी जमीन पर कब्जा किया है तो उसके दस्तावेज निकालें ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। एसडीएम शुभी काकन ने सभी भू माफियाओं की सूची तैयार कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। एक दिन पहले ही सपा नेता अरुण यादव के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की थी। तहसील प्रशासन ने सपा नेता के सरकारी जमीन पर बनाये गये आलीशान दफ्तर, पार्क और गौशाला पर बुलडोजर चलवा दिया। अरुण यादव ने मुख्य सड़क से अपने अवैध निर्माण तक डामर सड़क बना रखी थी। इसे भी खुदवा दिया गया।

दुर्गाकुंड, पाण्डेपुर, लक्सा में चला अतिक्रमण के खिलाफ अभियान

वाराणसी। नगर निगम व प्रवर्तन दल ने बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। पाण्डेयपुर, पहड़िया, गोदौलिया, लक्सा, दुर्गाकुंड, अस्सी, लंका में वेंडिंग जोन के बाहर दुकान लगाने वाले ठेला पटरी व्यवसायियों को चेतावनी दी गई। उनके सामान हटवाए गए। दुकानदारों को सड़क पर सामान रखने पर चेतावनी दी गई और कुछ दुकानदारों के सामान जब्त किए गए। दुर्गाकुंड में अवैध ऑटो स्टैण्ड के खिलाफ कार्रवाई हुई। गोदौलिया से लक्सा तक चले अभियान में मारवाड़ी संघ के आसपास सड़क पर दो पहिया वाहन और ऑटो–ई–रिक्शा बेतरतीब तरीके से खड़े थे। बीच तक तक वाहनों के अतिक्रमण पर टीम ने कार्रवाई की और वाहनों को सीज करने की चेतावनी दी। इस दौरान अपर नगर आयुक्त प्रथम दुष्यंत कुमार, भेलूपुर जोनल अधिकारी राजेश कुमार अग्रवाल, अतिक्रमण निरीक्षक संजय कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

मुस्लिमों का ज्ञानवापी में प्रवेश रोकने का मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में ट्रांसफर, 30 को अगली सुनवाई

वाराणसी। ज्ञानवापी में मुस्लिमों का प्रवेश रोकने का मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया है। याचिका में तीन मांग की गई थी। इसमें ज्ञानवापी मस्जिद को हिंदुओं को सौंपने, वहां दूसरे समुदाय के प्रवेश पर रोक और आदि विशेश्वर की पूजा पाठ करने की अनुमति मांगी गई थी। बुधवार को सिविल जज– सीनियर डिवीजन से सिविल जज सीनियर डिवीजन/ फास्ट ट्रैक कोर्ट महेंद्र पांडेय की अदालत में केस स्थानांतरित कर दिया गया। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने इसकी सुनवाई की तारीख 30 मई निर्धारित कर दी है।

ज्ञानवापी मामले की वादी राखी सिंह के चाचा जितेंद्र सिंह बिसेन की पत्नी किरण सिंह ने मंगलवार को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत में एक अर्जी दाखिल कर मुस्लिमों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की थी। अदालत ने इसे प्रकीर्णवाद के रूप में दर्ज कर लिया था। किरण सिंह विश्व वैदिक सनातन संघ की अंतरराष्ट्रीय महामंत्री हैं। उनके पति जितेंद्र बिसेन अध्यक्ष हैं।

आदिविश्वेश्वर की वाद मित्र किरण सिंह और वादी विकास साह व विद्याचंद ने मंगलवार को 77 पेज, 122 पैरा में तीन बिंदुओं पर अदालत आवेदन दिया था। शिवम गौड़, मानबहादुर सिंह आदि अधिवक्ताओं की ओर से दायर याचिका में मांग की गई थी कि मुस्लिम पक्ष को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में प्रवेश के लिए प्रतिबंधित किया जाय, ज्ञानवापी परिसर हिन्दुओं को पूजा–पाठ करने के लिए सौंप देने का आदेश दें। साथ ही तत्काल प्रभाव से भगवान् आदि विश्वेश्वर की प्रतिदिन पूजा–अर्चना प्रारम्भ कराई जाए। उन्होंने कोर्ट कमीशन कार्यवाही की रिपोर्ट की भी दलीलें दीं।

जालौन : सड़क हादसे में महिला सहित दो की मौत, नौ घायल

उरई। उत्तर प्रदेश के जालौन में बुधवार को झांसी–कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 27 के मध्य स्थित निर्माणाधीन बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के पास हुई सड़क दुर्घटना में एक महिला सहित दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और नौ घायल हो गये।

प्रत्यक्षदर्शियों बताया कि पूना से आ रहे मजदूरों से भरा एक छोटा हाथी उरई कोतवाली थानाक्षेत्र अंतर्गत कैथरी गांव के पास हाईवे किनारे डंपर से पीछे से जा टकराया।

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि एक महिला सहित दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। हाईवे पर काम कर रहे मजदूरों ने इसकी सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। सभी घायलों को जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज उरई में भर्ती कराया गया।

बताया जा रहा है कि लोडर में चालक शकील निवासी सिद्धार्थनगर के अलावा वाहिद, उसकी पत्नी सेरी निशा तथा बहन अंजुम, निवासी सिद्धार्थनगर, मनोज उपाध्याय उसकी गर्भवती पत्नी क्षमा उपाध्याय निवासीगण इटवा सिद्धार्थनगर, कृष्णनाथ त्रिपाठी पुत्र धनश्याम, शामदेव चौधरी पुत्र रघुराज चौधरी निवासीगण परसपुर जिला सिद्धार्थनगर, दयाशंकर पुत्र बासुदेव यादव निवासी महाराजगंज, गणेश शाहनी पुत्र अजय शाहनी निवासी फेरनी, महाराजगंज, उमेश कुमार पुत्र प्रभुदयाल निवासी हराजपुर निवासी महाराजगंज सवार थे ।

याकूब कुरैशी की मीट फैक्टरी के ध्वस्तीकरण पर रोक

मेरठ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सुनवाई के बाद पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी की मेरठ में हापुड़ रोड स्थित मीट फैक्टरी अलफहीम मीटैक्स प्राइवेट लिमिटिड के ध्वस्तीकरण पर आगामी 13 जुलाई तक अंतरिम रोक लगा दी है। साथ ही उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि फैक्टरी संचालन पर पूरी तरह पाबंदी ही रहेगी। जिसे गत मार्च में छापे की कार्रवाई के बाद सील कर दिया गया था। मेरठ विकास प्राधिकरण के सचिव चंद्रपाल तिवारी ने बुधवार को बताया कि फैक्टरी के ध्वस्तीकरण की पूरी तैयारी कर ली गई थी। उच्च न्यायालय का मंगलवार 24 मई का आदेश हालांकि अभी तक अपलोड नहीं हुआ है जिसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को होनी है। तिवारी ने बताया कि अलफहीम मीट फैक्टरी 11 हेक्टेयर ऐसी जमीन पर बनाई गई है जिसे औद्योगिक उपयोग में नहीं लाया जा सकता। उन्होंने बताया कि याकूब कुरैशी की ओर से भू उपयोग परिवर्तन के लिये आवेदन किया गया था, जिसे शासन द्वारा निरस्त किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि मेरठ हापुड़ रोड पर स्थित खरखौदा के अल्लीपुरा गांव में अल–फहीम मीटैक्स प्राइवेट लिमिटेड पर पुलिस और प्रशासन की एक टीम ने अवैध पशु कटान की सूचना पर गत 30 मार्च देर रात छापा मारा था।

दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट के बंदी ने जिला जेल में किया सुसाइड, पंखे से लटका मिला शव

बरेली। बरेली जिला जेल में रेप और पॉक्सो एक्ट की धारा में सजा काट रहे बंदी अभिषेक शर्मा (24) पुत्र सूर्य प्रकाश शर्मा ने मंगलवार की रात जिला जेल में आत्महत्या कर ली। उसका शव जेल अस्पताल के अंदर पंखे में लटका मिला। गले में गमछे का फंदा लगा हुआ था। परिवार ने जेल कर्मियों पर हत्या का आरोप लगाया है।

प्रेमनगर के मोहल्ला भूड़ निवासी सेल्समैन सूर्य प्रकाश शर्मा का बेटा अभिषेक शर्मा साढ़े चार साल से जिला जेल में रेप और पॉक्सो एक्ट की धारा में सजा काट रहा था। आरोप था, उसने

इज्जतनगर बसंत विहार की किशोरी को अपने प्रेम जाल में फंसा कर बलात्कार किया था। इस मामले में किशोरी के परिवार की ओर से इज्ज़तनगर थाने में आरोपी अभिषेक शर्मा के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, बलात्कार, अपहरण समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ। जिसमें अभिषेक को साढे चार साल पहले सजा हो गई। अभिषेक के पिता सूर्य प्रकाश का कहना है, बुधवार की सुबह 9:30 बजे जिला जेल से उनके पास फोन आया। आपके बेटे ने आत्महत्या कर ली है। गमछे का फंदा बनाकर पंखे में लटक गया है।

सूचना मिलते ही परिवार के तमाम लोग जिला जेल पहुंच गए। परिवार में कोहराम मच गया। सूर्य प्रकाश का आरोप है, उनके बेटे ने उन्हें बताया था, जेल में उसका उत्पीड़न हो रहा है। वहीं लड़की पक्ष पर भी आरोप लगाया है। धमकियां दी जाती थीं, अभी सजा हुई है।

जेल में ही मार दिया जाएगा। बार–बार यही कहा जाता था, अब जेल से जिंदा बाहर नहीं आएगा। सूर्य प्रकाश का कहना है, वह इस मामले की जिला प्रशासन से शिकायत करेंगे। अगर यहां भी न्याय नहीं मिला तो मुख्यमंत्री के दरबार में गुहार लगाएंगे। बिथरी पुलिस ने अभिषेक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभिषेक जिला जेल अस्पताल के दवा स्टोर विभाग में काम करता था।

बाराबंकी में हादसा : कंटेनर से टकराई बेकाबू कार, 4 की मौत

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी जिले के सफदरगंज इलाके में पल्हरी चौराहे के निकट बुधवार को सुबह अयोध्या से लखनऊ की ओर जा रही एक कार की, सामने से आ रहे एक कंटेनर से हुई भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई।

अपर पुलिस अधीक्षक मनोज पांडेय के अनुसार, सफदरगंज थाना क्षेत्र क्षेत्र पल्हरी चौराहे के निकट सुबह करीब आठ बजे अयोध्या से लखनऊ जा रही एक कार अचानक अनियंत्रित हो कर सामने से आ रहे एक कंटेनर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। उन्होंने बताया कि घटना के बाद पुलिस तथा स्थानीय ग्रामीणों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में कार सवार चार व्यक्तियों की मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है। वे सभी लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके के रहने वाले बताए जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर एक मवेशी के आ जाने से कार अनियंत्रित होकर कंटेनर से टकरा गई जिससे हादसा हुआ। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

मेरठः फिल्म कोर्ट कचहरी की शूटिंग शुरू हुई

मेरठ। फिल्म शूटिंग उद्घाटन के मौके पर एडीएम सिटी दिवाकर सिंह, जिला पंचायत सदस्य गुड्डू गंगोल, अनुरोध चौहान, नरेंद्र राष्ट्रवादी, मोहम्मद रिहान मौजूद रहे। इसमें मुंबई से फिल्म इंडस्ट्री के कलाकार शामिल हो रहे हैं। साथ ही मेरठ के स्थानीय कलाकारों को भी अभिनय के लिए मौका दिया गया है। जिला पंचायत सदस्य प्रदीप कुमार, गुड्डू गंगोल, मीडिया प्रभारी अनुरोध चौहान, लाइन प्रोड्यूसर प्रदीप कुमार, यश पंवार ने

बताया कि बुधवार से टीवीएस मॉल के बराबर में हिंदी फीचर फिल्म कोर्ट कचहरी की मेरठ में शूटिंग का शुभारंभ हुआ है। एक माह में अलग–अलग लोकेशन पर फिल्म की शूटिंग पूरी की जाएगी। इस फिल्म में राजेश शर्मा, विजेंद्र काला, लोकेश तिलकधारी, नीतू कोहली, कृष्णा सिंह बिष्ट, अंजू यादव आदि फिल्म कलाकार हैं। यह फिल्म मेरठ के विभिन्न स्थानों पर शूट की जाएगी।

बताया कि फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है जिसमें एक रिक्शा चालक की दुर्घटना में मौत हो जाती है, लेकिन उसका मर्डर किया जाता है। पूरी फिल्म में उस सच्ची घटना को दर्शाया जाएगा।

राज्यसभा के लिए सपा समर्थित उम्मीदवार के रूप में सिब्बल ने किया नामांकन

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने समाजवादी पार्टी (सपा) के समर्थन से इस बार संसद के उच्च सदन राज्य सभा में बतौर निर्दलीय सदस्य पहुंचने के लिये अपनी दावेदारी पेश कर दी है।

राज्य सभा में उत्तर प्रदेश से आगामी 04 जुलाई को रिक्त हो रही 11 सीटों पर होने जा रहे चुनाव में सिब्बल ने बुधवार को अपनी भावी सियासी पारी के पत्ते खोलते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ विधान सभा पहुंच कर नामांकन पत्र दाखिल किया।

वरिष्ठ वकील सिब्बल कांग्रेस की सरकारों में कई बार मंत्री और लोक सभा एवं राज्य सभा के सदस्य रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नहीं हैं क्योंकि वह 16 मई को ही पार्टी से इस्तीफा दे चुके हैं।

नामांकन के समय सिब्बल के साथ अखिलेश के अलावा सपा के राज्य सभा में संसदीय दल के नेता रामगोपाल यादव और सपा के प्रदेश

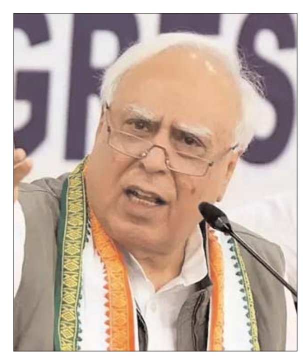

अध्यक्ष नरेश उत्तम सहित अन्य नेता मौजूद थे। सिब्बल ने संवाददाताओं से कहा, मैं 16 मई को ही कांग्रेस से इस्तीफा दे चुका हूं। आज निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैंने राज्यसभा के लिए नामांकन किया है। समाजवादी पार्टी मेरा सहयोग कर रही है। अखिलेश यादव का शुक्रिया।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा की उत्तर प्रदेश से 11 सीटों पर 10 जून को होने वाले मतदान के लिए नामांकन कल शुरू हुआ था।

सिब्बल ने कहा, मैंने राज्य सभा सदस्य के लिये निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन किया है। उच्च सदन में स्वतंत्र रूप से अपनी आवाज उठाते रहने की मेरी हमेशा कोशिश रही है। मुझे खुशी है कि अखिलेश ने इस जरूरत को समझा है। उन्होंने दलील दी कि किसी दल का सदस्य होने के कारण दलीय प्रतिबद्धताओं के अनुशासन का ख्याल रखना जरूरी होता है।

उन्होंने कहा, इससे इतर मेरा यह भी मानना है कि सदन में निर्दलीयों की स्वतंत्र आवाज भी होना उतना ही जरूरी है, इसलिये मैं समझता हूं कि जब एक निर्दलीय की आवाज उठेगी, तब लोगों को ऐसा लगेगा कि वह आवाज किसी पार्टी से जुड़ी नहीं है। सिब्बल ने कहा कि राज्य सभा में वह अपने पिछले कार्यकाल में भी उत्तर प्रदेश के सदस्य होने के नाते इस राज्य की आवाज उच्च सदन में उठाते रहे हैं और शायद अगले छह साल तक उत्तर प्रदेश की आवाज उठाते रहेंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे सिब्बल के पिछले कुछ समय से पार्टी नेतृत्व से मतभेद मुखर होने के बाद वह सार्वजनिक तौर पर कांग्रेस की कमियों को उजागर कर रहे थे। वह कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं के गुट जी–23 का भी हिस्सा रहे हैं।

जावेद अली होंगे सपा के राज्य सभा सदस्य पद के उम्मीदवार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) ने राज्य सभा की 11 सीटों के लिये हो रहे चुनाव में जावेद अली को अपना उम्मीदवार बनाया है। जावेद अली ने बुधवार को यहां अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया।

मुखर वक्ता जावेद अली इससे पहले राज्य सभा में सपा की बुलंद आवाज माने जाते रहे हैं। संसद के उच्च सदन में वह 2014 से 2020 तक सपा के सदस्य रहे। उनके नामांकन के समय सपा के वरिष्ठ नेता और राज्य सभा सदस्य रामगोपाल यादव मौजूद थे। उनसे पहले कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने भी आज सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में नामांकन भरा। पूर्व राज्य सभा सांसद सिब्बल ने सपा समर्थित उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया है। सिब्बल ने कहा, मैं 16 मई को कांग्रेस से इस्तीफा दे चुका हूं। आज निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैंने राज्यसभा के लिए नामांकन किया है। समाजवादी पार्टी इसमें मेरा सहयोग कर रही है। अखिलेश यादव का शुक्रिया। सपा के राज्यसभा में अभी पांच सदस्य हैं। इनमें रामगोपाल के अलावा जया बच्चन, विशंम्भर प्रसाद निषाद, चौधरी सुखराम सिंह और रेवती रमण सिंह शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा की उत्तर प्रदेश से 11 सीटों पर चुनाव के लिए नामांकन कल शुरू हुआ था। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक उम्मीदवार 31 मई तक अपने नामांकन दाखिल कर सकेंगे। आगामी 01 जून को नामांकन पत्रों की होगी जांच होगी और तीन जून तक नामांकन वापस लिये जा सकेंगे। इसके बाद 10 जून को सुबह 09 बजे से शाम 04 बजे तक मतदान होगा और शाम 05 बजे से मतगणना होगी।

गौरतलब है कि राज्यसभा में उत्तर प्रदेश से 31 सांसद चुने जाते हैं। इनमें से 11 सदस्यों का कार्यकाल आगामी 04 जुलाई को समाप्त हो रहा है। उत्तर प्रदेश में विधान सभा की मौजूदा स्थिति के मुताबिक भाजपा गठबंधन के 273, सपा गठबंधन के 125, जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) और कांग्रेस के दो–दो तथा बसपा का एक विधायक है।

इस लिहाज से चुनाव वाली राज्यसभा की 11 सीटों में से भाजपा को 07 और सपा को 03 सीटें मिलना तय है। जबकि, एक सीट पर तस्वीर अभी साफ नहीं है। समझा जाता है कि जनसत्ता दल के दो विधायकों का समर्थन भाजपा को मिल सकता है। वहीं, कांग्रेस और बसपा का किसी भी दल से गठबंधन नहीं होने के कारण ये दोनों दल चुनाव से तटस्थ रह सकते है।

चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मेरठ। बुधवार को महर्षि दयानंद पब्लिक इंटर कॉलेज मोदीपुरम में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने भाग लेकर पर्यावरण प्रदूषण और संरक्षण को लेकर चित्र बनाएं बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

प्रतियोगिता में भाग लेकर बच्चों में रचनात्मकता और कलात्मकता का प्रदर्शन कर सभी की वाहवाही बटोरी। प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में भूमि प्रेमी प्रथम और आकांक्षा दूसरे स्थान पर रही। खुशबू पुंडीर ने तृतीय स्थान

प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार अर्पणा सिंह को मिला। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में पहले स्थान पर सृष्टि और दूसरे स्थान पर अर्शी बानो तथा तीसरे स्थान पर आर्यन रहे। प्रतियोगिता में चित्रकार प्रभा शर्मा द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

अयोध्या में एक जून को योगी रखेंगे राम मंदिर के गर्भगृह की पहली शिला

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर में गर्भगृह की पहली शिला आगामी एक जून को रखेंगे। इसके साथ ही रामलला के गर्भगृह (घर) का निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा।

विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने बुधवार को यहां विहिप मुख्यालय 'कारसेवकपुरम' में यह जानकारी देते हुए बताया कि पांच सौ सदी के बाद आ रही इस ऐतिहासिक तिथि को लेकर रामभक्तों में खासा उत्साह है। उन्होंने बताया कि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इसकी तैयारियां जोर–शोर से शुरू कर दी हैं।

शर्मा ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र एवं महामंत्री चम्पत राय की देख–रेख में रामलला का भव्य मंदिर बन रहा है। जिसको देखने के लिए दूरदराज से लोग यहां आयेंगे। उन्होंने अब तक के निर्माणकार्य की प्रगति के बारे में बताया कि देश की अग्रणी भवन निर्माण संस्थाओं के जाने–माने इंजीनियरों के द्वारा राम मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। इनमें मेसर्स लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) मंदिर और परकोटा (प्राचीर) के निर्माण कर रही है। टाटा कंसल्टेंट इंजीनियर्स (टीसीई) परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त है। इसके अलावा चार शीर्ष इंजीनियर, आईआईटी–मुंबई के जगदीश आफले और गिरीश सहस्त्रभुजनी के अलावा औरंगाबाद के इंजीनियर जगन्नाथजी तथा नागपुर के अविनाश संगमनेरकर स्वैच्छिक सेवायें दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 05 अगस्त, 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर के गर्भगृह स्थल पर पूजा करके निर्माण कार्य को गति प्रदान की थी। शर्मा ने बताया कि नवंबर–दिसंबर 2020 में निर्माणस्थल का जीपीआर सर्वेक्षण किये जाने के बाद उत्खनन कर मंदिर स्थल और उसके आसपास लगभग छह एकड़ भूमि से लगभग 1.85 लाख घन मीटर मलबा और पुरानी मिट्टी को हटाया गया। इस काम में करीब 3 महीने लगे। यह स्थल एक विशाल खुली खदान की तरह दिखता था। इसके गर्भगृह में 14 मीटर की गहराई और उसके चारों ओर 12 मीटर की गहराई वाला मलबा व बालू हटाई गई। बैक–फिलिंग तकनीकी से इस गड्ढे को क्रक्रीक की कई परतों से भरा गया। गर्भगृह में कंक्रीट की 56 परत और शेष क्षेत्र में 48 परतों को डाला गया। इसे पूरा होने में अप्रैल 2021 से सितंबर 2021 तक लगभग 6 महीने लगे। उक्त फिलिंग को मिट्टी सुदृढ़ीकरण द्वारा भूमि सुधार नाम दिया गया। इसे जमीन के भीतर एक विशाल मानव निर्मित चट्टान कहा जा सकता है, जिसे कम से कम 1,000 वर्षों के लिए दीर्घायु और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है।

शर्मा ने बताया कि मंदिर के फर्श और कुर्सी (प्लिंथ) को ऊंचा करने का कार्य 24 जनवरी 22, को शुरू हुआ। यह अभी भी प्रगति पर है। प्लिंथ को 6.5 मीटर की ऊंचाई तक उठाया जाएगा। प्लिंथ को ऊंचा करने के लिए कर्नाटक और तेलंगाना के ग्रेनाइट पत्थर के ब्लॉक का इस्तेमाल किया जा रहा है। सितंबर, 2022 के अंत तक प्लिंथ को ऊंचा करने का काम पूरा होने की अपेक्षा है।

उन्होंने बताया कि बहुत शीघ्र गर्भगृह और उसके आसपास नक्काशीदार बलुआ पत्थरों को रखना प्रारम्भ होगा। प्लिंथ का काम और नक्काशीदार पत्थरों की स्थापना एक साथ जारी रहेगी। राजस्थान के भरतपुर जिले में बंसी–पहाड़पुर क्षेत्र की पहाड़ियों से गुलाबी बलुआ पत्थरों का उपयोग मंदिर निर्माण में किया जा रहा है। मंदिर में करीब 4.70 लाख क्यूबिक फीट नक्काशीदार पत्थरों का इस्तेमाल किया जाएगा।

शार्ट न्यूज

खाद्य तेलों में टिकाव

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं दाल–दलहन में मिलाजुला रुख जबकि अन्य जिंसों में भाव स्थिर रहे। तेल–तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरीवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 88 रिंगिट गिरकर 6966 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 0.58 सेंट उतरकर 79.54 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान पाम सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी सत्र के स्तर पर टिके रहे। गुड़–चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल–दलहन : दाल–दलहन के बाजार में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान चना 50 रुपये और चना दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि मसूर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। वहीं, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबार दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

स्पाइसजेट पर हुआ रैनसमवेयर हमला

मुंबई। स्पाइजेट पर मंगलवार की रात हुए रैनसमवेयर (साइबर) हमले से एयरलाइन का परिचालन बुधवार सुबह प्रभावित रहा। एयरलाइन ने कहा,कुछ स्पाइसजेट प्रणालियों को बीती रात साइबर हमले के प्रयास का सामना करना पड़ा जिसके प्रभाव से आज सुबह की उड़ान धीमी रही। हमारे आईटी दल ने स्थिति का पता लगाते हुए उसे ठीक कर लिया है और अब उड़ान सेवा समान्य रूप से चल रही है। रैंसमवेयर उस तरह का साइबर हमला होता है जिसमें हैकर पीड़ित के डाटा व जरूरी फाइलों को अपने कब्जे में ले लेता है या उसे लॉक कर देता है और उन्हें वापस पहले की तरह करने के लिए भुगतान की मांग करता है।

आर्सेलरमित्तल-निप्पॉन स्टील आंध्र प्रदेश में करेगी 1000 करोड़ का निवेश

मुंबई। स्टील विनिर्माता आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील (एएम/एनएस) ने बुधवार को कहा कि वह आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम पैलेट संयंत्र के विस्तार पर 1000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इससे पैलेट संयंत्र की क्षमता 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। कंपनी ने कहा,विस्तार योजना से विशाखापट्टनम स्थित पैलेट संयंत्र की उत्पादन क्षमता 35 प्रतिशत बढ़कर 1.10 करोड़ टन हो जाएगी जो अभी 80 लाख टन वार्षिक है। कंपनी को विस्तार कार्य वर्ष 2023 तक पूरा करने की योजना है। इससे पहले आर्सेलर मित्तल ने आंध्र प्रदेश में 4,600 करोड़ रुपये के निवेश से 975 मेगावाट की नवीकरणीय विद्युत परियोजना लगाने की घोषणा की थी जिससे चौबिसों घंटे बिजली का उत्पादन होगा।

रिन्यू पावर करेगी कर्नाटक में 50,000 करोड़ का निवेश

दावोस। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कारोबार करने वाली कंपनी रीन्यू पावर ने यहां चल रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) सम्मेलन के दौरान कर्नाटक सरकार के साथ 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने का समझौता किया है। कर्नाटक सरकार की एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह समझौता मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई की उपस्थिति में हुआ। श्री बोम्मई के नेतृत्व में कर्नाटक सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल भी दावोस सम्मेलन में भाग ले रहा है। सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री श्री बोम्मई ने इस करार को एक बड़ी उपलब्धि बताया है। इस समझौते के तहत रीन्यू पावर राज्य में आगामी सात वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी स्टोरेज और हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में कारखाने लगाएगी। यह निवेश दो चरणों में किया जाएगा। संयुक्त बयान में कहा गया कि कंपनी पहले चरण में राज्य में चल रही परियोजनाओं पर 11,900 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और अगले दो वर्षों में इनका परिचालन शुरु हो जाएगा। राज्य सरकार ने कहा है कि दूसरे चरण में कंपनी आगामी पांच वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में 37,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और इससे तकरीबन 30,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे पहले मुख्यमंत्री बोम्मई ने भारती इंटरप्राइसेस के चेयरमैन और सीईओ सुनील भारती मित्तल से मुलाकात की थी। श्री भारती ने राज्य में एक मेगा डाटा सेंटर स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की थी। जिसपर श्री बोम्मई ने इसके लिए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव मदद करने का वादा किया है।

ग्लेनमार्क ने भारत का पहला व्हाट्सएप आधारित चैटबॉट 'हैलो स्किन' किया लॉन्च

मुंबई। इनोवेशन पर लगातार ध्यान देने वाली वैश्विक दवा कंपनी, ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (ग्लेनमार्क), नेआईएडीवीएल (इंडियन एसोसिएशन ऑफ डेर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट) के सहयोग से एक डिजिटल रोगी शिक्षा उपकरण, 'हैलो स्किन' विकसित किया है, जिससे भारत में डर्मेटोफाइटोटिस (रिंग वर्म या टिनिया) से अनुशंसित उपचार अवधि (रेकमेंडेड ट्रीटमेंट ड्यूरेशन) का पालन करने में पीड़ित रोगियों की मदद की जा सकती है। 'हैलो स्किन' पहला व्हाट्सएप आधारित चैटबॉट है, जो रोगियों को न केवल दैनिक पिल रिमाइंडर्स के साथ टॉपिकल/सिस्टेमैटिक रेकमेंडेड थिरेपी के पालन में सुधार करने में मदद करता है, बल्कि रोग के प्रति जागरूकता पैदा करने में भी सहायक है और रिंगवर्म से पीड़ित रोगियों को स्किनकेयर टिप्स प्रदान करता है। यह प्लेटफॉर्म रोगी के अनुकूल है तथा हिंदी और अंग्रेजी सहित छह विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगा, जिससे टेक्नोलॉजी को लेकर रोगी में बेहतर स्वीकृति बनेगी। डिजिटल रोगी शिक्षा उपकरण के विकास पर, आलोक मलिक, ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड, इंडिया फॉर्मूलेशन, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने कहा, बेहतर रोग प्रबंधन के लिए डिजिटल रोगी समावेशीकरण भविष्य का हेल्थकेयर है। 'हैलो स्किन' इस दिशा में एक पहल है और यह रोग के बारे में शिक्षा देने और रोगी को फंगल थिरेपी के पालन में सुधार करने में मदद करेगी। इस इनोवेटिव सॉल्यूशन को विकसित करने के लिए ग्लेनमार्क के साथ आईएडीवीएल का सहयोग त्वचा विशेषज्ञों (डर्मेटोलॉजिस्ट) और रोगियों के बीच इसकी विश्वसनीयता को बढ़ाता है। नई पहल का समर्थन करते हुए, आईएडीवीएल की प्रेसिडेंट डॉ. रश्मि सरकार ने बताया, उपचार पालन को बढ़ावा देना, विशेष रूप से फंगल संक्रमण के प्रबंधन में, एक प्राथमिक उद्देश्य है। 'हैलो स्किन' फंगल संक्रमण से पीड़ित रोगियों में नैदानिक परिणामों में सुधार लाने वाली डिजिटल पहल होगी, जो रोगियों को उनकी उपचार प्रक्रिया में भागीदार बनाएगी।

इंडिगो का घाटा बढ़कर हुआ 1600 करोड़ रुपये से ज्यादा

नई दिल्ली। लो–कॉस्ट एयरलाइन इंडिगो को ऑपरेट करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन को मार्च 2022 तिमाही में 1681 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। पिछले साल की समान तिमाही में एयरलाइन कंपनी को 1,147.20 करोड़ रुपये का लॉस हुआ था। वहीं, पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी को 128 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। कंपनी के शेयर बुधवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 2.08 फीसदी की गिरावट के साथ 1,648 रुपये पर बंद हुए हैं। जनवरी–मार्च 2022 तिमाही में इंटरग्लोब एविएशन को ऑपरेशंस से मिलने वाला रेवेन्यू 29 फीसदी बढ़कर 8,020 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल की समान अवधि के दौरान कंपनी का रेवेन्यू 6,223 करोड़ रुपये था। हालांकि, पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले फ्यूल प्राइसेज 61 फीसदी बढ़े हैं। साथ ही, पिछले साल की मार्च तिमाही के मुकाबले मार्च 2022 तिमाही में पैसेंजर्स की संख्या 10.3 फीसदी बढ़ी है। इंटरग्लोब एविएशन ने बताया है कि सालाना आधार पर उसका फ्यूल एक्सपेंस बढ़कर 3,220.60 करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 1,914.50 करोड़ रुपये था। 31 मार्च 2022 को खत्म तिमाही में इंटरग्लोब एविएशन के पास 275 एयरक्राफ्ट थे, जिनमें से 261 एयरक्राफ्ट ऑपरेटिंग लीज पर थे, जबकि 14 एयरक्राफ्ट ओन्ड या फाइनेंस लीज पर थे। वहीं, 31 दिसंबर 2021 को खत्म तिमाही में कंपनी के पास 283 एयरक्राफ्ट थे।

शक्कर में उठाव, खाद्य तेलों में गिरावट, दलहनों में नरमी, दालें सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में उठाव बढ़ा रहा ।बताई गई। खाद्य तेल नरम रहे। दलहन में ग्राहकी कमी से भाव नीचे हुए। दाल सस्ती बिकी वहीं चावल में खरीदी सुधार लिए बताई गई।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3580 से 3620 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला तथा हल्दी में मांग रही। साबूदाना महंगा बिका।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में पूछपरख सुस्त बताई गई। आज सोयाबीन रिफाइंड में गिरावट दर्ज की गई। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बताई गई इससे भाव बने रहे।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन गिरावट लिए रहे। मसूर, चना सस्ता होकर बिका। दालों में मंदा रहा। चावल में उठाव बना बताया गया।

किराना

शक्कर 3580 से 3620 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 185 से 205 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2100 से 3700 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 115 से 165

रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।
सरसों निमाड़ी 6300 से 6500, रायडा 6200 से 6300 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1600 से 1610, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1545 से 1550, सोयाबीन साल्वेंट 1515 से 1520, पाम तेल 1610 से 1615 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4700 से 4750, मसूर 6700 से 6750, तुअर निमाड़ी 5500 से 5900, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6100 से 6300, तुअर (कर्नाटक) 6400 से 6600, मूंग 6050 से 6150, मूंग हल्की 5500 से 5800, उड़द 6900 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6200, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।
चना दाल 5700 से 6200, तुअर दाल सवा नंबर 8000 से 8100, तुअर दाल फूल 8200 से 8400, तुअर दाल नई 8700 से 9400, आयातित तुअर दाल 7800 से 7900, मसूर दाल 8000 से 8300, मूंग दाल 7950 से 8250, मूंग मोगर 8600 से 8900, उड़द दाल 8200 से 8500, उड़द मोगर 9100 से 9500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1410 से 1420, मैदा 1360 से 1370, आटा 1310 से 1320, चना बेसन 3225 से 3250 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

चौतरफा बिकवाली से गिरा शेयर बाजार

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, रियल्टी, इंडस्ट्रियल्स, कैपिटल गुड्स समेत 17 समूहों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुआ।
बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 303.35 अंक लुढ़ककर 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 53749.26 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 99.35 अंक टूटकर 16025.80 अंक पर रहा। बीएसई का मिडकैप 1.93 प्रतिशत फिसलकर 21,829.06 अंक और स्मॉलकैप 2.94 प्रतिशत की बड़ी गिरावट लेकर 25,123.30 अंक पर आ गया।
इस दौरान बीएसई में कुल 3444 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2611 में बिकवाली जबकि 717 में लिवाली हुई वहीं 116 के भाव स्थिर रहे। इसी तरह एनएसई में 32 कंपनियों ने नुकसान उठाया जबकि शेष

18 में तेजी रही ।बीएसई में बैंकिंग और वित्त समूह की 0.26 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर शेष 17 समूहों में गिरावट रही। इस दौरान बेसिक मैटेरियल्स 2.25, सीडीजीएस 2.47, ऊर्जा 1.34, हेल्थकेयर 1.51, इंडस्ट्रियल्स 2.66, आईटी 3.19, दूरसंचार 1.18, कैपिटल गुड्स 2.44, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.40, धातु 1.41, तेल एवं गैस 1.50, रियल्टी 3.02 और टेक समूह के शेयर 2.39 प्रतिशत गिरे।
वैश्विक बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.63, जर्मनी का डैक्स 0.27, हांगकांग का हैंगसेंग 0.29 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.19 प्रतिशत चढ़ गया जबकि जापान का निक्केई 0.26 प्रतिशत उतर गया।
शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 201 अंक की तेजी के साथ 54,254.07 अंक पर खुला और मजबूत लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 54,379.59 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।
बिकवाली होने से यह दोपहर बाद 53,683.16 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि संभलने की कोशिशों के बावजूद अंत में यह पिछले दिवस के 54,052.61 अंक के मुकाबले 0.56 प्रतिशत टूटकर 53,749.26 अंक पर रहा।
निफ्टी की शुरुआत भी मजबूत रही और यह 71 अंक बढ़कर 16,196.35 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 16,223.35 अंक के उच्चतम जबकि 16,006.95 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,125.15 अंक की तुलना में 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,025.80 अंक पर रहा।
इस दौरान बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स की 18 कंपनियां लुढ़क गई वहीं शेष 12 में लिवाली देखी गई। एशियन पेंट ने सबसे अधिक 8.04 प्रतिशत के गिरावट पर रही जबकि एनटीपीसी के शेयरों में सर्वाधिक 3.84 प्रतिशत की तेजी रही।
नुकसान उठाने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में टीसीएस 3.69, टेक महिंद्रा 3.53, विप्रो 3.30, एलटी 3.09, इंफोसिस 2.06, एचसीएल टेक 1.77, एसबीआई 1.76, टाटा स्टील 0.70, रिलायंस 0.19 और मारुति 0.18 प्रतिशत शामिल हैं।

रामदास बालिगा तोशिबा सॉफ्टवेयर इंडिया के प्रबंध निदेशक नियुक्त

नयी दिल्ली। तोशिबा समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी तोशिबा सॉफ्टवेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने आज श्री रामदास बालिगा को अपना नया प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की।
बालिगा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी), मुंबई से कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम टेक) की डिग्री प्राप्त की है। वह श्री ताकाशी इशिकावा की जगह लेंगे जो चार वर्षों तक तोशिबा सॉफ्टवेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नेतृत्व कर रहे थे। प्रबंध निदेशक के पद पर अपनी नियुक्ति पर बालिगा ने कहा, तोशिबा सॉफ्टवेयर इंडिया वैश्विक स्तर पर तोशिबा समूह के डिजिटल और सॉफ्टवेयर परिवर्तन का एक अहम हिस्सा है। जैसे–जैसे दुनिया तेजी से डिजिटल परिवर्तन की ओर बढ़ रही है, हमारा लक्ष्य तोशिबा के अंदर और उसके बाहर डिजिटल दक्षता को सशक्त बनाना है, और उसको डिजिटल रूप से दक्ष उत्कृष्टता केंद्र में विकसित करना है। तोशिबा के भौतिक प्रणालियों में डिजिटल प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लक्ष्य से उसकी डिलीवरी बहुत अच्छी तरह से जुड़ी हुई है, जहां तोशिबा पहले से ही एक विश्व में अग्रणी है, और साइबर भौतिक प्रणालियों में विश्व का नेतृत्व करती है। बालिगा कंपनी से 2003 में जुड़े। तोशिबा में 18 वर्षों से अधिक अपने कार्यकाल के दौरान श्री बालिगा ने विभिन्न नेतृत्व भूमिकाओं और पदों पर कार्य किया, और भारत और विदेशों में तोशिबा समूह की कंपनियों के लिए आईटी टेक्नोलॉजी और सलूशन को डिजाइन और विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके योगदान के फलस्वरूप ही बेंगलुरु और पुणे में तोशिबा सॉफ्टवेयर विकास केंद्रों को लंबे समय से परिचालन उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में पहचान मिली है। वर्तमान में कंपनी के पास 1000 से अधिक कर्मचारियों की टीम है और अपने तेजी से बढ़ते कस्टमर बेस को उत्कृष्ट सेवा देने हेतु नए टैलेंट को शामिल करने के लिए इच्छुक है।

कोयला मंत्रालय करेगा राष्ट्रीय खनिज सम्मेलन का आयोजन

नयी दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने भुवनेश्वर के अंगुल में राष्ट्रीय खनिज सम्मेलन और जेएसपीएल के कोयला गैसीकरण संयंत्र के क्षेत्र के दौरे की बुधवार को घोषणा की। इसका आयोजन 27–28 मई को होगा जिसमें इस क्षेत्र से जुड़ी 20 से अधिक प्रमुख कंपनियों के विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे।
मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि कोयला सचिव एवं विश्व खनिज सम्मेलन की भारतीय राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन डॉ अनिल कुमार इसका उद्घाटन करेंगे।
सम्मेलन में मुख्य तौर पर खनन में प्रौद्योगिकी को अपनाने, एल्यूमिनियम एवं इस्पात क्षेत्र की चुनौतियों, कोयले से हाइड्रोजन का रोडमैप तैयार करने और कोल गैसीकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।
इस सम्मेलन में कोयला गैसीकरण क्षेत्र के विशेषज्ञ जैसे जेएसपीएल के चेयरमैन नवीन जिंदल, सीआईएल और एनएलसीआईएल के निदेशक पैनल चर्चा का हिस्सा होंगे। इसमें बीएचईएल, ईआईएल, सीआईएमएफआर, एयर प्रोडक्ट्स के प्रतिनिधि भी जुड़ेगे।
सम्मेलन में सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियां, बीएचईएल, एससीसीएल, एनएलसीआईएल, हिंडल्को, वेदांता, एचसीएल, नाल्को, टाटा स्टील, जेएसपीएल, ईपीआईआरओसी, गेनवैल, ईआईएल, एसटीएम कंस्ट्रक्शन्स, सायनाटा बायो, एयर प्रोडक्ट्स और अन्य कंपनियों के विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे।
अंगुल में कोयला गैसीकरण संयंत्र का दौरा 28 मई, 2022 को होगा और इससे भारत में कोयला गैसीकरण संयंत्रों की स्थापना में लगे पेशेवरों को गैसीकरण संयंत्र के कामकाज के बारे में प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलने की उम्मीद है।

हवा से पेयजल बनाने के लिए एसएमवी जयपुरिया ग्रुप का इजरायली कंपनी से करार

नयी दिल्ली। इजरायली कंपनी वाटरजेन की हवा से पेयजल बनाने की पेटेंटेड तकनीक को भारत में लाने के लिए एसएमवी जयपुरिया ग्रुप ने आज करार करते हुये रणनीतिक संयुक्त उपक्रम बनाने की घोषणा की है।
इस साझेदारी से दोनों ही कंपनियां भारत में एटमॉस्फेरिक वाटर जेनरेटर (एडब्ल्यूजी) प्रोडक्ट को पेश करेंगी – जो कि हर तरफ की एम्बिएंट वायु से एक उच्च गुणवत्ता वाली, खनिजयुक्त, सुरक्षित पेयजल तैयार करता है। इसके अतिरिक्त सरकार के मेक इन इंडिया विजन का समर्थन करते हुये रोजगार के अवसर भी सृजित किये जायेंगे। कंपनी की योजना एक वर्ष के भीतर भारत में विनिर्माण शुरू करने की है।
कंपनी ने अपने वाटरजेन प्रोडक्ट की विस्तृत श्रृंखला का भी प्रदर्शन किया, जिसमें जेन्नी, जेन–एम 1, जेन–एम प्रो और जेन–एल शामिल है, जिनकी क्षमता 30 लीटर से लेकर 6,000 लीटर प्रतिदिन तक है। इनकी शुरूआती कीमत 2.5 लाख रुपये होने का अनुमान है। यह प्रोडक्ट स्कूलों,अस्पतालों, पार्कों, रिसॉर्ट्स, निर्माण स्थलों, अस्थायी इलाकों, गांवों, आवासीय भवनों, घरों, कार्यालयों और ऐसी किसी भी अन्य जगह के लिए जहां पर पीने के पानी की आवश्यकता होती है, वहां के लिए उपयोगी साबित होंगे। इसकी प्लग एंड प्ले टेक्नोलॉजी को एक स्टैंडर्ड बिजली कनेक्शन या किसी भी वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत का उपयोग कर चालू किया जा सकता है। इसके दुनिया भर में 90 से अधिक देशों में मौजूद उपकरणों के साथ, वाटरजेन बुनियादी ढांचे, पानी के परिवहन और इसके आवागमन की आवश्यकता को समाप्त कर देता है, जो कि अंततः प्लास्टिक वेस्ट को कम करने के साथ साथ कार्बन–इंटेंसिव वाटर सप्लाई सिस्टम को भी समाप्त करता है।
वाटरजेन इंडिया के सीईओ माया मुला ने कहा,वाटरजेन में, हम इनोवेटिव टेक्नोलॉजी में विश्वास करते हैं जोकि हमारे उपभोक्ताओं के जीवन को सरल और बेहद सुविधाजनक बनाती है। भारत हमेशा से ही हमारे हमारे शीर्ष तीन रणनीतिक बाजारों में से एक रहा है तथा अपने पार्टनर के साथ मिलकर, अब हम भौगोलिक और जनसांख्यिकी में प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक सुरक्षित खनिजयुक्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही अपनी पेटेंटेड जीनियस टेक्नोलॉजी के जरिए अब हम भारत में बेहतर गुणवत्ता वाले पानी की बढ़ती औद्योगिक और उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।
एसएमवी जयपुरिया ग्रुप के निदेशक चैतन्य जयपुरिया ने कहा, जैसा कि भारत में बढ़ती आबादी स्वच्छ, प्राकृतिक पानी तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रही है, ऐसे में हमारे पार्टनर – वाटरजेन जो कि एक इनोवेटिव टेक्नोलॉजी लेकर आयें है वास्तव में एक गेम–चेंजिंग सोल्युशन पेश कर सकती है। यह संयुक्त उद्यम भारत के लोगों को जीवित रहने के लिए सबसे आवश्यक जरुरत यानी पानी तक पहुंच को सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वाटरजेन के साथ मिलकर, हम सबसे दूरस्थ ग्रामीण समुदायों से लेकर कमर्शियल ऑफिस बिल्डिंग और निजी घरों तक के लोगों के लिए सुरक्षित और उच्चतम गुणवत्ता वाला पेयजल उपलब्ध कराने में सक्षम होंगे।

ग्रेटा इलेक्ट्रिक स्कूटर्स ने पेश की हारपर जेडएक्स सीरीज-1

नयी दिल्ली। ग्रेटा इलेक्ट्रिक स्कूटर्स ने बुधवार को अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर ग्रेटा हार्पर जेडएक्स सीरीज–1 को पेश किया। इसमें ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार बैटरी की क्षमता और चार्जर का चुनाव कर सकते हैं।
कंपनी ने बयान में कहा कि हार्पर जेडएक्स सीरीज–1 के स्कूटरों की शुरुआती कीमत (एक्स–शोरूम) 41,999 रुपये है।
उन्होंने बताया कि यह स्कूटर पांच घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाता है और डैश चार्जर के साथ इसे 80 प्रतिशत तक चार्ज होने में तीन घंटे का समय लगता है। ग्रेटा हार्पर जेडएक्स सीरीज–आई रिवर्स ड्राइव मोड, 3–स्पीड ड्राइव मोड, डिजिटल एलईडी के साथ बेहतर डिस्पले और बिना चाबी के चालू होने जैसे फीचर्स हैं।
इसमें आगे समान रखने की बड़ी जगह, डिज़ाइनर लाइट कंसोल, रियर टेल लैंप कंसोल, पैर रखने की ज्यादा जगह, फाइंड माई व्हीकल अलार्म, और एक यूएसबी पोर्ट (2.0 यूएसबी) मौजूद है।
इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को छह कलर ऑप्शन ग्रीन, जेट ब्लैक, ग्लॉसी ग्रे, मैजेस्टिक मैजेंटा, ट्रू ब्लू और कैंडी व्हाइट के साथ बाजार में उतारा गया है। ग्रेटा हार्पर स्कूटर में इको, सिटी और टर्बो जैसे तीन तरह के मोड है। जिसमें स्कूटर पूरा चार्ज होने पर इको मोड में 100 किलोमीटर, सिटी मोड में 80 किलोमीटर और टर्बो मोड में 70 किलोमीटर तक चल सकता है।
कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को चिंता मुक्त यात्रा का अनुभव देने के लिए बैटरी पर तीन साल की वारंटी मिलेगी। ग्राहक एक बार चार्ज में 60 किलोमीटर या 100 किलोमीटर तक क्षमता वाली बैटरी के विकल्पों में से चुनाव कर सकते हैं। नए स्कूटर के लिए 2000 रुपये की टोकन राशि से बुकिंग शुरू हो गई है। कंपनी का कहना है कि बुकिंग सीक्वेंस के अनुसार स्कूटर की डिलीवरी 45–75 दिनों के अंदर होगी।
ग्रेटा इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के संस्थापक राज मेहता ने कहा, हमारा लगातार प्रयास है कि हम बाजार में गुणवत्ता और फीचर्स वाले उत्पाद लाएं। इसके साथ हम इस दिशा में आगे बढ़े हैं बल्कि हम किफायती कीमतों पर उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इसके साथ अधिक से अधिक ग्राहक विद्युत वाहन (ईवी) को खरीदेंगे और इसमें जोड़े गए फीचर्स से ग्राहकों को चिंता मुक्त यात्रा के लिए ईवी को अपनाने का आत्मविश्वास मिलेगा।

एडब्ल्यूएस ने 20 लाख से अधिक लोगों को किया क्लाउड कंप्यूटिंग में प्रशिक्षित

नयी दिल्ली। इनोवेशन पर अत्यधिक जोर दिये जाने से क्लाउड कंप्यूटिंग में प्रशिक्षित लोगों की आवश्यकता बढ़ने लगी है और इसलिए यहां पर क्लाउड कौशल कार्यबल में प्रशिक्षण की अत्यधिक आवश्यकता है। क्लाउड कंप्यूटिंग में गति को बनाए रखने के लिए, डिजिटल कौशल युक्त तकनीकी प्रोफेशनल की आवश्यकता है जिससे इस क्षेत्र को प्रासंगिक बनाए रखा जा सके। एमेज़ॉन वेब सर्विसेज इंक (एडब्ल्यूएस) ने अल्फाबीटा से प्राप्त बिल्डिंग डिजिटल स्किल्स फॉर द चेंजिंग वर्कफोर्स नामक शोध रिपोर्ट में पाया कि 2025 तक भारत में 63 प्रतिशत कामगार को अपने करियर में प्रगति के लिए क्लाउड–संबंधित कौशल में प्रशिक्षण की आवश्यकता महसूस होगी। इतना ही नहीं, रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि 2025 तक शीर्ष पांच सबसे अधिक मांग वाले डिजिटल कौशल में से तीन क्लाउड से संबंधित होंगे। डिजिटल रूप से कुशल वर्करों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, भारत के वर्तमान कार्यबल को शिक्षित करने की आवश्यकता है। एडब्ल्यूएस ने आज यहां जारी बयान में कहा कि 2017 से लेकर अब तक उसने भारत में 20 लाख से अधिक लोगों को क्लाउड कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया है और क्लाउड कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी में जरूरी क्लाउड कौशल में प्रशिक्षित कार्य बल प्रदान कर एक मील का पत्थर तक पहुंच गया है। एडब्ल्यूएस के एशिया पेसिफिक एंड जापान कमर्शियल सेल्स के प्रबंध निदेशक फिल डेविस ने कहा मुझे गर्व है कि एडब्ल्यूएस ने भारत में 20 लाख से अधिक लोगों को क्लाउड कौशल में प्रशिक्षण प्रदान किया है, और हम स्वीकार करते हैं कि भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग में अभी और भी ज्यादा काम करने की जरूरत है ताकि हम भारत का डिजिटल भविष्य सुरक्षित कर सकें। क्लाउड कंप्यूटिंग में दक्ष कार्य बल तैयार करने के लिए, सरकारों, प्रशिक्षण प्रदाताओं और नियोक्ताओं को आसान एवं टारगेटेड कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। हमारा लक्ष्य लोगों की सहायता तब तक करना है जब तक कि वह क्लाउड कंप्यूटिंग में शुरुआत करके एक अनुभवी आईटी प्रोफेशनल में नहीं बदल जाते हैं, हम चाहते हैं कि भारत में लोग क्लाउड कंप्यूटिंग कौशल हासिल करें और डिजिटल कौशल के इस अंतर को कम करने में सहायता करने के लिए हम उद्योग और सरकारों के साथ सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इनफिनिटी लर्न ने एक करोड़ डॉलर में किया विजक्लब का अधिग्रहण

एजेंसी

नयी दिल्ली। शिक्षण समूह श्री चैतन्य के समर्थन प्राप्त एजटेक कंपनी इनफिनिटी लर्न ने विजक्लब का एक करोड़ डॉलर में अधिग्रहण करते हुये एक और नए क्षेत्र इनफिनिटी फ्यूचर्स में प्रवेश करने की घोषणा की है।
कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि ये बच्चों के संपूर्ण रूप से संज्ञानात्मक विकास में मदद करने वाला एक संपूर्ण एजटेक स्टार्टअप है। यह स्टार्टअप अपनी एचओटीएस (हायर ऑर्डर थिंकिंग स्किल्स) और स्मार्टटेक प्रोग्राम से 6–14 साल के स्कूली बच्चों की प्रतिभा को निखारता और संवारता है और उनमें बेहतरीन शैक्षिक गुणवत्ता विकसित करता है। यह इनफिनिटी लर्न के संचालन के प्रथम वर्ष में किया गया तीसरा अधिग्रहण है। इससे पहले इनफिनिटी लर्न ने शिक्षक समुदाय के एक डिजिटल प्लेटफॉर्म टीचर का अधिग्रहण किया था।
इसके बाद इनफनिटी लर्न ने अवधारणा पर आधारित कंटेंट प्लेटफॉर्म डोंट मेमोराइज को अधिगृहित किया था।
इनफिनिटी लर्न को उम्मीद है कि अगले 24 महीने में 10 लाख छोटे बच्चे कई सालों के अपने शैक्षिक सफर के लिए इनफिनिटी फ्यूचर्स से जुड़ेंगे। कंपनी की योजना फ्यूचर्स को विजक्लब के ऑफर के माध्यम से अंग्रेजी–भाषी देशों तक ले जाने की है। उसने कहा कि इस बात से अब ज्यादातर लोग भली–भाँति परिचित हो चुके हैं कि आने वाले दशक में सफल होने के लिए स्कूल के सिलेबस के अलावा कई अन्य तरह के कौशल में दक्ष होने की जरूरत पड़ेगी। भविष्य के कौशल की श्रेणी तेजी से बढ़ रही है। इनफिनिटी फ्यूचर्स का लक्ष्य अपनी इनफिनिटी लर्न के ऑफरों को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा देना है। इसमें 12वी कक्षा तक के छात्रों को जरूरी कौशल से दक्ष करने के मौके उपलब्ध कराए जाएंगे।
कंपनी इसके तहत बच्चों को बेसिक और फाउंडेशनल स्किल्स से भी परिचित कराएगी, जिसकी इस सदी के बच्चों को भविष्य में अपने करियर में सफल होने के लिए जरूरत पड़ेगी। इससे छात्रों के कौशल को हॉट्स यानी उच्च स्तरीय चिंतन कौशल के माध्यम से निखारा जाएगा।

नई दिल्ली
गुरुवार 26 मई 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

आईओए अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ेंगे नरेंद्र बत्रा

नयी दिल्ली। भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र ध्रुव बत्रा आईओए के अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने बुधवार को यह घोषणा की। बत्रा ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, ऐसे समय में जब विश्व हॉकी एक आवश्यक विकास के दौर से गुजर रही है, हॉकी 5 के प्रचार, एफआईएच हॉकी नेशंस कप के रूप में इस साल एक नई प्रतियोगिता के निर्माण और प्रशंसकों को आकर्षित करने वाले प्लेटफार्मों और गतिविधियों की शुरुआत के साथ, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष के रूप में मेरी ज़िम्मेदारी बढ़ जाती है। इसलिये मैंने इस साल भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष का चुनाव न लड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि समय आ गया है कि मैं इस भूमिका को किसी ऐसे व्यक्ति पर छोड़ दूं जो नए दिमाग और नए विचारों के साथ भारतीय खेलों को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाए और साथ ही भारत में 2036 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के लिए काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाए। बत्रा ने कहा कि आईओए के अध्यक्ष के रूप में काम करना उनके लिये सौभाग्य की बात थी और वह सिर्फ भारतीय खेलों की बेहतरी के लिये काम करते आए हैं। उन्होंने अपने पिछले चार साल के कार्यकाल में उनका समर्थन करने के लिये अपने साथियों का शुक्रिया किया और अपने उत्तराधिकारी सहित भारत के पूरे खेल परिवार को भविष्य के लिये शुभकामनाएं दीं।

प्रियम गर्ग के शानदार शतक से रजनीगंधा अचीवर की शानदार जीत

नयी दिल्ली। किमती मैन ऑफ द मैच हैदराबाद रणजी ट्रॉफी और आईपीएल खिलाड़ी प्रियम गर्ग के शानदार शतक (134 रन, सिर्फ 123 गेंद, 13/4, 7/6), सोहराब धालीवाल (36),बादल सिंह बाल्यान (32),राहुल शर्मा (4/32),शिवम सिंह (2/49) के शानदार खेल की बदौलत रजनीगंधा अचीवर ने मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड ग्राउंड में खेले जा रहे 45वें रघुबीर सिंह हॉट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट में रण स्टार क्रिकेट क्लब को 62 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पराजित टीम की और से विवरंत ने शानदार शतक (105 रन, सिर्फ 66 गेंद, 11/4, 5/6) और 3 विकेट 68 रन देकर लिए। मैच का किमती मैन ऑफ द मैच पुरस्कार प्रियम गर्ग को नवीन चोपड़ा ने दिया। संक्षिप्त स्कोर-रजनीगंधा अचीवर-40 ओवर में 307 ऑल आउट (प्रियम गर्ग 134, सोहराब धालीवाल 36, बादल सिंह बाल्यान 32, दीपक पुनिया 3/66, विवरंत 3/68), रण स्टार क्रिकेट क्लब -245 रन 37.3 ओवर में ऑलआउट (विवरंत 105, नितिन सिंह 48, राहुल शर्मा 4/32, शिवम सिंह 2/49)

क्रिकेट छोड़ अब क्रिकेट कायक्रम होस्ट करेंगे आमिर

कोलकाता। रवि शास्त्री को अपने 'फुटवर्क' और राजस्थान रॉयल्स को अपनी 'बल्लेबाज़ी' से खुश करने वाले आमिर ख़ान समय आने पर प्रदर्शन नहीं कर पाये। स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट लाइव में हरभजन सिंह और इरफ़ान पठान के साथ हुए एक क्रिकेट सत्र में आमिर को पता चला कि अभी वह क्रिकेट की कला नहीं सीख पाये हैं। इससे पहले क्रिकेट लाइव में इरफ़ान और हरभजन ने आमिर का वह वीडियो देखा जिसमें वह क्रिकेट खेल रहे थे। वीडियो देखकर दोनों ने आमिर को सलाह दी कि उन्हें क्रिकेट छोड़ एक्टिंग पर ही ध्यान देना चाहिये। जब क्रिकेट लाइव पर आमिर का हरभजन और इरफ़ान से सामना हुआ तो वह पहले तो इरफ़ान की पहली बॉल पर क्लीन बोल्ड हो गये, और उसके बाद जब वह गेंदबाज़ी करने उतरे तो हरभजन ने उनकी गेंद पर ज़ोरदार छक्का जड़ दिया। आमिर को आखिरकार क्रिकेटर बनने का ख्वाब छोड़ना पड़ा, और दोनों पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें सलाह दी कि उन्हें किसी कार्यक्रम में होस्ट का पेशा अपना लेना चाहिये। अब आमिर स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव का एक विशेष कार्यक्रम होस्ट करेंगे और 'मिस्टर परफ़ेक्शनिस्ट' के प्रशंसक उन्हें 28 मई को स्टार स्पोर्ट्स पर देख सकते हैं।

2007-08 में मैं अनिल कुंबले के भरोसे पर खरा उतरना चाहता था : सहवाग

नयी दिल्ली। 2007 में भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद वापसी करने पर वीरेंद्र सहवाग ने इस बात का श्रेय 2007 से 2008 में कप्तान रहे अनिल कुंबले को दिया। साथ ही सहवाग के अनुसार 2008 में ऑस्ट्रेलिया में हुए विवाद के बाद हरभजन सिंह के करियर को बचाने में भी कुंबले का बहुत बड़ा हाथ था। स्पोर्ट्स18 पर सहवाग ने बताया कि जब उन्होंने जनवरी 2007 में अपना 52वां टेस्ट खेला तब उन्हें अंदाज़ा नहीं था कि अगले टेस्ट तक उन्हें एक साल का इंतज़ार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, अचानक से टेस्ट टीम का हिस्सा ना बनना मेरे लिए दु:खदाई बात थी। मुझे उस समय ड्रॉप नहीं किया गया होता तो मैं 10,000 से अधिक टेस्ट रन बना सकता था। जब भारत 2007-08 में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो रहा था तब सहवाग को टीम में शामिल करने पर कुंबले पर कुछ सवाल ज़रूर उठे थे। उन्होंने पहले दो टेस्ट मैच भी नहीं खेले लेकिन उसके बाद पर्थ टेस्ट से पहले कैनबरा में एक अभ्यास मैच था जहां कुंबले ने सहवाग के सामने यह प्रस्ताव रखा कि अगर वह उस मैच में 50 बनाते हैं तो उन्हें पर्थ टेस्ट में चुना जाएगा। सहवाग ने इस अभ्यास मैच में लंच से पहले ही शतक दे मारा। कुंबले ने शर्तानुसार सहवाग को पर्थ टेस्ट में रखा हालांकि उन्होंने एडिलेड में आखिरी टेस्ट में 63 और 151 रनों की पारियां खेली।

गुजरात टाइटंस में मुझे सभी का समर्थन और खेलने का मौक़ा मिला : डेविड मिलर

कोलकाता। डेविड मिलर टी20 क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते चले आ रहे हैं। एक ऐसे फ़िनिशर की भूमिका जो गेंदबाज़ी ही नहीं करता। इस शैली के खिलाड़ियों को सफलता से अधिक निराशा हाथ लगती है। आपको विश्लेषकों को प्रभावित करने वाले बड़े रन बनाने का मौक़ा नहीं मिलता है। और तो और अगर आप विदेशी लीग में खेलते हैं, तो एकादश में स्थान बनाना कठिन हो जाता है। मिलर ने अपने पूरे करियर और विशेष रूप से अपनी पिछली फ़्रैंचाइज़ी में, जिसे हराकर उन्होंने आईपीएल 2022 के फ़ाइनल में जगह बनाई, इस बात को क़रीब से देखा है। इस सीज़न की शुरुआत से पहले मिलर ने क्रिकइंफ़ो के मैट रोलर को बताया था कि एक मुश्किल रोल में लगातार नहीं खेल पाना कितना निराशाजनक था। दक्षिण अफ़्रीका के इस बल्लेबाज़ ने कहा था, (लगातार नहीं खेल पाना) निराशाजनक था। राजस्थान के पास अपने चार बड़े विदेशी खिलाड़ी हैं और वह उन्हीं पर टिके रहना चाहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में लगातार नहीं खेल पाना मेरे लिए हताश करने वाला था। समय के साथ मैंने सीखा है कि टीम से बाहर होने पर मुंह फुलाने से अच्छा है कि मैं अपने खेल पर काम करूं। बात टीम के इर्द-गिर्द सकारात्मक रहने की है। मैं नई टीम (गुजरात टाइटंस) को लेकर काफ़ी उत्साहित हूं। यह एक नई शुरुआत है और मैं वहां अपनी छाप छोड़ना चाहता हूं।

इंडियन ओपन सर्फिंग के तीसरे संस्करण में शीर्ष सर्फर्स भाग लेंगें

मंगलुरु। देश भर के 70 से अधिक शीर्ष सर्फर्स इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग 2022 के तीसरे संस्करण में प्रतिस्पर्धा करते दिखाई देंगें। 3 दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन भारत के सर्फिंग फेडरेशन द्वारा किया जा रहा है और जो मैंगलोर के पनामबुर बीच (तट) पर 27 से 29 मई, 2022 तक मंत्रा सर्फ क्लब द्वारा आयोजित की जाएगी। भारत की यह प्रमुख सर्फिंग प्रतियोगिता, अंतर्राष्ट्रीय सर्फिंग एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त है। गत चैंपियन डी मणिकंदन और सृष्टि सेल्वम भी अपने खिताब को बचाने के लिए प्रतियोगिता में लड़ते नज़र आएंगें। एसएफआई के अध्यक्ष अरुण वासु ने कहा, इंडियन ओपन का यह संस्करण पिछली प्रतियोगिताओं के प्रदर्शन के आधार पर एक संरचित प्रतियोगिता होने पर अधिक केंद्रित होगा। यह देखना उत्साहजनक है कि इस संस्करण में भागीदारी सिर्फ एक स्थान से नहीं हैं बल्कि पूरे देश से सरफर्स इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं।

लखनऊ के ख़िलाफ़ एलिमिनेटर के लिए फ़िट हुए हर्षल पटेल

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के एलिमिनेटर मुक़ाबले से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विशेषज्ञ डेथ गेंदबाज़ हर्षल पटेल फ़िट हो गए हैं। इससे उनके ख़ेमे ने राहत की सांस ज़रूर ली होगी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा जारी किए गए एक वीडियो में हर्षल ने मैच से एक दिन पहले कहा, मेरा हाथ अब ठीक है। टांके खुल चुके हैं और उन्होंने मेरे हाथ पर पट्टी लगाई है। गेंदबाज़ी के दौरान सब सही रहा। 24 घंटों के आराम के बाद मैं मैच खेलने के लिए तैयार रहूंगा।

हर्षल को गुजरात टाइटंस के विरुद्ध बेंगलुरु के अंतिम मैच के दौरान फ़ील्डिंग करते हुए दाएं हाथ में चोट लगी थी। उनके हाथ से खून बह रहा था और वह मैदान से बाहर चले गए थे।

इसके बाद वह गेंदबाज़ी करने के लिए मैदान पर नहीं उतरे और प्लेऑफ़ में उनके शामिल होने पर सवालिया निशान उठ खड़े हुए थे। हालांकि इन सभी सवालों को खारिज करते हुए हर्षल ने बताया कि वह लखनऊ सुपर जायंट्स के विरुद्ध मैच खेलने को तैयार हैं।

31 वर्षीय हर्षल आरसीबी के प्रमुख गेंदबाज़ों में से एक हैं। 2021 में उन्हें ट्रेड करते हुए दिल्ली कैपिटल्स से ख़रीदा गया था।

बेंगलुरु द्वारा दिखाए गए भरोसे पर खरे उतरते हुए हर्षल ने दो सीज़नों में 50 विकेट अपने नाम किए हैं। पिछले सीज़न पर्पल कैप अपने नाम करने के साथ-साथ वह प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट भी रहे थे।

बेंगलुरु के क्रिकेट निदेशक माइक हेसन हर्षल के अनुभव और उनके कौशल का मोल जानते हैं। आरसीबी के बोल्ड डायरीज़ वीडियो पर हेसन ने कहा, हर्षल ने अपनी उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन किया है। वह दबाव बनाते हैं और विकेट झटकते हैं। उन्हें डेथ ओवरों में गेंदबाज़ी करना पसंद है जो हर कोई नहीं कर सकता।

क्या लखनऊ के विरुद्ध करो या मरो वाले मैच में टीम के खेलने के अंदाज़ में कोई बदलाव आएगा?

हर्षल को ऐसा नहीं लगता है। उन्होंने कहा, हम उसी तरह तैयारी करेंगे जैसी हमने पिछले 14 मैचों के दौरान की थी। प्लेऑफ़ मैच होने का यह मतलब नहीं है कि आप कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। हमारी प्रक्रियाएं और तैयारी एक समान रहेगी। यह लगातार तीसरा सीज़न है जब बेंगलुरु ने प्लेऑफ़ में जगह बनाई है। पिछले दोनों सीज़नों में एलिमिनेटर में हार झेलने के बाद इस साल टीम अंत तक जाना चाहेगी।

इस बार तो भाग्य का साथ भी इस टीम को मिला जब मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर बेंगलुरु को प्लेऑफ़ का टिकट दिलाया।

हर्षल ने कहा, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच ने टीम में उत्साह और जोश भर दिया है। हम मंज़िल की तरफ़ एक-एक क़दम बढ़ाएंगे। मुझे उम्मीद हैं कि हम कुछ स्पेशल कर दिखाएंगे।

विलियमसन और पोलार्ड के लिए यह आईपीएल उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा

मुम्बई। आईपीएल का हर सीज़न कुछ न कुछ मुश्किलें लेकर आता है लेकिन इस बार इस सीज़न में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। सनराइज़र्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन और मुम्बई इंडियंस के आल राउंडर कीरोन पोलार्ड के लिए यह आईपीएल उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा।

विलियम्सन इस सीज़न महज़ 19 के औसत और 93.5 के स्ट्राइक रेट से 216 रन ही बना पाए। जो कि बतौर सलामी बल्लेबाज़ यह आईपीएल के किसी भी सीज़न में न्यूनतम है, वहीं आईपीएल के तमाम सीज़न में यह किसी भी ऐसे बल्लेबाज़ जिसने कम से कम 150 गेंदों का सामना किया हो, यह चौथा सबसे कम है।

इंपैक्ट एक ऐसा स्मार्ट स्टैट है जो यह समझाने में मदद करता है कि किसी एक खिलाड़ी के प्रदर्शन ने किस हद तक खेल के नतीजे को प्रभावित किया।

इसकी गणना एक एल्गोरिथम के आधार पर की जाती है जो कि पारी की प्रत्येक गेंद पर बल्लेबाज़ और गेंदबाज़ के ऊपर पड़े दबाव को मापता है।

आईपीएल 2022 में विलियमसन का इंपैक्ट 38.64 रहा जो कि कम से कम 100 गेंदों का सामना करने वाले किसी भी विशेषज्ञ बल्लेबाज़ का सबसे ख़राब रहा। प्रति गेंद उनका इंपैक्ट -0.167 का रहा, जो कि एक और सर्वकालिक कम है।

विलियमसन बतौर सलामी बल्लेबाज़ उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए, जिस वजह से मुंबई इंडियंस के ख़िलाफ़ खेले गए महत्वपूर्ण मुक़ाबले में उन्हें बल्लेबाज़ी क्रम में नीचे भेजा गया। हालांकि इसके बावजूद हैदराबाद के लिए यह सीज़न काफ़ी हद तक अच्छा रहा। पहले पांच मुक़ाबले में उन्होंने पांच मैचों में जीत हासिल की लेकिन आख़िरी सात मुक़ाबलों में से वह सिर्फ़ छह मुक़ाबले में ही जीत हासिल कर पाए।

मुंबई के हरफ़नमौला खिलाड़ी पोलार्ड के लिए भी यह सीजन उतना अच्छा नहीं रहा, उनके प्रदर्शन से टीम का प्रदर्शन भी काफ़ी हद तक प्रभावित रहा। विलियमसन के बाद दूसरा सबसे न्यूनतम इंपैक्ट (59.42) पोलार्ड का ही रहा।

एएफसी अंडर-17 के ग्रुप-डी, अंडर-20 के ग्रुप-एच में भारत को जगह

कोलकाता। भारत को इस साल के अंत में होने वाले एएफसी अंडर-17 और अंडर-20 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप डी और ग्रुप एच में जगह मिली है। एएफसी अंडर-17 चैम्पियनशिप क्वालिफायर में बिबियानो फर्नांडीस द्वारा प्रशिक्षित भारत की अंडर-17 पुरुष टीम मालदीव, कुवैत, म्यांमार और मेजबान सऊदी अरब से अक्टूबर में सऊदी अरब के दम्माम में भिड़ेगी। षणमुगम वेंकटेश द्वारा प्रशिक्षित भारत अंडर-20 पुरुष टीम सितंबर में बसरा, इराक में मेजबान इराक, ऑस्ट्रेलिया और कुवैत से भिड़ेगी। दोनों ही प्रतियोगिताओं में ग्रुप टॉपर्स और दूसरे स्थान पर रहने वाली पांच सर्वश्रेष्ठ टीमें 2023 में बहरीन और उज्बेकिस्तान में होने वाले एएफसी अंडर-17 और एएफसी अंडर-20 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

बेंगलुरु के खिलाफ होगी राहुल की असली परीक्षा : कैफ

मुम्बई। भारत के पूर्व बल्लेबाज़ मोहम्मद कैफ़ का मानना है कि लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान केएल राहुल की फॉर्म की असली परीक्षा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में होगी। लखनऊ और बेंगलुरु बुधवार को ईडन गार्डन में आईपीएल 2022 एलिमिनेटर में एक दूसरे का सामना करेंगे।

राहुल ने आईपीएल 2022 में दो शतक और तीन अर्धशतक की बदौलत 48.82 की औसत से 537 रन बनाए हैं। राहुल ने इस सीज़न में बेहतरीन बल्लेबाज़ी की है मगर उनके सभी शतक और अर्धशतक पहली पारी में आये हैं। कैफ़ ने राहुल की बल्लेबाज़ी का विश्लेषण करते हुए कहा, मेरे हिसाब से केएल राहुल कप्तानी पारी खेलना चाहते हैं और वह अपने ऊपर बहुत ज़्यादा दबाव ले लेते हैं। अगर आप फॉर्म में हैं तो आपको लक्ष्य का पीछा करते हुए भी वैसे ही बल्लेबाज़ी करनी चाहिये जैसी आप पहले बल्लेबाज़ी के दौरान हुए करते हैं। डि कॉक आपके साथ खेल रहे हैं और उनका काम आक्रामक खेल दिखाना है, लेकिन आपका काम आखिरी ओवर तक खेलना है। राहुल चेज़ करते हुए दबाव में दिखते हैं। इस वजह से कई बार आउट भी हुए हैं, लेकिन वह एक शानदार बल्लेबाज़ हैं। उनके पास फॉर्म है, संयम है और वह अंत तक खेलना जानते हैं। वह हर दिशा में शॉट मार सकते हैं। वह भले ही शुरू में समय लेते हैं लेकिन उन्हें मैच ख़त्म करना आता है। कैफ़ ने कहा कि आज के मैच में लखनऊ की जीत उनके कप्तान पर निर्भर करेगी।

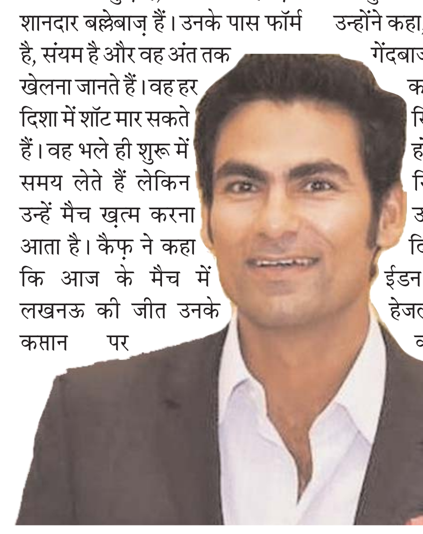

सुपरजायंट्स के पास कई ऑलराउंडर हैं, जिससे उन्हें बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी में गहराई उपलब्ध हो जाती है। इसपर चर्चा करते हुए कैफ़ ने कहा कि इसी कारण से लखनऊ की गेंदबाज़ी बेंगलुरु से बेहतर है।

उन्होंने कहा, मूल रूप से, लखनऊ की गेंदबाजी बेहतर है और आरसीबी काफी कमजोर है। मोहम्मद सिराज पिछले मैच में बाहर हो गए और उनकी जगह सिद्धार्थ कौल आए और उन्होंने 4 ओवर में 40 रन दिए, जो काफी महंगा है। ईडन गार्डन्स की पिच पर हेजलवुड के अलावा आरसीबी की गेंदबाजी काफी कमजोर है।

गिरफ्तार होंगे इमरान खान, पाकिस्तान सरकार बोली- और कोई विकल्प नहीं

नई दिल्ली। आखिरकार पाकिस्तान की राजनीति में वही हुआ जिसका अंदेशा राजनीतिक विश्लेषक तब से लगा रहे थे जब इमरान खान सत्ता से बाहर हुए थे। सत्ता से बाहर आते ही इमरान ने शाहबाज शरीफ की नवेली सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और आजादी मार्च का ऐलान करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। लेकिन अब शाहबाज सरकार भी आर-पार के मूड में है। पाकिस्तान सरकार ने कहा है कि उसने इमरान खान और उनकी पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं को बुधवार को पेशावर से इस्लामाबाद जाते हुए हिरासत में लेने का फैसला किया है।

इमरान के आह्वान के बाद जुटे समर्थक

दरअसल, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने ऐलान किया था वे आजादी मार्च निकालेंगे और इसके बाद लाहौर में आजादी मार्च के लिए पीटीआई के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्र हुए। पीटीआई की लाहौर इकाई ने अपने कार्यकर्ताओं को बत्ती चौक पर इकट्ठा होने के लिए कहा था, जहां से उन्हें इस्लामाबाद के लिए प्रस्थान करना था। इस बीच पूर्व संघीय मंत्री हम्माद अजहर ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि वह बत्ती चौक पहुंच गए हैं।

प्रदर्शन को देखते हुए सख्त हुई सरकार

उधर बढ़ते जमावड़े को देखते हुए सरकार ने प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी और इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी। पीटीआई कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए लाहौर के सभी प्रवेश और निकास मार्ग को बंद कर दिया गया है, जबकि पार्टी नेताओं के आवासों पर छापे मारे गए हैं, जिसके दौरान सांसद एजाज चौधरी और महमूदुर रशीद को गिरफ्तार किया गया था। लाहौर पुलिस ने दावा किया कि एक स्थानीय पीटीआई नेता के घर पर छापे के दौरान वहां से हथियार बरामद किए गए, जब एक पुलिस दल ने प्रांतीय राजधानी में उनके आवास पर छापा मारा।

पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

लाहौर के बत्ती चौक पर एकत्र पीटीआई कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेटिंग की थी लेकिन कार्यकर्ताओं की भीड जब बेरिकेटिंग को तोड़ती हुई आगे बढ़ी तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

इमरान खान को गिरफ्तार करने का फैसला

जब हालत बेकाबू हुई तो अधिकारियों ने एजेंसियों के बैठक में यह फैसला लिया कि इमरान खान को गिरफ्तार किया जाएगा। बताया जा रहा है कि लंबे मार्च के दौरान उन्हें गिरफ्तार करना एक असंभव कार्य प्रतीत होता है, फिर भी सरकार के पास संभावित हिंसा को रोकने के लिए उन्हें हिरासत में लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

गिरफ्तारी के बाद बढ़ सकता है टकराव

एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया एजेंसियों की जानकारी के अनुसार पीटीआई कार्यकर्ता कानून प्रवर्तन एजेंसियों के किसी भी प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए अच्छी तरह से तैयार होंगे।

सरकारी एजेंसियां अच्छी तरह से वाकिफ हैं कि ऐसी परिस्थितियों में टकराव संभव है, जिसे टाल पाना मुश्किल होगा। फिलहाल पुलिस और पीटीआई कार्यकर्ताओं के बीच झड़प जारी है।

तुर्की : फिनलैंड, स्वीडन के नोटो सदस्यता पर गुरुवार को करेगा वार्ता

अंकारा। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगन फिनलैंड और स्वीडन के उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल करने के आवेदन पर वार्ता करने के लिए गुरुवार (26 मई) को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई है। अनादोलु समाचार एजेंसी ने कहा कि नाटो में शामिल होने के लिए स्वीडन और फिनलैंड के आवेदनों के अलावा, परिषद उत्तरी इराक में ऑपरेशन क्लॉ-लॉक की प्रगति और पड़ोसी यूनान द्वारा सैन्य संपत्ति के कथित संचय पर वार्ता करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 की शुरुआत के बाद से तुर्की सुरक्षा परिषद की तीसरी बैठक में यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान पर भी चर्चा होगी, जिसमें तुर्की की मध्यस्थता के प्रयासों तथा काला सागर में विकास पर जोर दिया जाएगा। इस वार्ता में एजियन और पूर्वी भूमध्यसागरीय की स्थिति के संबंध में, परिषद तुर्की तथा गैर-मान्यता प्राप्त तुर्की गणराज्य उत्तरी साइप्रस के हितों एवं अधिकारों के संरक्षण पर विस्तार से विचार करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि परिषद तुर्की की दक्षिणी सीमाओं के साथ सुरक्षा क्षेत्र स्थापित करने के कदमों पर भी चर्चा करेगी जिसमें आतंकवाद विरोधी अभियान भी शामिल है। गौरतलब है कि 18 मई को स्वीडन और फ़िनलैंड ने गठबंधन के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग को नाटो सदस्यता के लिए अपने आवेदन प्रस्तुत किए।

अमेरिका को जवाब देते हुए चीन ने ताइवान में सैन्य अभ्यास किया शुरू

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की ताइवान को लेकर की गयी टिप्पणी के जवाब में चीन ने ताइवान के निकट सैन अभ्यास शुरू किया है।सोमवार को जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित क्वाड समूह की बैठक में ताइवान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो अमेरिका सैन्य हस्तक्षेप जरूर करेगा। राष्ट्रपति के इस बयान पर परोक्ष रूप से जवाब देते हुए चीन ने ताइवान के पास सैन्य अभियान की शुरुआत कर दी है। सीजीटीएन ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के पांच थिएटर कमांडो में से एक ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी यी के हवाले से कहा कि पीएलए की ईस्टर्न थिएटर कमांड ने ताइवान के आसपास जल और वायु क्षेत्र में संयुक्त सैन्य अभ्यास की शुरुआत की है, जो अमेरिका को एक तरह से दी गई चेतावनी है। उन्होंने कहा, ताइवान चीन का ही एक हिस्सा है और पीएलए की ईस्टर्न थिएटर कमांड राष्ट्रीय संप्रभुता और इलाके में शांति व स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है।

टेक्सास शूटिंग: 18 बच्चों की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या

वाशिंगटन। अमेरिका में टेक्सास में एक प्राथमिक स्कूल में गोलीबारी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इनमें 18 मासूम बच्चे शामिल हैं। मारे गए अधिकांश बच्चों की उम्र 7 से 10 साल के बीच बताई जा रही है। टेक्सास के गवर्नर ने मंगलवार को यह जानकारी दी। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा कि मंगलवार दोपहर उवाल्डे शहर में एक 18 वर्षीय युवक ने स्कूल में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। लगभग एक दशक पहले, कनेक्टिकट के न्यूटाउन में सैंडी हुक एलीमेंट्री में एक बंदूकधारी ने 20 बच्चों और छह वयस्कों की हत्या कर दी थी। उस घटना के बाद से अमेरिका में यह सबसे बड़ी घटना है जहां बच्चों की मौतों का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

इस तरह की मास शूटिंग दुनिया में कहीं और होती है- बाइडेन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नरसंहार के कुछ घंटे बाद राष्ट्र को संबोधित किया जहां उन्होंने नए बंदूक प्रतिबंधों का आह्वान किया। क्वॉड सम्मेलन के बाद जापान से लौटे राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिका की %गन लॉबी% पर जमकर निशाना साधा। बाइडेन ने कहा, इस तरह की मास शूटिंग दुनिया में कहीं और कम ही होती है। क्यों? दूसरे देशों में मानसिक

स्वास्थ्य की समस्या है, उनके घरेलू विवाद हैं। लेकिन बार-बार इस तरह से वहां गोलीबारी नहीं होती जैसे अमेरिका में होती है। हम इस तरह की मार-काट के बीच क्यों रहना चाहते हैं?

बाइडन ने कहा, अब उन लोगों का भी समय आ गया है जो हथियार के लिए नए कानून की राह में अड़चन डाल रहे हैं। हमें आपको बताने की जरूरत है कि हम ये नहीं भूलेंगे।

हम बहुत कुछ कर सकते हैं और हमें करना होगा। उन्होंने कहा, एक राष्ट्र के रूप में हमें खुद से पूछना होगा, भगवान के लिए हम कब बंदूक लॉबी के सामने खड़े कब खड़े होंगे? हम कब वो काम करेंगे जिसे करने की जरूरत है? बिडेन ने पूछा। हम क्यों इस नरसंहार के साथ जीने को तैयार हैं?

बराक ओबामा बोले- सख्त कदम उठाने की जरूरत

टेक्सास में हुई गोलीबारी के बाद पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा है कि उनका देश लकवाग्रस्त हो चुका है। उन्होंने कहा, पूरे देश में माँ-बाप अपने बच्चों को बिस्तर पर सुलाते हैं, कहानी और लोरियां सुनाते हैं। लेकिन उनके दिमाग में कहीं ये चिंता रहती है कि अगर कल को वो अपने बच्चे को स्कूल में, किसी दुकान या किसी भी सार्वजनिक जगह पर छोड़कर जाते हैं, तो उसके साथ क्या हो जाएगा।

ओबामा ने सैंडी हुक हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सैंडी हुक में हमले के 10 साल बाद और बफेलो सुपरमार्केट में गोलीबारी के 10 दिन बाद- हमारा देश लकवाग्रस्त हो गया है।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि ये हमले डर के कारण नहीं हो रहे हैं, बल्कि बंदूक के पैरोकारों और एक राजनीतिक पार्टी की वजह से है जो इस तरह की त्रासदी से बचने के लिए कोई ठोस कदम उठाने की इच्छुक ही नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

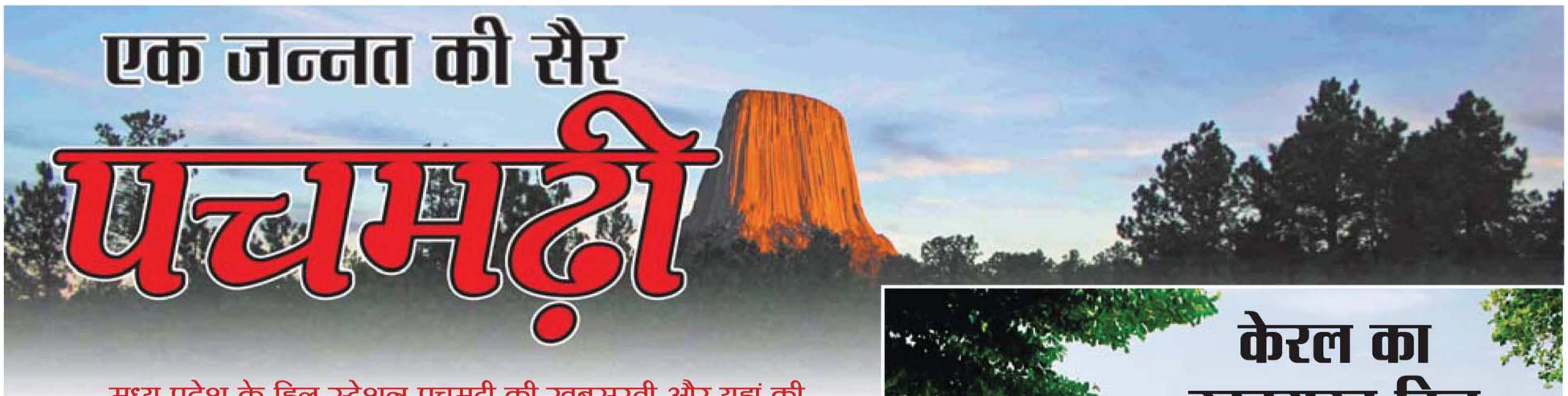

एक जन्नत की सैर पचमढ़ी

मध्य प्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी की खूबसूरती और यहां की आबोहवा सर चढ़ कर बोलती है। आप एक बार यहां पहुंचें कि यहां की खुशबूदार हवा, फाउंटेन, मनमोहक पेड़-पौधे, पहाड़ और दूर-दूर तक चारों तरफ फैली हरियाली आपकी आंखों के सामने नैसर्गिक सौंदर्य का संसार प्रस्तुत कर देगी।

अतुल्य भारत..! वाकई, जिसने भी कहा, यूं ही नहीं कहा। अपनी गोद में अप्रतिम सौन्दर्य और प्राचीन विरासत को समेटे यह शुरू से ही लोगों को आकर्षित करता रहा है। बिल्कुल ऐसा ही अहसास होता है मध्य प्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी पहुंच कर। अगर आप यहां नहीं आए हैं तो नाम तो सुना ही होगा। और अगर आए हैं तो मध्य प्रदेश की सरजमीं पर बैठी स्वर्ग-सी लगती यह जगह आपकी स्मृतियों में निश्चित रूप से आज भी बसी होगी। पचमढ़ी, जहां पहुंच कर आप कश्मीर जैसी खूबसूरती और पोखरा (नेपाल) जैसी शांति पाएंगे। यहां इतिहास, कुदरत और प्रकृति का अद्भुत संगम है। लगभग 60 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले पचमढ़ी को लोग सतपुड़ा की रानी के नाम से भी जानते हैं। समुद्र तल से 1100 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर की आबादी लगभग 12 हजार है और उसमें भी भारतीय सेना की संख्या ज्यादा है, क्योंकि यह पूरा एरिया सैनिक छावनी है। यहां की जीवनशैली आज भी बाहरी चकाचौंध से अछूती है। अगर आप भी कुदरत के सौन्दर्य को प्रेम करते या करना चाहते हैं तो उठाइए अपना ट्रेवल बैग और पहुंच जाइए इस छोटी-सी सैरगाह में, सुकून और प्रदूषणरहित वातावरण में कुछ पल बिताने के लिए।

जैसे-जैसे पचमढ़ी की ओर बढ़ते जाएंगे, ठंडी हवा के झोंके आपके तनमन को छूते हुए आपको रोमांचित करते जाएंगे। यकीन मानिए, रास्ते में आने वाले ढाबे पर मिलने वाली गर्मागर्म चाय की चुस्कियों के साथ यात्रा का आनंद और भी बढ़ता जाएगा। यहां पर आपको जैन, वैष्णो और स्थानीय व्यंजनों का भरपूर लुफ्त उठाने का मौका मिलेगा।

शहरी आबादी को छोड़ कर जैसे ही गाड़ी पहाड़ों में प्रवेश करती है आपको प्राकृतिक जल-प्रपात, घने जंगल और दुर्लभ किस्म के पेड़ दिखने लगते हैं, जिन्हें देख कर बरबस ही आपके मुंह से तारीफ निकल पड़ेगी। इस यात्रा के साथ जुड़ी एक खास बात और है। यहां आने वाला हर यात्री पंचमढ़ी के रास्ते में पड़ने वाले बीड़ी बाबा की मजार पर रुके बिना आगे नहीं बढ़ता। ऐसी मान्यता है कि बाबा को बीड़ी की भेंट चढ़ाए बिना अगर यात्रा शुरू की जाती है तो कोई न कोई अनहोनी जरूर होती है। बहुत कम लोग यह जानते हैं कि पचमढ़ी का नाम पचमढ़ी कैसे पड़ा। यहां पांच गुफाएं हैं, जिन्हें पांडव गुफा कहा जाता है, जहां पांडवों ने अपने अज्ञातवास के कुछ दिन बिताए थे। पंच+मढ़ी यानी पांच गुफाएं। बाद में यह पचमढ़ी नाम ही चलन में आ गया। आप यहां गुप्त महादेव, जटा शंकर, धूपघड़ी, हांडी खोह, बी फॉल, पंचमढ़ी हिल, अप्सरा फॉल, रीछ गढ़, रजत प्रपात, पिकादेली सर्कस, भारतीय सैनिक म्यूजिक स्कूल जैसी तमाम जगहें देख सकते हैं। गुप्त महादेव में आपको अद्भुत शांति और सौंदर्य का आनंद मिलेगा। एक और खास बात, जो आपको यहां देखने को मिलेगी, वो है भगवान राम के दूत बन्दर, लेकिन उनसे परेशानी महसूस नहीं होगी। जब आप यहां पहुंचे हैं तो बोटिंग का भी लुत्फ उठा ही लें। अद्भुत सौंदर्य बिखेरती यहां की शाम भी हर टूरिस्ट को आकर्षित करती है। सतपुड़ा की चोटी से डूबते सूरज का धरती के आगोश में जाने का नजारा आपकी जिंदगी का सबसे खूबसूरत और यादगार नजारा बन जाएगा। सतपुड़ा में आने के बाद अगर आपकी किस्मत अच्छी रही तो जंगल के सबसे खूबसूरत प्राणी बाघ के दर्शन हो जाएंगे, क्योंकि सतपुड़ा बाघों के लिए सुरक्षित है।

आप पूरे साल यहां आ सकते हैं, पर सबसे उपयुक्त समय अक्टूबर से मई के बीच का है। आप अपने साथ यहां आते समय एक जोड़े स्पोर्ट्स जूते रखना ना भूलें, क्योंकि पहाड़ी रास्तों पर चलने के लिए उनकी जरूरत पड़ती है। यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में है, जो 195 किलोमीटर की दूरी पर है। दिल्ली, मुंबई, जबलपुर और इंदौर से भोपाल तक लगातार विमानों की सुविधा उपलब्ध है। हवाई जहाज के अलावा यहां ट्रेन और बस से भी पहुंचा जा सकता है। ट्रेन मार्ग से अगर आप दिल्ली से अपना सफर शुरू करते हैं तो भारतीय रेल आपका साथ हबीबगंज (पिपरिया) तक देगी। उसके बाद का सफर टैक्सी और बस के जरिए पूरा किया जा सकता है। किराए पर आपको जिप्सी इत्यादि आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे।

कैसे पहुंचें

वायु मार्ग : नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में है, जो यहां से 195 किलोमीटर है। भोपाल से सड़क मार्ग द्वारा यहां पहुंचने में 5-6 घंटे लग जाते हैं।

रेलमार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन देवरिया सिर्फ 47 किलोमीटर की दूरी पर है, जहां से आप टैक्सी लेकर पचमढ़ी पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग : पचमढ़ी भोपाल, नागपुर, पिपरिया और होशंगाबाद से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और यहां के लिए नियमित बसें चलती हैं।

कहां ठहरें : पचमढ़ी में ठहरने की बहुत अच्छी व्यवस्था है। टूरिस्ट बंगले, हॉलीडे होम्स और कॉटेज तो हैं ही, सस्ते-सस्ते रेस्ट हाउस भी हैं, जो आपके बजट में रहेंगे।

केरल का खूबसूरत हिल स्टेशन मुन्नार

केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है मुन्नार। यहां पर्यटक प्रकृति की खूबसूरती का आनंद ले सकते हैं। मुन्नार को ईश्वर का देश भी कहा जाता है। खूबसूरती ऐसी कि जैसे यह धरती के स्वर्ग की तरह लगता है। समुद्रतल से 1,700 मीटर ऊपर मुन्नार का दक्षिणी-पश्चिमी मैदानी इलाका ऐसा लगता है, जैसे मैदानों पर तरंगें तैर रही हैं। मुन्नार को चाय के बागानों का शहर भी कहा जाता हैं। यहां चाय के कई बगीचे भी देखने को मिल जाएंगे।

देखने लायक जगह-

अगर आप रोमांचक खेल के शौकीन हैं तो मुन्नार में आपके लिए बहुत कुछ है। जैसे ट्रैकिंग, पारा ग्लाइडिंग, रोप क्लाइबिंग और हाइकिंग। मुन्नार में देखने लायक जगह हैं राजमाला, चितीरापुरम और इकोपाइंट। मुन्नार में पर्यटकों के लिए आकर्षण है- मट्टुपेटी बांध। मुन्नार की असली सुंदरता पोतैमेदु में है, जो एक महत्वपूर्ण बागान है। मन को सम्मोहित करने वाली झीलें और घने जंगल यहां की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं।

मुन्नार पहाड़ों से तीन तरफ यानी मुद्रापजा, नल्लतनी और कंडाला से घिरा है। किसी समय मुन्नार ब्रिटिश सरकार का दक्षिणी भारत का गर्मियों का रिजार्ट हुआ करता था। मुन्नार की खूबसूरती शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

मुन्नार का रोमांचक इतिहास

यहां का इतिहास काफी रोमांचक है। यहां कभी ब्रिटिश शासकों का राज हुआ करता था। स्काटिश पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत के मानचित्र में मुन्नार को ढूंढ़ा। ब्रिटिश मुन्नार को चाय की खेती के लिए इस्तेमाल करते थे और शहर की गर्मी से बचने के लिए यहां आते थे। इतिहास में मुन्नार में लोगों का बसना और इस क्षेत्र में सिविलाइजेशन से जुड़े कई तथ्य पाए गए हैं। सबूत यही बताते हैं कि यहां जीवन दसवीं शताब्दी से शुरू हुआ था। 19वीं शताब्दी आते-आते यहां छोटे-छोटे गांव बनने शुरू हो गए। 1895 के बाद मुन्नार में विकाय कार्य भी होने लगा।

यहां का खूबसूरत वातावरण और दोस्ताना व्यवहार करने वाले निवासी बाहर से आने वालों का दिल जीत लेते हैं।

जब चाहें जाएं

मुन्नार आप साल में कभी भी जा सकते हैं। सही समय है सितंबर से मई के बीच में। जून से लेकर सितंबर तक यहां मानसून रहता है। सर्दी में मुन्नार के लिए आपको भारी भरकम ऊनी कपड़े ले जाने पड़ेंगे ताकि आप वहां की सर्दी से बच सकें।

कैसे जाएं

मुन्नार के लिए आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग या सड़क मार्ग तीनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। मुन्नार के लिए सबसे नजदीक हवाई अड्डा कोच्चि और मदुरै है, जो 142 किलोमीटर की दूरी पर हैं। नजदीकी रेलवे स्टेशन कोच्यो और कोट्टायम हैं, जहां से मुन्नार के लिए ट्रेन जाती रहती है। मुन्नार जाने के लिए सड़क से पहुंच सकते हैं। लोकल बस और कैब आपको आसानी से शहर में मिल जाएंगे।

अगर आप मुन्नार में थोड़ा और घूमना चाहते हैं, तो आसपास कुछ जगह जैसे मैरायूर, नदूकनी और मीनली भी जा सकते हैं। मुन्नार की खूबसूरती का असली मजा वहां के फ्लोरा और फायना में है जो मुन्नार शहर की खूबसूरती को और भी देखने लायक और आकर्षक बनाते हैं।

सैलानियों को बुलाती हैं कुल्लू मनाली की घाटियां

मनाली का नाम मानवलय के नाम पर पड़ा है, जो मनु का निवास स्थान था। एक किवदंती के अनुसार मनु एकमात्र प्राणी था जो महा प्रलय (भयंकर बाढ़) से बच गया था। पर उस बाढ़ के बाद भी मनाली की खूबसूरती आज भी वैसी ही हैं।

एक तरफ हिमालय की सुंदर पहाड़ियां, दूसरी तरफ शहर के बीच बहती नदी, हरी भरी घाटियां, घुमावदार मैदान और यहां का पारंपरिक संगीत। यह सब सैलानियों को अपनी तरफ आकर्षित करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

यहां की संस्कृति के रंग कुल्लू, मनाली के मंदिरों, अनूठे गांवों, वहां के लोगों के पहनावे, त्योहार का माहौल और शिल्पकला, ये सब कुल्लू मनाली के खास आकर्षण हैं। इन सब का मजा लेने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं। कुल्लू की ट्रेकिंग और बर्फ पर स्कीइंग करने का मजा ही कुछ और है। यहां की घाटियों के अद्भुत सौंदर्य को देखते हुए इसे 'देवताओं की घाटी' का भी नाम दिया गया है। मनाली में जीप सफारी और रिवर राफ्टिंग का मजा भी लिया जा सकता है। बहुत सारी एडवेंचर कंपनियां यहां पर रिवर राफ्टिंग का आयोजन करती हैं। मनाली से चलें तो हमें मिलती है सोलंग घाटी, जहां गर्मियों में पैराग्लाइडिंग के मजे लिए जा सकते हैं।

बसंत ऋतु में लगने वाला यहां का दशहरा मेला पूरे भारत में मशहूर है। एक महीने तक चलने वाला यह दशहरा कुल्लू की संस्कृति की झांकी है। भगवान रघुनाथ, हिडिंबा देवी जैसी कई देवताओं की पूजा इन दिनों होती हैं। लोग नाचते, गाते और भगवान की पूजा अर्चना करते हैं। दशहरा के नौवें दिन यहां देवता दरबार लगाया जाता है और दसवें दिन रावण के पुतले का दहन होता है और यह उत्सव हमेशा के लिए मन में अमिट छाप छोड़ देता है।

मनाली के पास ही है रानी नाला, जहां पूरे साल आप बर्फ का मजा ले सकते हैं। छह किलोमीटर की दूरी पर शिकारे के रूप में शिव मंदिर बना है। भीम की पत्नी हिडिंबा की याद में यहां मंदिर बनाया गया हैं जहां मई में मेला लगता है।

चंडीगढ़ और शिमला तक ट्रेन की सुविधा होने से लोग मनाली आसानी से पहुंच जाते हैं। कुल्लू से दस किलोमीटर दूर भूंटार में हवाई अड्डा है। आप चाहें तो दिल्ली या चंडीगढ़ से लग्जरी बस से भी कुल्लू मनाली आ सकते हैं।

कब जाएंगे : कुल्लू मनाली जाने का सबसे बढ़िया समय है अप्रैल से सितंबर। इस दौरान आप हल्के ऊनी कपड़ों से काम चला सकते हैं। पर अक्टूबर से मार्च में भारी भरकम कपड़ों की जरूरत पड़ती है क्योंकि वहां ठंड बढ़ जाती है।